www.navpradesh.com
दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, बुधवार, 08 जुलाई 2026 | कृष्ण पक्ष-अष्टमी, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 87 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर: 618 वर्षों से अक्षुण्ण है 'गोंचा महापर्व' की परंपरा

■ आदिवासी और वैष्णव संस्कृति का अनूठा संगम

■ देश का इकलौता मंदिर जहां रथयात्रा में शामिल होते हैं भगवान के 22 विग्रह

अनिल सामंत/नरेंद्र पाणीग्राही

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर का ऐतिहासिक 'गोंचा महापर्व' केवल भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा नहीं, बल्कि छह शताब्दियों से अधिक समय से चली आ रही अटूट आस्था और लोक-संस्कृति का विराट उत्सव है। वर्ष 1408 ईस्वी में काकतीय (चालुक्य) वंशीय शासक महाराजा पुरुषोत्तम देव द्वारा प्रारंभ की गई यह गौरवशाली परंपरा आज लगभग 618 वर्षों बाद भी उसी भव्यता, श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ जीवंत है। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से शुरू होने वाला यह पर्व बस्तर की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है।

राजा को मिली थी 'रथपति' की उपाधि, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बांस की 'तुपकी' और 'पेंग' फल की अनूठी सलामी

गोंचा महापर्व की सबसे विशिष्ट और अनूठी पहचान 'तुपकी' है। बांस से बनाई जाने वाली इस पारंपरिक बंदूकनुमा तुपकी में जंगली फल 'पेंग' को गोली की तरह इस्तेमाल किया जाता है। बस्तर के आदिवासी और श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के रथ के सामने तुपकी चलाकर उन्हें सलामी देते हैं और आपस में पेंग चलाकर खुशियां बांटते हैं। यह अद्भुत लोक-परंपरा पूरे भारत में केवल बस्तर में ही देखने को मिलती है।

618 वर्षों से अक्षुण्ण है आस्था का रथ

नवप्रदेश विशेष

■ **ऐतिहासिक शुरुआत:** वर्ष 1408 ईस्वी में बस्तर के काकतीय वंशीय राजा महाराजा पुरुषोत्तम देव ने इस महापर्व की नींव रखी थी, जो आज 618 वर्षों बाद भी पूरी भव्यता से जारी है।

■ **360 परिवारों की परंपरा:** राजा के साथ ओडिशा से आए 360 आरण्यक ब्राह्मण परिवारों की पीढ़ियां आज भी जगदलपुर के जगन्नाथ मंदिर में इन अद्वितीय धार्मिक विधानों का निर्वहन कर रही हैं।

■ **22 विग्रहों की महायात्रा:** देश का इकलौता ऐसा जगन्नाथ मंदिर, जहां रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के सभी 22 विग्रह (प्रतिमाएं) एक साथ रथों पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलते हैं।

■ **बाहुड़ा और कपाट फेड़ा:** आषाढ़ शुक्ल दशमी को भगवान की वापसी यात्रा (बाहुड़ा गोंचा) होगी। इसके बाद रूठी माता लक्ष्मी को मनाने की रोचक रस्म 'कपाट फेड़ा' के साथ मंदिर के पट खोले जाएंगे।

देश में अद्वितीय: एक साथ निकलते हैं 22 विग्रह

जगदलपुर के जगन्नाथ मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के कुल 22 विग्रह (प्रतिमाएं) स्थापित हैं। रथयात्रा के दौरान इन सभी 22 प्रतिमाओं की एक साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है, जो देश के अन्य किसी भी जगन्नाथ मंदिर में नहीं होता। आषाढ़ शुक्ल दशमी को 'बाहुड़ा गोंचा' (भगवान की वापसी यात्रा) के बाद 'कपाट फेड़ा' विधान संपन्न होगा, जिसमें माता लक्ष्मी के रूठने और भगवान के मनुहार के बाद मंदिर के द्वार खोले जाएंगे।

आज बेबाक

लो भैया मिस्टर परफेक्शनिस्ट ने परफेक्ट हैट्रिक लगा ही दी। हो सकता है कि आने वाले समय में वे झन्नाटेदार चौंका भी जड़ दें। एक बेचारा सलमान खान है जो एक प्यार की खातिर आज तक कुंवारा बैठा गा रहा है कि - हर किसी को नहीं मिलता यहां प्यार जिंदगी में... और दूसरा ये आमीर खान है जो परफेक्ट प्यार की तलाश में यह गाते हुए कि - मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू.....एक के बाद एक शादी किए जा रहा है। पता नहीं लव जेहाद के इस ब्रांड एम्बेसडर की परफेक्ट प्यार की तलाश कहां जाकर खत्म होगी?

कैबिनेट की बैठक में आज कई महत्वपूर्ण फैसले संभव

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में बुधवार 8 जुलाई को नवा रायपुर स्थित मंत्रालय भवन में शाम 4 बजे कैबिनेट की बैठक रखी गई है। बैठक में मानसून सत्र में पेश होने वाले अनुपूरक बजट का अनुमोदन किया जाएगा। इसके अलावा एक-दो संशोधन विधेयकों का भी अनुमोदन किए जाने की संभावना है। कैबिनेट में एक दो अन्य महत्वपूर्ण फैसलों पर भी मुहर लग सकती है।

भारत पहुंचे अफगान के विदेश मंत्री

नई दिल्ली/ए.। पाकिस्तान से तनातनी के बीच अफगानिस्तान के एक मंत्री अचानक भारत पहुंच गए हैं। भारत हमेशा से अफगानिस्तान का मददगार रहा है। इस बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी पोस्ट किया है। अफगानिस्तान के मंत्री की गर्मजोशी के साथ स्वागत की विदेश मंत्रालय ने एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर अफगानिस्तान के मंत्री के नई दिल्ली पहुंचने की जानकारी दी। उन्होंने एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा-अफगानिस्तान के कृषि, सिंचाई और पशुपालन मंत्री मौलवी अताउल्लाह ओमारी के नई दिल्ली पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।' रणधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा-'आपसी हित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा की उम्मीद है।'

कुदरत का कहर : केरल में सेना व एनडीआरएफ ने संभाला मोर्चा, महाराष्ट्र स्कूल-कॉलेज बंद; एमपी में नदियां उफान पर

वायनाड में भूस्खलन से तबाही, 5 की मौत, कश्मीर के डोडा में फटा बादल

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल/ए.। देश के कई राज्य इस समय मानसून के रौद्र रूप का सामना कर रहे हैं। केरल, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। केरल के पहाड़ी जिले वायनाड में मंगलवार को दिल दहला देने वाला हादसा हुआ।

मेप्पडी में पिछले 24 घंटों में रिकॉर्ड 226 मिमी बारिश के बाद अनाक्कम्पॉयिल-कल्लाडी सुरंग सड़क परियोजना के पास भीषण भूस्खलन (लैंडस्लाइड) हो गया। पहाड़ों से ताश के पत्तों की तरह गिरे मलबे में एक निर्माण स्थल का बड़ा हिस्सा दब गया है। हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग लापता हैं। पर्यटकों के बीच लोकप्रिय इस इलाके में कई निजी वाहनों और श्रमिकों को ले जाने वाली एक बस के मलबे में दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू टीम ने अब तक तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। मुख्यमंत्री वी.डी. ■ शेष पृष्ठ 8 पर

डोडा में बादल फटा, महाराष्ट्र और एमपी में नदियां उफान पर

■ **जम्मू-कश्मीर:** डोडा जिले के ऊपरी इलाके में बादल फटने से अचानक भीषण बाढ़ (फ्लैश फ्लड) आ गई। पहाड़ों से बहकर आए मलबे और पत्थरों की चपेट में आने से कई घर, दुकानें और गाड़ियां बर्बाद हो गईं।

■ **महाराष्ट्र (मुंबई):** मुंबई में पिछले 48 घंटों में लगभग 15 इंच (380 मिमी) रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के 'ऑरेंज अलर्ट' को देखते हुए मुंबई और नासिक के सभी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। सुरक्षा के लिहाज से प्रसिद्ध त्र्यंबकेश्वर मंदिर और सप्तश्रृंगी मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए आज बंद रखा गया है।

■ **मध्य प्रदेश:** एमपी के 35 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश का दौर जारी है। बालाघाट में बाघ नदी के उफान पर आने से पुल निर्माण कार्य में लगी एक कार, जेसीबी और लोडर मशीन पानी के तेज बहाव में बह गए। खजुराहो में सबसे ज्यादा 4.4 इंच बारिश दर्ज की गई है।

भारी बारिश का अलर्ट: बालोद में 30 फीट धंसी खेत की जमीन

■ **अंबिकापुर में आकाशीय बिजली गिरने से चरवाहे की मौत**

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान मध्य छत्तीसगढ़ सहित प्रदेश के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आज (मंगलवार) भी मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

वज्रपात की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत, दो झुलसे

सरगुजा संभाग में बारिश के साथ आकाशीय बिजली का कहर टूटा है। अंबिकापुर के गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम करम्हा में मवेशी चराने गए 65 वर्षीय बुजुर्ग जयनाथ राम की बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुर में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 12 वर्षीय बालक सूरज यादव और 48 वर्षीय रामबिलास यादव बुरी तरह झुलस गए। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पीएम मोदी को मिला इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

■ **प्रधानमंत्री ने कहा – यह 140 करोड़ भारतीयों का आदर**

जकार्ता/नई दिल्ली/ए.। भारत और इंडोनेशिया के बीच ऐतिहासिक संबंधों को नया आयाम देते हुए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'बिन्तांग आदिपूर्णा' (मेडल ऑफ ऑनर) से नवाजा है। मंगलवार को जकार्ता में द्विपक्षीय वार्ता के दौरान पीएम मोदी को इस विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर देशवासियों के साथ यह खुशी साझा की। पीएम मोदी ने कहा, ÷यह सम्मान अकेले मेरा नहीं, बल्कि भारत के कोटि-कोटि वासियों का है। यह पुरस्कार इंडोनेशिया के लोगों के स्नेह, आत्मीयता और दोनों देशों के बीच सदियों पुराने गहरे सांस्कृतिक व ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है। मैं इस विशेष सम्मान के लिए राष्ट्रपति प्रबोवो, इंडोनेशिया सरकार और वहां की जनता का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया

भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। इसी के साथ फिलीपींस, वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है। इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय 'अस्त्र' एयर-टु-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। वहीं भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने में भी मदद करेगा। राष्ट्रपति प्रबोवो ने उन्हें इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान दिया। इसके बाद पीएम ने इंडोनेशियाई संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यहां सर्वोच्च सम्मान मिलना सौभाग्य है। पीएम शाम को जकार्ता में भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे। वे बुधवार को इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन जाएंगे। यह मंदिर 1000 साल से ज्यादा पुराना है।

फर्जी अंकसूची के आधार पर नौकरी, दो कर्मचारी बर्खास्त

■ **2013 की भृत्य भर्ती में किया था फर्जीवाड़ा, विस में गूंजा था मामला**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के वाणिज्यिक कर विभाग में फर्जी मार्कशीट के सहारे सरकारी नौकरी हासिल करने वाले दो कर्मचारियों–किशोर पटेल और भागवत पटेल को जीएसटी कमिश्नर पुष्पेंद्र मीणा ने तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है।

यह कार्रवाई विधानसभा में ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से मामला उठने के बाद की गई है। दोनों आरोपियों ने साल 2013 की भृत्य (चपरासी) भर्ती में कक्षा 8वीं की फर्जी अंकसूची लगाकर 96% से अधिक अंक दिखाए थे और मेरिट में जगह बनाई थी। बाद में वे पदोन्नत होकर सहायक ग्रेड-3 बन गए थे। आरटीआई से खुलासा हुआ कि दोनों समतुल्यता परीक्षा में अनुपस्थित थे, फिर भी तत्कालीन हेड मास्टर, बीईओ सारंगढ़ और डीईओ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आपराधिक केस दर्ज करने की मांग

सरकारी नियमों के मुताबिक, फर्जी दस्तावेजों के सहारे नौकरी पाने और सरकारी खजाने को चूना लगाने के मामले में बर्खास्तगी के साथ-साथ 'आपराधिक प्रकरण' दर्ज करने का भी कड़ा प्रावधान है, जो कि इस मामले में अभी तक नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों में इसे लेकर गहरा रोष है।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन 17 जुलाई को पटरी पर दौड़ेगी

■ **17 को पीएम दिखाएंगे हरी झंडी, जींद-सोनीपत रूट से होगी शुरुआत**

नई दिल्ली/ए.। भारतीय रेलवे के इतिहास में 17 जुलाई का दिन एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ने जा रहा है। देश की पहली पर्यावरण-अनुकूल 'हाइड्रोजन ईंधन' से चलने वाली ट्रेन की शुरुआत होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अत्याधुनिक ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

यह ट्रेन हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड (रूट) पर दौड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसके संचालन से प्रदूषण का स्तर लगभग शून्य (जीरो कार्बन एमिशन) ■ शेष पृष्ठ 8 पर

डीजल और बिजली के मुकाबले क्यों खास है हाइड्रोजन ट्रेन?

आसान शब्दों में कहें तो हाइड्रोजन ट्रेनें संचालन के लिए बिजली या डीजल के बजाय हाइड्रोजन गैस का इस्तेमाल करती हैं। वर्तमान में चलने वाली डीजल ट्रेनें सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करती हैं, जबकि बिजली से चलने वाली ट्रेनों के लिए भी बिजली का उत्पादन अधिकांशत: कोयले से ही होता है, जो परोक्ष रूप से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है।

छत्तीसगढ़-झारखंड मिलकर बदलेंगे सीमावर्ती क्षेत्रों की सूरत : सीएम साय

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन में झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सौजन्य भेंट की। इस उच्च स्तरीय बैठक में दोनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को गति देने, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रशासनिक अनुभवों को साझा करने पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दोनों राज्यों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ और झारखंड केवल भौगोलिक रूप से ही पड़ोसी नहीं हैं, बल्कि दोनों राज्यों के नागरिकों ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को मिलेगा व्यापक लाभ

■ **साझा रणनीति:** सीमावर्ती इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को मिलकर करेंगे मजबूत।

■ **सांस्कृतिक सेतु:** सीएम साय ने कहा– दोनों राज्यों में सिर्फ भौगोलिक निकटता नहीं, बल्कि गहरा सामाजिक व पारिवारिक संबंध।

■ **जशपुर कनेक्शन:** जशपुर क्षेत्र का झारखंड से सालों पुराना आत्मीय जुड़ाव, आपसी समन्वय बढ़ाने में मददगार।

■ **अनुभवों का आदान-प्रदान:** बेहतर गवर्नेंस के लिए दोनों राज्य एक-दूसरे की सफल योजनाओं के मॉडल को करेंगे साझा।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों के सचिवों के साथ की समीक्षा बैठक

अब छोटे निर्यातकों और कारोबारियों को जल्द मिलेगा रिफंड

■ **जीएसटी और वैट नियमों में संशोधन को मंजूरी**

■ **बैकलॉग पदों पर तुरंत भर्ती के निर्देश**

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य सरकार प्रदेश में व्यापार को बढ़ावा देने और प्रशासनिक कामकाज में तेजी लाने के लिए बड़े कदम उठाने जा रही है। मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में दो अत्यंत ■ शेष पृष्ठ 8 पर

भू-अर्जन के मामलों में तेजी लाने के निर्देश: इसके ठीक बाद मुख्य सचिव ने सभी विभागों के भारसाधक सचिवों की एक और उच्च स्तरीय बैठक ली। इस बैठक में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं जैसे–नियद नेल्लानार डैशबोर्ड, सुघ्घर छत्तीसगढ़, पीएम प्रगति पोर्टल, ई-प्रगति सीजी स्टेट पोर्टल, सेवा सेतु और पीएम सूर्य घर बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने साफकहा कि सभी विभागीय सचिव अपनी योजनाओं की लगातार मॉनिटरिंग करें।

बैठक के 5 बड़े फैसले और निर्देश

■ **टैक्स रिफंड प्रक्रिया आसान:** छोटे निर्यातकों और स्थानीय कारोबारियों को जल्द मिलेगा रिफंड, वर्किंग कैपिटल की समस्या होगी दूर।

■ **बैकलॉग पदों पर भर्ती:** मुख्य सचिव ने सभी विभागों को खाली पड़े बैकलॉग पदों को शीघ्र भरने के लिए तत्काल कार्रवाई शुरू करने को कहा।

■ **डिजिटल गवर्नेंस पर जोर:** ई-ऑफिस, लोक सेवा गारंटी, ई-गजट और डी-रेगुलेशन के कामों को समय पर पूरा करने की हिदायत।

■ **सचिवालय के शीर्ष अधिकारी रहे मौजूद:** बैठकों में अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, ऋचा शर्मा सहित सुषमा सावंत, मुकेश बंसल, अविनाश चम्पावत और सभी विभागों के वरिष्ठ सचिव व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे।

■ **मातृ-शिशु पोषण मॉडल:** प्रत्येक माता और बच्चे को पौष्टिक आहार सुनिश्चित करने के लिए यूनिसेफके सहयोग से नया प्रभावी मॉडल बनेगा।

चंपत राय ने तोड़ी चुप्पी, कहा- अंतिम रिपोर्ट के बाद दूंगा जवाब

अयोध्या/ए.। राम मंदिर के दानपात्र से चढ़ावा चोरी के मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। ट्रस्ट की बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार किए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को उन्होंने रामभक्तों के नाम एक पत्र जारी कर अपनी बात रखी।

अपने पत्र में चंपत राय ने कहा कि 7 जून 2026 को राम मंदिर परिसर के दानपात्र की गणना के दौरान हुई चोरी की घटना के बाद तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं और उन पर व्यक्तिगत रूप से अनेक निराधार आरोप लगाए गए हैं। इसी कारण उन्होंने अब तक मौन धारण किया था।

उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को हुई ट्रस्ट की बैठक में एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जो अब सार्वजनिक हो चुकी है। हालांकि यह रिपोर्ट ÷परम गोपनीय थी। उन्होंने रामभक्तों को आश्वस्त करते हुए कहा कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद उनके खिलाफ लगाए जा रहे सभी आरोपों और उठाए गए हर बिंदु पर क्रमवार जवाब देंगे। उनका दावा है कि अंतिम रिपोर्ट के बाद पूरा सच सामने आ जाएगा। पत्र में चंपत राय ने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

बस्तर में नकली डीएपी का आरोप, कलेक्टर कार्यालय पहुंच किसानों ने किया प्रदर्शन

- **कांच के गिलास में खाद की जांच कर उठाए सवाल,आठ दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी**

जगदलपुर/नवप्रदेश। खरीफ सीजन के बीच बस्तर में कथित नकली एवं मिलावटी डीएपी खाद की बिक्री का मामला गंभीर रूप से सामने आया है। खेती-किसानी के सबसे महत्वपूर्ण समय में किसानों ने आरोप लगाया कि बाजार में घटिया गुणवत्ता की खाद ऊंचे दामों पर बेची जा रही है, जिससे फसल उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। इस मुद्दे को लेकर सोमवार को इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने अपने साथ लाए गए संदिग्ध डीएपी खाद का कांच के गिलास में परीक्षण कर उसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए। इसके बाद विरोध स्वरूप खाद को कलेक्टर परिसर की घास पर डालकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। यह पूरा घटनाक्रम संयुक्त कलेक्टर एआर राणा एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ।

कृषि विभाग अधिक कीमत वसूलने वाले विक्रेताओं पर कार्रवाई करने दिया आश्वासन

कृषि विभाग के उपसंचालक राजीव श्रीवास्तव ने भी संदिग्ध खाद की जांच,अधिक कीमत वसूलने वाले विक्रेताओं पर कार्रवाई और आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू करने की बात कही। संघर्ष समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि आठ दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो किसानों के साथ शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन और व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर आकाश छिकारा को बताया कि नकली एवं मिलावटी खाद किसानों की मेहनत,फसल और आर्थिक स्थिति पर सीधा प्रहार है। यदि समय रहते ऐसे कारोबार पर रोक नहीं लगी तो हजारों किसानों की खरीफ फसल प्रभावित हो सकती है। कलेक्टर ने मामले को गंभीर बताते हुए कृषि विभाग को जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने तथा सभी खाद दु?कानों में निर्धारित मूल्य सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने के निर्देश देने का आश्वासन दिया।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई से दूसरे दिन भी जलापूर्ति बाधित

जगदलपुर/नवप्रदेश। नयामुंडा स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पीएचई विभाग द्वारा गाद (कीचड़) की सफाई के कारण शहर की टंकी लाइन से होने वाली पेयजल आपूर्ति दूसरे दिन भी प्रभावित रही। सोमवार दोपहर से बंद जलापूर्ति के चलते शहर के अधिकांश वार्डों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीएचई विभाग के अनुसार ट्रीटमेंट प्लांट में गाद की सफाई का कार्य मंगलवार शाम तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद बुधवार सुबह से शहर में टंकी के माध्यम से नियमित जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी। मोतीलाल नेहरू वार्ड के पार्षद आलोक अवस्थी ने बताया कि उनके वार्ड में भी सोमवार दोपहर से टंकी लाइन की जलापूर्ति पूरी तरह बंद है। उन्होंने कहा कि पीएचई विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह से वार्ड सहित पूरे शहर में पेयजल आपूर्ति पुनः सुचारू हो जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि आवश्यकतानुसार पानी का उपयोग करें और रखरखाव कार्य पूरा होने तक सहयोग बनाए रखें।

शहीद राम कुमार यादव कन्या शाला में शाला में प्रवेश उत्सव संपन्न

कांकेर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के दिशा निर्देश में शहीद राम कुमार यादव शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कांकेर में आज अरुण कौशिक अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कांकेर के मुख्य आतिथ्य में उत्तम यादव उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद कांकेर की अध्यक्षता में एवं रमशिला साहू अध्यक्ष शाला विकास प्रबंधन समिति के विशिष्ट अतिथि ,जयश्री शुक्ला प्राचार्य एवं रूपा पांडे प्रधान अध्यापक की उपस्थिति में विद्यालय के सभागार में शाला प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम संपन्न किया गया।

सर्वप्रथम अरुण कौशिक नगर पालिका अध्यक्ष उत्तम यादव नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं श्रीमती रामशिला साहू की उपस्थिति में विद्यालय प्रागण पर फलदार फूलदार पौधों का रोपण किया गया। तत्पश्चात अतिथियों के कर कमल से हाई स्कूल प्रादेशिक 112 बालिकाओं को सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत अतिथियों के कर कमल से साइकिल वितरित किया गया। सायकिल वितरण के पश्चात विद्यालय में प्रवेशित एवं उपस्थित नव प्रवेशी बच्चों पालकों एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ की उपस्थिति में शाला प्रवेश उत्सव का कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

सर्वप्रथम अतिथियों ने समस्त नव प्रवेशी बच्चों को तिलक गुलाल लगाकर उनका स्वागत अभिनंदन किया साथ ही निशुल्क गणवेश एवं पाठ्य पुस्तक का वितरण किया गया।

तत्पश्चात शालाप्रवेश उत्सव के इस आयोजन के उद्देश्य एवं विभिन्न जानकारी के माध्यम से विद्यालय का प्रतिवेदन प्राचार्य के द्वारा प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि अरुण कौशिक ने शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के उद्देश्यों की चर्चा की एवं उपस्थित पालकों से बच्चों को अध्ययन अध्यापन के साथ-साथ अनुशासन एवं स्वच्छता के संबंध में संबंध में भी अपने उद्गार व्यक्त किए। साथी विद्यालय की समस्याओं को त्वरित निराकरण करने हेतु निर्देशित भी किया। नगर पालिका उपाध्यक्ष उत्तम यादव एवं रमशिला साहू अध्यक्ष शाला विकास समिति ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

अंत में आभार प्रदर्शन प्रधानाध्यापक रूपा पांडे के द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन वाजिद खान ने किया।

साला प्रवेश उत्सव को सफल बनाने में संस्था के समस्त स्टाफ सीमा महादेव कर, तेजराम कौशिक,प्रमिला साव,सरोज बाला नेगी,नरेंद्र सोनी, संदीप टेकाम, टीकम साहू, रमन शर्मा, भवेंद्र साहू,, सुनीता रावते ,नीलमणि दीक्षित, ज्योति सर्वा,लीना नाग,नंदिनी साहू,भावना कुम्भकार,नमिता कश्यप, धारिणी साहू,स्वीटी सोनी,सतरूपा सिन्हा, का सहयोग रहा।

धान खरीदी के लिए 31 अक्टूबर तक होगा नवीन पंजीयन

कांकेर/नवप्रदेश। राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए नवीन किसान पंजीयन, पंजीकृत किसानों का खसरा मैपिंग, बैंक विवरण संशोधन एग्रीस्टेक पोर्टल में अथोराईजेशन माड्यूल का प्रयोग कर अधिया, रेगहा हेतु नॉमिनी पंजीयन और वनाधिकार पट्टाधारी व डूबान कृषकों, संस्थागत, ट्रस्ट का नवीन पंजीयन 01 जुलाई से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर तक किया जाएगा। नॉमिनी संशोधन 01 जुलाई से धान खरीदी अवधि तक एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से फसल की प्रविष्टि 15 अगस्त से 31 अगस्त तक विभागीय वेबसाईट द्धष्द्य.ष्द्द.द्दश्1.द्धठ्ठ के ऑनलाईन सोसायटी मॉड्यूल में किया जाएगा। गत वर्ष 2025-26 में पंजीकृत किसानों को वर्तमान वर्ष 2026-27 में पंजीकृत माना जाएगा।

मां दंतेश्वरी और मां छिन्नमस्तिका धाम के बीच सीधे रेल संपर्क की मांग, धार्मिक पर्यटन और व्यापार को मिलेगा नया आयाम

बरकाकाना तक बढ़े राउरकेला-जगदलपुर इंटरसिटी बस्तर से झारखंड-बिहार का सफर होगा आसान

अनिल सामंत

नवप्रदेश विशेष

जगदलपुर/नवप्रदेश। राउरकेला-जगदलपुर-राउरकेला इंटरसिटी एक्सप्रेस (18107/18108) का झारखंड के बरकाकाना तक विस्तार किए जाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। प्रस्ताव है कि ट्रेन को राउरकेला, ओरगा, बानो, गोविंदपुर रोड, हटिया, रांची, नामकुम, तातीसिलवे और मेसरा होते हुए बरकाकाना तक संचालित किया जाए। रेल जानकार दिल्ली निवासी आदित्य शर्मा का मानना है कि बरकाकाना स्टेशन पर 18 से 22 कोच क्षमता वाली पिटलाइन का कार्य पूरा होने के बाद इस विस्तार को आसानी से लागू किया जा सकता है।

शर्मा के अनुसार इस विस्तार से बस्तर,दक्षिणओडिशा,झारखंड और बिहार के हजारों यात्रियों को बिना ट्रेन बदले अपने गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में इन क्षेत्रों के लोगों को रांची या राउरकेला में ट्रेन बदलनी पड़ती है,जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त खपत होती है। बरकाकाना तक सीधी रेल सेवा मिलने से नौकरी, शिक्षा, इलाज और व्यापारिक गतिविधियों के लिए यात्रा अधिक सुगम हो जाएगी।

बस्तर और झारखंड देवी मंदिरों से जुड़ने से श्रद्धालुओं को मिलेगी राहत: धार्मिक दृष्टि से भी यह विस्तार अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के शक्तिपीठ और बरकाकाना के निकट स्थित विश्व प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका (रजरप्पा) मंदिर के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होने से दोनों राज्यों के श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। रेल यात्रियों ने जनहित को देखते हुए रेलवे प्रशासन से बरकाकाना पिटलाइन विस्तार कार्य पूरा होते ही राउरकेला-जगदलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का बरकाकाना तक विस्तार शीघ्र स्वीकृत करने की मांग की है।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने सांसद को सौंपा छह सूत्रीय मांगपत्र, 2% महंगाई भत्ता देने की मांग

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ और पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सांसद बस्तर महेश कश्यप को छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपकर लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से कर्मचारियों को 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने और अन्य लंबित मांगों का समाधान कराने का आग्रह किया।

संभागीय अध्यक्ष अतुल शुक्ला एवं जिला अध्यक्ष संजय चौहान के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि 10 जून को सभी जिला एवं विकासखंड मुख्यालयों में भी राज्य शासन के नाम ज्ञापन दिए गए थे,लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। कर्मचारियों ने कहा कि लंबित मांगों के कारण कर्मचारियों में असंतोष है और शीघ्र सकारात्मक पहल की आवश्यकता है।

प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को वीएसके (वीएसके) ऐप से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं से भी अवगत कराया। सांसद महेश कश्यप ने कर्मचारियों की मांगों पर राज्य शासन को पत्र लिखने तथा वीएसके ऐप से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए भी पहल करने का आश्वासन दिया।

ज्ञापन सौंपने के दौरान राम प्रभाकर मिश्रा, तीजू ठाकुर, जीएल यादव, पल्लव झा, महेश मानिकपुरी, रामजी मामड़ीकर, संजय वैष्णव, निरंकार आचार्य, मोतीलाल वर्मा, दिलीप विसाई सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्यालयों में लगेंगे शिविर

आधार बायोमेट्रिक अपडेट का विशेष अभियान शुरू

- **5 से 7 एवं 15 से 17 वर्ष के बच्चों का मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट अनिवार्य, शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश**

कांकेर/नवप्रदेश। भारत सरकार एवं भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के निर्देशानुसार कांकेर जिले में निर्धारित आयु वर्ग के बच्चों के मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देश पर शिक्षा विभाग के समन्वय से जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें पात्र विद्यार्थियों के आधार बायोमेट्रिक अपडेट का कार्य किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद एवं जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी) नवनीत पटेल ने बताया कि यूआईडीएआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार 5 से 7 वर्ष की आयु के बच्चों का प्रथम तथा 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों का द्वितीय मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट कराना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया में विद्यार्थियों के फिंगरप्रिंट, आईरिस (नेत्र पुतली) तथा नवीनतम फोटोग्राफ का अद्यतन किया जाता है, जिससे आधार की प्रमाणिकता बनी रहे और भविष्य में आधार आधारित प्रमाणीकरण संबंधी सेवाएं बिना किसी बाधा के संचालित हो सकें।

शिक्षा विभाग द्वारा ऐसे सभी विद्यालयों की पहचान की गई है, जहां पात्र विद्यार्थियों का आधार बायोमेट्रिक अपडेट लंबित है। इन विद्यालयों में चरणबद्ध रूप से विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। विद्यालयों के संस्था प्रमुखों को पात्र विद्यार्थियों की सूची तैयार करने, पालकों को समय पर सूचना देने तथा निर्धारित तिथि पर विद्यार्थियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोंटा में दर्दनाक सड़क हादसा, एजेक्स मशीन की टक्कर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समेत दो की मौत

जगदलपुर/कोंटा/नवप्रदेश। सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और उनके देवर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार,ग्राम पंचायत कोंडासांवली के पारा कमरगुड़ा निवासी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उर्मिला मांडवी अपने देवर बुधरा मांडवी के साथ दोपहिया वाहन से आंगनबाड़ी केंद्र के लिए गर्म भोजन लेने जगरगुंडा जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार एजेक्स कंक्रीट मशीन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि एजेक्स मशीन का चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। उनका यह भी दावा है कि दुर्घटना के बाद चालक ने मृतकों की तस्वीर ली और सीधे जगरगुंडा थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया।

घटना की सूचना पर जगरगुंडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। चालक के नशे में होने के आरोपों की भी जांच की जा रही है।

सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त हुए कलेक्टर-एसपी

बलरामपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-343 पर बने गड्ढों की मरम्मत कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग कर कार्य शीघ्र पूर्ण कराने को कहा।

भाजपा ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर किया स्मरण

डॉ मुखर्जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत: किरण सिंह देव

जगदलपुर/ नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्मजयंती पर जिले के सभी 13 मंडलों में स्मरण दिवस कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विभिन्न कार्यक्रमों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लाटिया सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

स्थानीय भोजपुरी समाज भवन और भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए किरण सिंह देव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रखर राष्ट्रवादी, महान शिक्षाविद्, दूरदर्शी चिंतक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। उन्होंने राष्ट्र की एकता,अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से डॉ. मुखर्जी के विचारों को आत्मसात कर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया।

प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लाटिया ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय चेतना को नई दिशा दी। भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय,जिला उपाध्यक्ष आर्येंद्र सिंह आर्य,पूर्वी नगर मंडल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव और पश्चिमी नगर मंडल अध्यक्ष प्रकाश झा ने भी उनके त्याग,बलिदान और विचारों को याद किया।कार्यक्रम का संचालन दिगंबर राव और संजय चंद्राकर ने किया,जबकि आभार प्रदर्शन मीना साहू एवं अतुल सिम्हा ने किया। इस अवसर पर महापौर संजय पाण्डेय,योगेन्द्र पाण्डेय,सफीरा साहू,रंजीत पाण्डेय,रोहित त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले के सभी 13 मंडलों में हुए कार्यक्रम

स्मरण दिवस के तहत जिले के सभी 13 भाजपा मंडलों में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने उनके राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

लगातार बारिश से शहर सहित आसपास जलमग्न, आज भी बारिश की चेतावनी

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार शाम से शुरू हुई बारिश अब तक जारी है, जिसके कारण राज्य के कई निचले इलाकों में पानी भर गया है और कई नदियां उफान पर हैं।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए राज्य के कुछ हिस्सों में 'बहुत भारी बारिश' की चेतावनी जारी की है। राज्य के बिलासपुर, मुंगेली, पेण्ड्रा, मनेंद्रगढ़, सरगुजा और आसपास के क्षेत्रों में बारिश का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल रहा है। बिलासपुर शहर की कई रिहायशी कॉलोनियों और मुख्य सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बारिश के कारण अरपा नदी सहित राज्य की कई छोटी-बड़ी नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।निचले इलाकों में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। घरों के बाहर खड़ी कई कारें पानी में आधी डूब गई हैं। कुछ जगहों पर पानी कारों के पहियों तक पहुंच गया है, जिससे वाहन चालकों और स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही है। गलियों में भरे पानी के कारण बच्चों और बुजुर्गों का निकलना मुश्किल हो गया है। जलभराव की वजह से बिजली के खंभों और ट्रांसफार्मरों के पास भी खतरा बढ़ गया है।स्थिति का जायजा लेने के लिए निगम आयुक्त ने मंगलवार को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने जलभराव वाले इलाकों, नालियों की सफाई और राहत कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की निकासी जल्द से जल्द करें और जरूरतमंद लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाएं। स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि बारिश के बाद फैलने वाली बीमारियों पर नियंत्रण रखा जा सके। अधिकारियों के अनुसार अभी तक राज्य के किसी भी हिस्से से बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति की सूचना नहीं मिली है। लेकिन नदियों के जलस्तर को देखते हुए तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मछुआरों को भी नदी में न जाने की हिदायत दी गई है।

प्रशासन की तैयारियां

निगम और जिला प्रशासन की टीमें लगातार फील्ड में हैं। जलभराव वाले इलाकों से पंप के जरिए पानी निकाला जा रहा है राहत शिविरों को तैयार रखा गया है एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को अलर्ट पर रखा गया है हेल्पलाइन नंबर जारी कर आम लोगों से सूचना मांगी जा रही हैलगातार बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है, लेकिन साथ ही डेंगू, मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। डॉक्टरों ने लोगों को साफ पानी पीने और मच्छरों से बचाव करने की सलाह दी है। कुल मिलाकर राज्य में बारिश से जहां एक तरफ खेती के लिए फायदा होगा, वहीं दूसरी तरफ शहरी क्षेत्रों में जलभराव और यातायात बाधित होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। मौसम साफ होने तक सतर्कता बरतना जरूरी है। अगले 24 घंटों में छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश हो सकती है। बिलासपुर, मुंगेली, सरगुजा और आसपास के जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और निचले इलाकों में रहने वाले लोग सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। किसानों को भी फसल बचाने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा गया है।

न्यूज गैलरी

अजाजजा विद्यार्थी उत्कर्ष योजनाः दावा आपत्ति 9 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित प्राक्चयन परीक्षा के परिणाम पर दावा-आपत्ति आमंत्रित किए गए हैं। परीक्षा का परिणाम 6 जुलाई को जारी कर दिया गया है। यदि किसी अभ्यर्थी को परीक्षा परिणाम पर कोई दावा या आपत्ति प्रस्तुत करनी है, तो वह 9 जुलाई (गुरुवार) तक सहायक आयुक्त कार्यालय, आदिवासी विकास, बिलासपुर में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद प्राप्त होने वाले दावा-आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्तीः ऑनलाईन आवेदन 15 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकण्डा अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक देवरीखुर्द 10, लिंगियाडीह 1 एवं टेकर 2 में आंगनबाड़ी सहायिका के एक-एक रिक्त पदों के लिए 15 जुलाई तक ऑनलाईन आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका ई-भर्ती ऑनलाईन लिंक http://aww.e-bharti.in में जाकर अनिवार्य दस्तावेज अपलोड करते हुए आवेदन कर सकती है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

उदयबंद में सहायिका भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन 20 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना मस्तुरी अंतर्गत ग्राम पंचायत अमलडीहा के आंगनबाड़ी केंद्र उदयबंद में आंगनबाड़ी सहायिका के एक रिक्त पद के लिए 20 जुलाई तक ऑनलाईन आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका ई-भर्ती ऑनलाईन लिंक http://aww.e-bharti.in में जाकर अनिवार्य दस्तावेज अपलोड करते हुए आवेदन कर सकती है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

टीएल बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं, सीएम हेल्पलाइन, खेती किसानी की प्रगति की समीक्षा

जिले में एक भी स्कूल एकल शिक्षक वाला नहीं रहेगाः कलेक्टर

बिलासपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में राज्य शासन की फ्लैगशिप योजनाओं एवं प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशील तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में एक भी स्कूल एकल शिक्षक वाला नहीं होना चाहिए तथा शिक्षा, जनकल्याण, शिकायत निवारण और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले के एकल शिक्षक विद्यालयों की समीक्षा करते हुए बताया कि वर्तमान में ऐसे 11 विद्यालय हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षकों की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी शालाओं में स्मार्ट टीवी एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र केवाईसी कराने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी स्वयं हितग्राहियों को बैंक तक ले जाकर उनकी प्रक्रिया पूरी कराएं, ताकि उन्हें योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी आवेदन का औपचारिक या एकतरफा निराकरण न करें। आवेदक से चर्चा कर उसकी समस्या का सार्थक समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने हेल्पलाइन पोर्टल का प्रतिदिन सुबह और शाम निरीक्षण करने तथा शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होने देने के निर्देश दिए। जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निकायों में स्वीकृत कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विभागों को अतिरिक्त राशि की आवश्यकता नहीं है, वे इसकी जानकारी दें, ताकि उपलब्ध राशि का उपयोग अन्य आवश्यक विकास कार्यों में किया जा सके।बारिश के मौसम को देखते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को पुल-पुलियों एवं नदी-नालों की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय महापौधरोपण 18 को, 10 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य

वर्षा ऋतु में प्रस्तावित पौधरोपण अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि जिले में इस वर्ष 10 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। आगामी 18 जुलाई को जिला स्तरीय विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों एवं आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वन विभाग द्वारा 8 लाख 17 हजार तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा 2.31 लाख पौधे तैयार रखे गए हैं। कलेक्टर ने बड़े आकार के पौधों का रोपण करने, शहर से लगे क्षेत्रों एवं छोटे झाड़ वाले जंगलों को प्राथमिकता देने तथा पौधों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने से अधिक महत्वपूर्ण उनका संरक्षण ज्यादा जरूरी है। कलेक्टर ने विधानसभा सत्र के सिलसिले में तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को ध्यानाकर्षण एवं प्रश्नों से संबंधित जानकारी समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होते ही छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थियों का शीघ्र पंजीयन कराने पर बल दिया, ताकि उन्हें समय पर छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि गत वर्ष आई कठिनाइयों का समय रहते समाधान कर लिया जाए, ताकि इस वर्ष किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पीएम जनमन योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेष रूप से बैगा एवं बिरहोर जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों के हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए उनके घर जाकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराई जाएं, ताकि उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

पुलिस के नाम पर धमकी देकर 45 हजार की अवैध वसूली, आरोपी गिरफ्तार

सीपत/नवप्रदेश। सीपत थाना क्षेत्र के ग्राम मड़ई-भाठापारा की रहने वाली एक महिला से पुलिस कार्रवाई का डर दिखाकर 45 हजार रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर सीपत पुलिस ने आरोपी लीलामणी सोनझरी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थिया आशा सोनझरी ने शिकायत में बताया कि वह मजदूरी कर अपना जीवनयापन करती है। उसने बताया कि वह पहले शराब बिक्री का काम करती थी, लेकिन पिछले दो-तीन वर्षों से उसने यह काम पूरी तरह बंद कर दिया है। शिकायत के मुताबिक, 5 जुलाई 2026 की सुबह ग्राम खम्हरिया निवासी लीलामणी सोनझरी उसके घर पहुंचा। आरोप है कि उसने अपने साथ लाई शराब को महिला के घर में रख दिया और उस पर अवैध शराब रखने एवं बेचने का आरोप लगाने लगा। इसके बाद उसने कहा कि यदि जेल जाने से बचना है तो पुलिस वालों को पैसे देने होंगे, अन्यथा वह पुलिस से कार्रवाई करवाकर जेल भिजवा देगा। महिला ने बताया कि आरोपी की धमकी से डरकर उसने अपने पति से 45 हजार रुपये मंगवाए और नगद राशि आरोपी को दे दी। अगले दिन 6 जुलाई को वह सीपत थाना पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कराई। महिला ने यह भी दावा किया है कि उसके पास घटना का वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग मौजूद है, जिसे पुलिस को सौंपा गया है। सीपत पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी लीलामणी सोनझरी के विरुद्ध मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

व्हाट्सएप पर मिला टिकट नहीं आया काम, यात्री को भरना पड़ा जुर्माना

डिजिटल टिकट के नियम जानना भी है जरूरी

बिलासपुर/नवप्रदेश। भैया, जल्दी से रायपुर तक का टिकट बना दो... कोरबा से रायपुर की यात्रा कर रही कुमारी अंकिता (बदला हुआ नाम) ने जैसे ही ट्रेन में टिकट जांच कर्मचारी (टीटीई) को अपनी ओर आते देखा, उन्होंने तत्काल अपने भाई को फोन किया। भाई ने रेलवन एप के माध्यम से कोरबा से रायपुर तक का अनारक्षित टिकट बनाकर उसका स्क्रीनशॉट व्हाट्सएप से उनके मोबाइल पर भेज दिया। अंकिता को लगा कि अब समस्या टल जाएगी, लेकिन रेलवे के नियम कुछ और ही कहते हैं।

गाड़ी संख्या 18517 कोरबा-विशाखापत्तनम लिंक एक्सप्रेस कोरबा स्टेशन से सायं 4:10 बजे प्रस्थान कर चुकी थी। टिकट जांच के दौरान अंकिता द्वारा प्रस्तुत टिकट का परीक्षण करने पर पाया गया कि वह टिकट सायं 4:45 बजे जारी किया गया था तथा उसका केवल स्क्रीनशॉट व्हाट्सएप के माध्यम से दिखाया जा रहा था। रेलवे के प्रचलित नियमों के अनुसार ऐसा स्क्रीनशॉट वैध यात्रा प्राधिकार नहीं माना जाता। परिणाम स्वरूप टिकट जांच कर्मचारी ने टिकट को अमान्य घोषित करते हुए नियमानुसार जुर्माना वसूल किया। पूछताछ के दौरान अंकिता ने बताया कि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि मोबाइल से बनाए गए अनारक्षित टिकट की वैधता के लिए टिकट उसी मोबाइल फोन में उपलब्ध होना चाहिए, जिसमें रेलवन एप पंजीकृत है और जिससे टिकट बनाया गया हो। केवल व्हाट्सएप, स्क्रीनशॉट अथवा किसी अन्य माध्यम से प्राप्त टिकट दिखाकर यात्रा करना नियमों के अनुरूप नहीं है। इस घटना के माध्यम से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सभी यात्रियों को जागरूक करना चाहता है कि डिजिटल टिकट का उपयोग करते समय रेलवे के निर्धारित नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है।

यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सुझाव

यात्रा प्रारंभ करने से पहले ही वैध टिकट लेकर यात्रा करें । यदि रेलवन एप से अनारक्षित टिकट बना रहे हैं, तो टिकट उसी मोबाइल फोन से बनाएं जिसमें ऐप पंजीकृत है। टिकट का केवल स्क्रीनशॉट, व्हाट्सएप या किसी अन्य माध्यम से प्राप्त प्रति वैध नहीं मानी जाती । यात्रा के दौरान वही मोबाइल अपने साथ रखें, जिसमें टिकट उपलब्ध है। टिकट जांच के समय डिजिटल टिकट दिखाने के लिए मोबाइल को पर्याप्त रूप से चार्ज रखना भी यात्री की जिम्मेदारी है । रजिस्टर्ड मोबाईल से बुक किये गये टिकट स्वयं मोबाईल धारक के लिए ही मान्य ।

लंबित भुगतान, अतिक्रमण और मजदूरी भुगतान के मिले आवेदन

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

बिलासपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों का शीघ्र परीक्षण कर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल तथा अपर कलेक्टर शिवकुमार बनर्जी ने भी लोगों की समस्याएं सुनीं।

जनदर्शन के दौरान कलेक्टर श्री अग्रवाल ने किसानों से खेती-किसानी की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की। किसानों ने बताया कि जिले में पर्याप्त वर्षा होने से खरीफ फसलों की बुआई और अन्य कृषि कार्य तेजी से चल रहे हैं। कलेक्टर ने किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा कृषि गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए प्रेरित किया। मस्तूरी विकासखंड के ग्राम सुकुलकारी निवासी राजकुमार सोनी ने ग्राम पंचायत जलसों के पंचायत भवन में किए गए विद्युत फिटिंग कार्य का दो वर्षों से लंबित भुगतान दिलाने का आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के लिए आवेदन जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भेजा।मस्तूरी विकासखंड के लिमतरा गांव में संचालित उचित मूल्य दुकान में पिछले चार से छह माह से राशन वितरण नहीं किए जाने की शिकायत भी जनदर्शन में प्राप्त हुई। कलेक्टर ने खाद्य नियंत्रक को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। तखतपुर विकासखंड के ग्राम पेंडारी निवासी किसान लक्ष्मी प्रसाद कौशिक ने खेत तक पहुंचने वाले मार्ग पर शासकीय भूमि में किए गए अतिक्रमण को हटाने की मांग की। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को प्रकरण का परीक्षण कर मार्ग को अविलंब अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए। तिफरा निवासी दिव्यांग कर्मचारी दुर्गा केंवट ने समाज कल्याण विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कार्य करते हुए वेतन भुगतान में हो रही देरी की शिकायत की। कलेक्टर ने संयुक्त संचालक, समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्रवाई कर लंबित भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बिल्हा जनपद पंचायत के ग्राम कड़ार से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बिना कार्य किए मजदूरी भुगतान किए जाने की शिकायत भी प्राप्त हुई। कलेक्टर ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर योजना से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन भी प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को भू-अभिलेख शाखा भेजते हुए पात्रता का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में जिला प्रशासन लगातार सक्रियता से कार्य कर रहा है।

सुनवाईः चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में हुई सुनवाई

रद्द नहीं होगी आरक्षक भर्ती परीक्षा, संदिग्धों की होगी जांचः हाईकोर्ट

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने आरक्षक भर्ती परीक्षा को पूरी तरह रद्द करने से इंकार कर दिया है। डिवीजन बेंच ने कहा है, कुछ उम्मीदवारों की गड़बड़ी के कारण पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द करना न्यायसंगत नहीं है।

छत्तीसगढ़ में आरक्षक भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने की मांग कर रहे याचिकाकर्ताओं को हाई कोर्ट से झटका लगा है। हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। डिवीजन बेंच ने साफ कहा है, उम्मीदवारों की गड़बड़ी के कारण पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द करना न्यायसंगत नहीं है। कोर्ट ने अब उन 129 संदिग्ध उम्मीदवारों की वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से जांच कराने के निर्देश दिए हैं, जिनकी भूमिका पर सवाल उठे थे। याचिकाकर्ता बिलासपुर निवासी विवेक दुबे, मनोहर पटेल, मृत्युंजय श्रीवास और अश्वनी कुमार ने बिलासपुर केंद्र में शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए भर्ती प्रक्रिया को चुनौती दी थी। उनका दावा है, लंबी कूद, गोला फेंक और दौड़ में हेर-फेर की गई है। याचिकाकर्ताओं ने भर्ती की पूरी प्रक्रिया को रद्द कर सीबीआई जांच की मांग की थी। याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में हुई। डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराते हुए याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा, यदि गड़बड़ी करने वालों को अलग किया जा सकता है, तो निर्दोष उम्मीदवारों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द करना मनमाना और अनुचित होगा।

सीबीआई की जरूरत नहीं, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

डिवीजन बेंच ने माना कि यह मामला बड़े पैमाने पर सुनियोजित भ्रष्टाचार का नहीं है। विभाग ने खुद गड़बड़ी मिलने पर जांच की है, इसलिए सीबीआई जांच की आवश्यकता नहीं है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि एसपी द्वारा चिन्हित 129 संदिग्धों और पत्र में उल्लिखित उम्मीदवारों की विस्तृत जांच एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से कराई जाए। यदि वे दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें सुनवाई का अवसर देने के बाद उनकी नियुक्ति रद की जाए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के पोस्टर का किया विमोचन

बिलासपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में भारतीय स्टेट बैंक की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के जन-जागरूकता अभियान के पोस्टर का विमोचन किया।

उन्होंने योजना के तहत बीमा क्लेम प्राप्त करने वाले प्रदेश के 6 हितग्राहियों को 2-2 लाख रुपए के चेक प्रदान किए। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में पिछले तीन सालों में 12 हजार लोगों को कुल 240 करोड़ रुपए की बीमा राशि वितरित की जा चुकी है। उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना आम नागरिकों के जीवन को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने का सशक्त माध्यम बनी है। मात्र 436 रुपए के वार्षिक अंशदान वाली यह योजना परिवारों को कठिन परिस्थितियों में संबल और भविष्य के प्रति भरोसा देने का कार्य कर रही है। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ अमित झिंगरन, बिजनेस स्ट्रेटजी प्रेसीडेंट संतोष चाको, वेस्ट जोन के जोनल डायरेक्टर राजीव श्रीवास्तव और भोपाल रीजन के रीजनल डायरेक्टर अमित कुमार साहा भी मौजूद थे।

सुविचार

कभी - कभी आपके प्रति लोगों की ईर्ष्या का कारण बस इतना होता है कि आपकी उपस्थिति उनको अस्तित्वहीन कर देती है।

रामभक्तों में न्याय की उम्मीद बंधी

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बहुचर्चित मामले में आखिरकार रामजन्मभूमि ट्रस्ट की बैठक में चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया और एक अन्य मानोनित ट्रस्टी गोपाल राय को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया। चढ़ावा चोरी का मामला उजागर होने के बाद से ही ट्रस्ट के इन तीनों ही पदाधिकारियों की भूमिका पर सवालिया निशान लग रहे थे जिसके चलते ही एक सप्ताह पूर्व ही चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया था। किन्तु उनका इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ था। ट्रस्ट के कई सदस्य चंपत राय को उनके पद से मुक्त करने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि उनका मानना है कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण से लेकर अब तक वहां की व्यवस्था को संभालने में उनका सबसे बड़ा योगदान रहा है वे उनकी कार्यक्षमता और इमानदारी से भी प्रभावित रहे हैं। किन्तु चंपत राय की नाक के नीचे चढ़ावा चोरी होती रही और उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी यह बात भी किसी को हजम नहीं हो रही थी। बहरहाल ट्रस्ट की बैठक में भी सभी सदस्य चंपत राय का इस्तीफा स्वीकारने के लिए तैयार नहीं थे लेकिन एक ट्रस्टी ने ट्रस्ट के नियमों का हवाला देते हुए बताया कि यदि ट्रस्ट का कोई पदाधिकारी स्वेच्छा से इस्तीफा देता है तो उसे स्वीकारने या न स्वीकारने का ट्रस्ट को कोई अधिकार नहीं है। ऐसा इस्तीफा दिये जाने के साथ ही स्वीकृत माना जाता है। इस नियम का पता चलने के बाद ट्रस्टियों ने दोनों इस्तीफों पर अपनी सहमति की मुहर लगा दी। अब रामभक्तों को यह उम्मीद बंधी है कि चढ़ावा चोरी के मामले की निष्पक्ष जांच हो पाएगी और करोड़ों रामभक्त जिनकी भावनाएं आहत हुई हैं उन्हें न्याय मिल पाएगा। ट्रस्ट की बैठक के बाद कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने पत्रकारवार्ता लेकर ट्रस्ट द्वारा लिये गये निर्णय की जानकारी दी और यह कहा कि चंपत राय और अनिल मिश्रा का अब ट्रस्ट से कोई संबंध नहीं रह गया है और न ही वे भविष्य में ट्रस्ट में लौटेंगे। अब ट्रस्ट का काम कृष्ण मोहन देखेंगे जिन्हें ट्रस्ट का अंतरिम महासचिव नियुक्त किया गया है। कृष्ण मोहन रिटार्यड आईएफएस अधिकारी रहे हैं और सेवानृवित्त के बाद से ही ट्रस्ट से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा एक तीन सदस्यी कमेटी का भी गठन किया गया है। स्वामी गोविंद देवगिरी ने यह स्वीकार किया की चढ़ावे की रकम में चोरी हुई है यह बात सत्य है लेकिन इस चोरी में ट्रस्ट के सदस्यों का कोई हाथ नहीं है बल्कि ट्रस्ट के सदस्यों ने इस काम के लिए जिन कर्मचारियों की नियुक्ति की थी उन लोगों ने विश्वासघात किया है और वे सभी आठ आरोपी जेल में हैं। एसआईटी की जांच जारी है और इस मामले के लिए जो लोग भी जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने मंदिर परिसर से चढ़ावे में मिली वस्तुओं के चोरी किये जाने की अफवाहों का भी खंडन किया और लगभग 2800 वस्तुएं मीडिया के सामने रखीं जिसमें सोने की रामचरित मानस सहित सोने चांदी का जखीरा भी शामिल था। गौरतलब है कि चढ़ावा चोरी का मामला उजागर होने के बाद कई विपक्षी नेताओं ने मंदिर से सोना चांदी के भी चोरी होने के आरोप लगाए थे जो निराधार निकले। बहरहाल अब चढ़ावा चोरी के इस मामले की जांच में एसआईटी ने तेजी से काम करना शुरू कर दिया है और उसकी प्रारंभिक रिर्पोट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं जिनमें सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था लचर पाई गई है तथा स्ट्रांग रूप की सुरक्षा में भी कमी दरशाई गई है। यही नहीं बल्कि सिर्फ तीन माह के सीसीटीवी फुटेज में भी गिरफ्तार आरोपियों को 70 बार नोट चुराते हुए देखा गया है। अब जांच जैसे जैसे आगे बढ़ेगी लोगों की न्याय की उम्मीद भी बढ़ेगी।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर

जन जन तक श्री राधा कृष्ण नाम की अमश्त पहुंचना यही हमारा जीवन व्रत हो। ना किसी को कोई जवाब, ना किसी से कोई सवाल भज मन भज, गोपाल गोपाल ! कौन करता, नहीं करता इससे कोई मतलब मत रखिए; मैं शांति, प्रेम और आनंद के लिए हर कुछ करूंगा' बस यही संकल्प रखिए। आपको लेना क्या है ये आप पर निर्भर है, जो चाहिए वैसे का संग करो। एक वश्क्ष के तले भी एक रात्रि से ज्यादा हरी गुरु नाम प्रचारक नहीं रहते थे। गहरे अर्थ है, इसकी अवज्ञा का परिणाम भक्ति का नष्ट होना ! मंथरा को जान लेने का अहम मंथरा के शिकार होने से हमे नहीं बचा सकती, 'प्रमाण कैकई है!'उन का जो फर्ज है वो अहल-ए-सियासत जानें मेरा पैगाम मोहब्बत है, जहाँ तक पहुँचे।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1497 - वास्को द गामा ने यूरोप से भारत की प्रथम जलयात्रा आरंभ की। 1858 - ग्वालियर के क़िले के पतन के बाद लॉर्ड केनिंग ने सांति की घोषणा की थी। 1918 - भारतीय संविधान में सुधार के लिए मांटेग्यु चेम्सफोर्ड रपट प्रकाशित की गई। 1954 - सतलुज नदी पर निर्मित भाखड़ा नांगल पनबिजली परियोजना पर बनी सबसे बड़ी नहर का प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उद्घाटन किया था। 1975 - में म्यांमार के बगाँ में आए भूकंप में हज़ारों मंदिर ध्वस्त हो गए तथा भारी जानमाल की छति हुई। 1994 - शिमाकी मुकाई जापान की प्रथम महिला अंतरिक्ष यात्री बनी। 1999 - पापुआ न्यु गिनी (प्रशान्त महासागरीय देश) प्रधानमंत्री बिल स्कोट का इस्तीफ़ा। 2002 - दक्षिण अफ़्रीका में अश्वेत क्रिकेटरों के लिए कोटा प्रणाली समाप्त। 2003 - सूडान में हुए विमान हादसे में 115 लोग मारे गये। 2005 - जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर समूह-8 के देशों में सहमति बनी। 2008 - पेरिस की सरकार ने बांग्लादेश की विवादाग्रस्त लेखिका तस्लीमा नसरीन को मानद नागरिकता देने का प्रस्ताव किया। 2012- असम में भयावह बाढ़ ने विश्व प्रसिद्ध काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के 13 गैंडों समेत 500 से अधिक वन्य प्राणियों को लील लिया।

आतंक और बातचीत साथ नहीं चल सकते

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भारत और पाकिस्तान के बीच बेहतर संबंध बनाने की उम्मीद से दोनों देश के प्रधानमंत्रियों को जानी-मानी 117 हस्तियों ने मिलकर एक पत्र लिखा है। पत्र लिखने वालों में 61 लोग भारत से और 56 पाकिस्तान से हैं। पत्र में मांग की गई है कि अब संबंधों को सामान्य किया जाए और तल्खियां घटाई जाएं। ये पहल सेंटर फॉर पीस एंड प्रोग्रेस के अध्यक्ष ओपी शाह की तरफ से की गई है।

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध मई 2025 के बाद से काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 20 से ज्यादा पर्यटकों का पाकिस्तानी आतंकियों ने मारा था। इसके बाद चार दिनों तक दोनों देशों के बीच गोलीबारी और ड्रोन हमलों का सिलसिला चला। जिसके बाद 10 मई को युद्ध विराम हुआ था। इस घटना के बाद से दोनों देशों के बीच सरकारी स्तर पर कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। व्यापार लगभग बंद है, दूतावास कमजोर स्तर पर चल रहे हैं और लोगों के बीच संपर्क भी बेहद सीमित है। भारत का स्पष्ट रुख रहा है कि जब तक पाकिस्तान से आतंकवाद पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक कोई वार्ता संभव नहीं है। इस पत्र को लेकर अब प्रश्न भी उठ रहे हैं। अहम सवाल यह है कि भारत पाकिस्तान के साथ बातचीत क्यों करे? राजनयिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, व्यावसायिक संबंध क्यों पुनः स्थापित किये जाएं? आतंकियों को पालने पोसने वाले देश को कड़ा सबक सिखाना चाहिए अथवा संवाद के माध्यम से प्रेम का प्रदर्शन करना चाहिए? जो 117 चेहरे आज पाकिस्तान के पक्षकार बने हैं, क्या वे भूल गए कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है? क्या वे पहलगाम का नरसंहार भूल गए? क्या पुलवामा में 40 'शहीदों' का बलिदान भूल गए? क्या उरी से लेकर 26/11 मुंबई आतंकी हमले तक पाक परस्त शैतानों और हत्यारों के षड्यंत्र भी भूल गए?

पत्र लिखने वालों में उनमें जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर और सैफुद्दीन सोज भी शामिल हैं। मणिशंकर ने सलमान खुर्शीद के साथ पाकिस्तान जाकर आर्त पुकार की थी कि मोदी सरकार हटाने में सहायता करें। यह नवंबर, 2015 का प्रसंग है। दोनों कथित कांग्रेस नेताओं का कहना था कि मोदी को हटाए बिना भारत-पाक संबंध बेहतर नहीं हो सकते। अब समर्थकों की सूची में शामिल हैं, तो वह बिल्कुल निरर्थक है। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती का पाकिस्तान प्रेम जगजाहिर है। इनके बयानों से ऐसा अहसास होता है मानो पाकिस्तान सरकार का कोई प्रवक्ता बोल रहा है। भारत की गुप्तचर एजेंसी रॉ के प्रमुख रहे एएस दुलत भी सूची में हैं, जो पाकिस्तान की आत्मा तक से परिचित हैं और कई आतंकी हमलों के साक्षी रहे हैं। ओपी शाह, मनोज झा, जवाहर सरकार आदि कितने बड़े कूटनीतिज्ञ हैं, यह हम नहीं जानते, लेकिन सूची में जो 61 नाम भारतीयों के हैं, वे विश्वासपूर्वक प्रधानमंत्री मोदी के कट्टर विरोधी हैं और पाकिस्तान के अनुयायी रहे हैं। आज उन्हें कौन पूछता है? क्या प्रासंगिकता है इनकी? क्या इनमें से किसी ने भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि आतंकी सांपों को पालना बंद करें? आतंक के अड्डे समाप्त किए जाएं। सरकार और फौज आतंकियों की आर्थिक मदद करना और उन्हें 'जेहादी समर्थन' देना भी बंद करें। पत्र लिखने वालों की मंशा क्या है, जो वह स्वयं बेहतर जानते हैं।

पत्र लिखने वालों में से किसी ने आतंकवाद में अपने किसी परिजन को खोया है? यह पीड़ा, हत्या, दर्द, खालीपन, सूने आंगन, उजड़े सिंदूर को कैसे और कौन भूल सकता है? आखिर भारत की मजबूरी क्या है, जो वह पाकिस्तान की आतंकी, हत्यारी हुकूमत के साथ बातचीत करे? इस भूखे, नंगे, कर्जदार देश के पल्ले क्या है, जो वह भारत को उपलब्ध करा सकता है? और फिर क्या गारंटी है कि संवाद और संबंधों की पुनर्स्थापना के बाद सीमा पर तनाव कम हो जाएगा? सीमा पार से आतंकी भेजे नहीं जाएंगे? वैश्विक मंचों पर, कश्मीर की आड़ में, भारत-विरोधी दुष्प्रचार थम जाएगा? पत्र से जुड़े लोग इससे भी भलीभांति परिचित होंगे कि पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान का केंद्र हमेशा से सेना रही है और वर्तमान सेना प्रमुख तो इतने शक्तिशाली बना दिए गए हैं कि उन्हें फील्ड मार्शल की पदवी प्राप्त हो चुकी है। वास्तव में, आतंकवाद की चर्चा जब भी होती है, तो ये समर्थक हकलाने लगते हैं या अशिष्ट भाषा का प्रयोग करते हैं। अरे, पाकिस्तान के मंत्री धमकी दे रहे हैं कि हमने 130 परमाणु हथियार भारत के लिए रखे हैं। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो आजकल 'एटमी युद्ध' की धमकी दे रहे हैं। एक नापाक मंत्री ने यहां तक कह दिया कि पानी को हाथ लगाया, तो हाथ तोड़ देंगे। पाकिस्तान के कथित उप प्रधान मंत्री इशाक डार सिंधु नदी का पानी रोकना युद्ध की कार्रवाई मानते हैं। क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' के हमले भूल गया है पाकिस्तान, जिनमें उसके 11 एयरबेस को मिट्टी-मलबा कर दिया गया था? ऐसे आतंकी, धमकीबाज मंत्रियों की सरकार से भारत बात क्यों करेगा? पाकिस्तान में सार्वजनिक कार्यक्रमों, जनाजों और सरकारी आयोजनों में आतंकवादियों का खुलकर घूमना आम बात है। जिन लोगों पर संयुक्त राष्ट्र में आतंकवादी होने का आरोप है। वे पाकिस्तान में खुलेआम दिखाई देते हैं। ऐसे देश के साथ बैठकर बातचीत कैसे की जाए और भरोसा कैसे किया जाए? पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले चेहरे यह भूल गए हैं कि पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों ने हमारे 40,000 से अधिक बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हैं? मठ-मंदिर ध्वस्त किए हैं? महिलाओं का सतीत्व लूटा है? पाकिस्तान में कौन लोग हैं, जो आपसी संबंध मधुर और श्रेष्ठ बनाना चाहते हैं?

पाकिस्तान में आम आदमी को तो आटा, दाल, चावल, चीनी, फल-सब्जी भी उपलब्ध नहीं है। क्या अभाव में जीवन यापन कर रहे पाकिस्तानी नागरिकों को भयानक, कुरूप यथार्थों की पूरी जानकारी है? पाकिस्तान पहले बलूचिस्तान, खैबर, कथित आजाद कश्मीर में तो हालात शांत करे। वहां नापाक फौज नागरिकों को सरेआम गोलियों से भून रही है। जनता विद्रोह पर है और सड़कों पर आंदोलित है। जिसका अपना घर विभाजित है, टुकड़े-टुकड़े है, उससे भारत क्या बात करेगा और उससे क्या उपलब्धि प्राप्त होगी? पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है कि एक तरफ बातचीत की मेज पर बैठना और दूसरी तरफ आतंकी हमले करवाना। शिमला समझौते के करीब 25 साल बाद प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लाहौर का दौरा किया।

मूल्य श्रृंखला का जुड़ाव: पीएम मित्र पार्क के ज़रिए कैसे भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

पबित्रा मार्गेरिटा

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपी में 2.3त्र, औद्योगिक उत्पादन में 13त्र और निर्यात में 12त्र का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है। वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुई व्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुज़रता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मज़दूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया। इसके साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है।

वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8त्र से 10त्र और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20त्र है। हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है। इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए ?4,445 करोड़ का बजट रखा गया। यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है।

इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी '5एफ' फ़ॉर्मूला है यानी फ़ार्म (खेत) से फ़ाइबर (रेशा) से फ़ैक्टरी (कारखाना) से फ़ैशन और फ़ारेन (विदेश) तक पहुंच। यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती है: हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रृंखला। कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई-फ़ैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है। इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की ज़रुरत है। विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे। पीएम मित्र फ़्रेमवर्क इसी संतुलन को हासिल करता है।

इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे ज़रूरी बात यह है कि इस नज़दीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी मुमकिन हो पाती है। चूँकि वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चेन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजी नियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है। 1,000 एकड़ से ज़्यादा के एक ही इलाके में कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग और कपड़ा बनाने की सुविधाओं को एक साथ लाने से अलग-अलग राज्यों के बीच सामान ले जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है। इससे माल ढुलाई का खर्च और ट्रांसपोर्ट से होने वाला प्रदूषण भी बहुत कम हो जाता है और सामान तेज़ी से बाज़ार तक पहुँच पाता है। समर्पित माल गलियारे और एक्सप्रेसवे जैसे राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से जुड़े होने के कारण, विदेशी बाज़ारों तक सामान पहुँचाना बहुत सस्ता और किफायती हो जाता है। हर पार्क में 'प्लग-एंड-प्ले' इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, जिसमें बिजली के खास सब-स्टेशन, लगातार पानी की सप्लाई और तुरंत इस्तेमाल के लिए तैयार फैक्ट्री शेड जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसके साथ ही, ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ज़ेडएलडी) तकनीक वाले उन्नत एडवांस्ड कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और आधुनिक सुविधाएँ भी होती हैं, जिससे कारोबारियों पर ढ़ांचागत बोझ कम पड़ता है और कारोबार करने में आसानी होती है। पीएम मित्र पार्क तेज़ी से कागज़ी योजनाओं को असल ज़मीनी हकीकत में बदल रहे हैं। इस योजना में सात रणनीतिक पार्क शामिल हैं: पाँच ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट विरुधुनगर (तमिलनाडु), नवसारी (गुजरात), कलबुर्गी (कर्नाटक), धार (मध्य प्रदेश) और लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और दो ब्राउनफील्ड डेवलपमेंट वारंगल (तेलंगाना) और अमरावती (महाराष्ट्र) में। अब तक, इस योजना में कुल ?69,899 करोड़ के निवेश की दिलचस्पी दिखाई गई है, जिसमें से ?27,658 करोड़ का निवेश पहले ही हो चुका है।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

इश्क़ की कश्ती सौहार्द का दरिया हो, दूध पानी सा अब क़ौमों का रिश्ता हो। फिर भरोसे की टंकी ढहाना नहीं, दिल में मजबूत विश्वास का सरिया हो। मान देना ही होगा हमें औरों को, झंडा चाहे हरा हो या फिर भगवा हो। आसमां से मुहब्बत करो या ना करो, इश्क़ अपनी जमीं से सदा गहरा हो। बातें दिल की छिपाए न हम दोनों ही, चेहरों पर सदा सच का अब पर्दा हो। ईद की रोटी कितनी भी मीठी हो पर, रिश्तों की रोटी में प्रेम का तड़का हो। गर जलाओ चरागो़ को घर अपने तुम, तो हवाओं का परिवार बस अंधा हो। - **संजय दानी**

झड़ जाएगी पात ढल जाएगा सूर्य जीवन तब भी था जीवन तब भी होगा नया अंकुर फूटेगा सूर्य फिर से उगेगा कुछ आँखें बंद मिलेंगी कुछ आँखें होंगी खुली जीवन तब भी था जीवन तब भी होगा जब हम तुम नहीं थे जब हम तुम नहीं होंगे पांडव गए गई पंडवानी गायिका ÷तीजन बाई जी÷ विनम्र श्रद्धांजलि। - **शुचि 'भवि'**

श्री रामजन्मभूमि मे दान पेटियो से धन निकालने और उनकी गिनती और सीलबंद होने तक का पूरा लाईव प्रसारण हो और मंदिर प्रांगण और अयोध्या के पुलिस अधीक्षक के कार्यालय सहित शहर के विभिन्न चौराहो पर श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बडे बडे स्क्रीन लगाये ताकि अतिथि यात्री सहित शहर के लोग भी देख सकें ।- **एडवोकेट अरूण कुमार गुप्ता**

कविताओं का अर्थ है उन भावनाओं का मन में मौन उतरना.... जहाँ शब्द फुदकते है जहाँ शब्द चहकते है लेकिन अर्थ में वो भाव बन मौन होकर मन में ठहर जाता है ... जीवन का अर्थ समझा जाता है ... फिर एकबारगी उकेर लाता है पन्नों पर ये एहसास बस बोलते है ... कि भावो के समंदर में कविता जीवन है ..!! - **नंदिता तनूजा**

कोमल मन की नारी तुम इतनी कठोर कैसे हो गयी हो अपने मन पसंद साथी को पाने के लिए किसी निर्दोष पुरुष का खून करने से भी गुरेज नहीं कर रही हो। अगर तुम्हें परिवार द्वारा जोड़ा गया रिश्ता पसंद नहीं है तो इनकार कर दो लेकिन अपने रास्ते से हटाने के लिए किसी मां के कलेजे के टुकड़े को तो मत छीनों। नारी होकर के तुम कैसे कर लेती हो किसी की हत्या जैसे अपराध। - **प्रियंका प्रियदर्शिनी**

हम भारतीय एपस्टीन फाइल्स, इरान और इजरायल युद्ध, पेट्रोल, एलपीजी संकट जैसे विदेशी मामलों में व्यस्त थे, धार्मिक चंदा चोरी और कमीशनखोरी का, यह स्वदेशी संवेदनशील मामला भी आ गया... लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। एक राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अपने दिए गए दान की, वापसी भी चाहते हैं। - **पोखराज शर्मा**

केंद्र और अधिकांश राज्यों में आज भाजपा या सहयोगियों की सरकार है। फिर भी भाजपा सरकार ही यह कानून बनाना चाहती है कि अगर एक माह से अधिक कोई मंत्री हिरासत में रहा तो उसे पद छोड़ना होगा। इस कानून के दायरे में Narendra Modi जी, पीएम-सीएम सबको रखना चाहते हैं। आश्चर्य यह है कि इसका भी विरोध कांग्रेस ही कर रही। हद है न? क्या आशय है इस विरोध का? क्या लगता है आपको? - **पंकज कुमार झा**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन लगभग सभी कारणों से विपरीत फलदायक रहने वाला है। हाथ में लिए कार्य समय से पूरा नहीं कर पाने से अधिकारियो अथवा सम्बंधित व्यक्ति की नाराजगी झेलनी पड़ेगी।

वृष: आज का दिन आपकी आशा से अधिक शुभ रहने से आश्चर्य चकित होंगे। घर एवं बाहर के वातावरण में शांति आएगी। आज आपके सभी कार्य स्वतः होते नजर आएंगे।

मिथुन: आपका आज का दिन आनंद दायक रहेगा। पूर्व में लिये निर्णय आज शुभ फल प्रदान करेंगे। परंतु धन लाभ के लिए आज थोड़ा परिश्रम करना पड़ेगा।

कर्क: आज का दिन बीते दिनों की अपेक्षा सुख-शांति से बितायेंगे। आज आपके स्वाभाव में नरमी रहने से परिजनों के साथ चल रहे मतभेद सामान्य होंगे। कला एवं संगीत में आज विशेष रूचि रहेगी।

सिंह: आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। आज आपकी अथवा घर में किसी सदस्य की सेहत अकस्मात ख़राब होने या पुराने रोग के बढ़ने से भाग-दौड़ करनी पड़ेगी। मानसिक तनाव ना बढ़ने दें आध्यात्म का सहारा लें।

कन्या: आज के दिन रुके हुए कार्यो में गति आएगी। कार्य क्षेत्र पर आज होने वाली गतिविधियों की समीक्षा अवश्य करें गलतियों में सुधार होगा।

तुला: आज का दिन बीते कल की तुलना में थोड़ी राहत प्रदान करेगा। आज धन का खर्च आय की तुलना में अधिक रहेगा फिर भी मानसिक रूप से दिन भर प्रसन्न रहेंगे। घर में मेहमानों के आने से चहल-पहल रहेगी।

वृश्चिक: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज दिन भर मानसिक रूप से शांति अनुभव करेंगे कुछ गलतियों के कारण आत्म ग्लानि भी होगी परंतु आज आपका ध्यान परिवार में सुख शान्ति कायम रखने पर रहेगा।

धनु: आपका आज का दिन विषम परिस्थितियों वाला रहेगा। सेहत में गिरावट आने से कार्य के प्रति उत्साह कम रहेगा। कार्य क्षेत्र पर भी आज प्रतिस्पर्धा अधिक रहेगी जिससे मन मे विपरीत खयाल आएंगे।

मकर: आज का दिन आपको शुभ फलों अथवा समाचारों की प्राप्ति कराएगा। दिन आज दिनभर प्रसन्नचित रहेंगे। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम की योजना बनाएंगे। आर्थिक लाभ की संभावनाएं प्रबल रहेंगी।

कुंभ: आज का दिन श्रम साध्य रहेगा। दिन के पूर्वार्ध में अनिर्णय की स्थिति रहेगी। स्वयं अथवा परिजन का ख़राब स्वास्थ्य भी चिंता का विषय बनेगा। धीरे-धीरे स्थिति नियंत्रण में आ जायेगी।

मीन: आज का दिन सामान्यतः शुभ फल देने वाला रहेगा। परंतु आज विलासी प्रवृति पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) भारत में कौन सा राज्य विधानसभा की कार्यवाही को पहली बार सांकेतिक भाषा में प्रसारित करने वाला राज्य बना?

2) दिल्ली सरकार द्वारा हिंदू मंदिर पुजारियों और गुरुद्वारा ग्रंथियों को समर्थन देने के लिए शुरू की गई योजना का नाम क्या है?

3) हर साल राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस किस दिन मनाया जाता है?

4) असम के किस राष्ट्रीय उद्यान में क्रेपिडियम असॅमिकम नाम की नई ऑर्किड प्रजाति की खोज की गई है?

5) एक नई प्रजाति के मगरमच्छ न्यूट, काओ बैंग मगरमच्छ न्यूट, की खोज किस देश में हुई है?

उत्तरमाला- (1) पंजाब (2) पुजारी ग्रंथि सम्मान योजना (3) 9 नवंबर (4) डिब्रू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान (5) वियतनाम

पहेली

शब्द सामर्थ्य -092

छत्तीसगढ़ में सभी सरकारी स्कूलों के समय में बदलाव की मांग

फेडरेशन ने शिक्षा सचिव को लिखा पत्र; बोले- पढ़ाई और प्रशासनिक काम हो रहे प्रभावित

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में स्कूलों के समय को लेकर नई मांग उठी है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखकर सभी सरकारी स्कूलों की टाइमिंग एक जैसी करने की मांग की है। फेडरेशन ने कहा है कि शनिवार को हायर सेकेंडरी (12वीं तक) स्कूल भी सुबह की पाली (मॉर्निंग शिफ्ट) में चलाए जाएं। फेडरेशन का कहना है कि युक्तियुक्तकरण (रैशनलाइजेशन) और संकुल व्यवस्था लागू होने के बाद ज्यादातर प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूलों से जुड़े हुए हैं। ऐसे में अलग-अलग स्कूलों की अलग-अलग टाइमिंग होने से पढ़ाई और प्रशासनिक काम में दिक्कत हो रही है। इसलिए सभी स्कूलों का समय एक जैसा किया जाए।

शनिवार को मॉर्निंग शिफ्ट से काम होगा आसान

फेडरेशन का कहना है कि अगर शनिवार को हायर सेकेंडरी स्कूल भी सुबह की पाली में चलें और सभी स्कूलों का समय एक जैसा हो जाए, तो बच्चों की पढ़ाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वहीं, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन को बैठकें करने, रिपोर्ट तैयार करने, प्रशासनिक काम निपटाने और अगले सप्ताह की पढ़ाई की योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।

फेडरेशन ने शिक्षा सचिव से मांग की है कि हायर सेकेंडरी स्कूलों में भी शनिवार को मॉर्निंग शिफ्ट की अनुमति दी जाए। साथ ही प्राथमिक, माध्यमिक और हायर सेकेंडरी स्कूलों की टाइमिंग एक जैसी करने के लिए जल्द जरूरी आदेश जारी किए जाएं।

अलग-अलग टाइमिंग से बढ़ रही दिक्कत

फेडरेशन ने कहा है कि प्राचार्य, शिक्षक और कर्मचारी पढ़ाई के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का काम, ऑनलाइन एंट्री, परीक्षा, वित्तीय और प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी संभालते हैं। इसके अलावा संकुल स्तर की बैठकों में भी शामिल होना पड़ता है। अलग-अलग स्कूलों की अलग-अलग टाइमिंग होने से इन सभी कामों को समय पर करना मुश्किल हो जाता है।

वनांचल स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल मांझीगुडा को 10 कंप्यूटर प्रदत्त

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका ने शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल संसाधनों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए अपने स्वेच्छानुदान मद से बस्तर जिले के विकासखंड दरभा के सुदूर वनांचल क्षेत्र में स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मांझीगुडा चिंगपाल को 10 कंप्यूटर प्रदान किए। इसके लिए राज्यपाल द्वारा पूर्व में स्वीकृति प्रदान की गई थी। लोक भवन में आज राज्यपाल ने विद्यालय के लिए कंप्यूटरों का औपचारिक रूप से हस्तांतरण किया। इन कंप्यूटरों के माध्यम से सुदूर वनांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके ज्ञान और कौशल का विकास होगा। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, उप सचिव निधि साहू तथा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मांझीगुडा (जिला बस्तर) के प्राचार्य उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक आमसभा सम्पन्न

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक आमसभा दिनांक 05/07/2026 को होटल लैंडमार्क, पंडरी, रायपुर में संपन्न हुयी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष माननीय कुलदीप जुनेजा जी ने की। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण, रायपुर छत्तीसगढ़ के पर्यवेक्षक प्रवेश जोशी जी, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला जी, संघ के पूर्व मुख्य सलाहकार डा. मानिक चटर्जी जी, छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोर जादवानी जी, उपाध्यक्ष अनिल पुसदकर जी, प्रदीप जोशी, गिरिराज बागड़ी, सचिव सार्थक शुक्ला, कोषाध्यक्ष सौरभ शुक्ला जी एवं पदाधिकारीगण, जिला संघों के अध्यक्ष एवं सचिव आदि उपस्थित थे। वार्षिक आमसभा की बैठक में छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की वार्षिक प्रतियोगिता के आयोजन एवं राज्य में टेबल टेनिस के प्रचार एवं विकास पर विस्तृत चर्चा हुयी। बैठक में वार्षिक प्रतियोगिता का कैलेण्डर निर्धारित किया गया जिसमें प्रथम राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह अगस्त में रायपुर, प्रथम मास्टर्स राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता तथा द्वितीय राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह सितंबर में क्रमशः रायपुर एवं राजनांदगांव, 24वीं स्टेग ग्लोबल छत्तीसगढ़ राज्य एवं अंतर जिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह अक्टूबर में रायपुर, राज्य पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह नवंबर में रायपुर, द्वितीय मास्टर्स राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह नवंबर में रायपुर, तृतीय मास्टर्स राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता माह दिसंबर में रायपुर को आबंटित किया गया। इसके साथ ही पिछले वर्ष कोंडागांव में पहली बार आयोजित राज्य प्रतियोगिता के सफल आयोजन करने पर कोंडागांव जिला टेबल टेनिस संघ को ÷द्वितीय राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता÷ हेतु स्मृति चिन्ह दिया गया। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ द्वारा खेल एवं युवा कल्याण, रायपुर छत्तीसगढ़ के पर्यवेक्षक प्रवेश जोशी जी को ससम्मान मोमेंटो भेंट किया गया। मंच संचालन रायपुर महानगर टेबल टेनिस संघ सचिव शकील साजिद ने किया। उपरोक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष विनय बैसवाड़े ने दी।

सड़क पर केज व्हील वाले ट्रैक्टर दौड़े तो अब कटेगा चालान

रायपुर/नवप्रदेश। खेतों में जुताई और मिट्टी पलटने के लिए इस्तेमाल होने वाले लोहे के केज व्हील लगे ट्रैक्टर अब सार्वजनिक सड़कों और सीमेंट रोड पर नहीं चल सकेंगे। ऐसे ट्रैक्टर सड़क पर चलते पाए जाने पर परिवहन विभाग मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई करेगा। जिला परिवहन विभाग ने किसानों और ट्रैक्टर संचालकों को इस संबंध में चेतावनी जारी करते हुए नियमों का पालन करने की अपील की है। परिवहन विभाग के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर सभी जिला परिवहन अधिकारियों को सार्वजनिक सड़कों पर केज व्हील लगे ट्रैक्टरों का संचालन रोकने और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, यह फैसला उच्च न्यायालय, बिलासपुर में दायर एक जनहित याचिका के बाद लिया गया है। याचिका में कहा गया था कि कृषि कार्यों के लिए बनाए गए केज व्हील का उपयोग केवल खेतों तक सीमित होना चाहिए, लेकिन कई स्थानों पर इन्हें सड़कों और राजमार्गों पर भी चलाया जा रहा है। इससे सड़कें क्षतिग्रस्त होती हैं और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। परिवहन विभाग का कहना है कि सार्वजनिक मार्गों पर ऐसे ट्रैक्टरों का संचालन मोटरयान अधिनियम और प्रचलित नियमों के अनुरूप नहीं है। परिवहन विभाग ने किसानों से आग्रह किया है कि जुताई या मिट्टी पलटने का कार्य पूरा होने के बाद ट्रैक्टर से केज व्हील हटाकर सामान्य रबर के टायर लगाएं और उसके बाद ही सार्वजनिक सड़कों पर वाहन चलाएं।

सड़क नहीं, समृद्धि का नया मार्ग

एनएच-130डी ने बदली नारायणपुर की सूरत और सीरत

- **कोण्डागांव-नारायणपुर खंड के उन्नयन से थमी दुश्वारियां**
- **किसान, छात्र और मरीजों के लिए सुगम हुआ सफर, विकास को मिले नए पंख**

रायपुर/नवप्रदेश। सड़कें सिर्फ कंक्रीट और डामर की संरचना नहीं होतीं, बल्कि वे किसी भी अंचल के भाग्य और विकास की जीवनरेखा होती हैं। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में विकास की एक ऐसी ही नई इबारत राष्ट्रीय राजमार्ग-130डी (ह॥-130ष्ठ) के रूप में लिखी गई है। इस हाईवे के कोण्डागांव-नारायणपुर मार्ग पर 12.6 किलोमीटर लंबे खंड किलोमीटर 32.200 से 44.800 तक के उन्नयन और मजबूतीकरण ने पूरे क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदल दी है। यह परियोजना अब केवल एक सड़क निर्माण कार्य न रहकर, बस्तर संभाग के इस महत्वपूर्ण अंचल में सामाजिक और आर्थिक क्रांति का मजबूत आधार बन चुकी है। NH-130D के इस महत्वपूर्ण खंड के कायाकल्प के बाद आज स्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण से न सिर्फ यात्रा का समय आधा रह गया है, बल्कि सफर बेहद सुरक्षित और आरामदायक हो गया है। सड़क की समतल और उच्च गुणवत्ता वाली सतह ने हादसों की आशंका को न्यूनतम कर दिया है, जिससे इस मार्ग पर चलने वाले वाहन चालकों का आत्मविश्वास बढ़ा है। इस सड़क ने नारायणपुर के अंदरूनी क्षेत्रों के लिए श्संजीवनीश् का काम किया है। अब आपातकालीन स्थिति में गंभीर मरीजों और गर्भवती महिलाओं को एम्बुलेंस के माध्यम से बिना किसी व्यवधान के जिला अस्पताल या अन्य उच्च चिकित्सा संस्थानों तक बेहद कम समय में पहुंचाया जा रहा है। वहीं, दूसरी ओर अंचल के युवाओं और विद्यार्थियों के लिए स्कूल, कॉलेज तथा तकनीकी संस्थानों तक का सफर अब सुरक्षित हो गया है, जिससे ड्रॉप-आउट दरों में कमी आएगी और उच्च शिक्षा की राह आसान होगी। सड़क के इस कायाकल्प से नारायणपुर और कोण्डागांव के स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह है। नियमित सफर करने वाले राहगीरों का कहना है कि गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा के भीतर काम पूरा होने से शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली के प्रति जनता का भरोसा और मजबूत हुआ है।

गड्ढों के दर्द से मिली मुक्ति, थमा हादसों का सफर

कुछ समय पहले तक इस मार्ग की स्थिति अत्यंत जर्जर थी। गड्ढों से भरी इस सड़क पर सफर करना किसी चुनौती से कम नहीं था। महज कुछ किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों लग जाते थे। मानसून के दिनों में तो स्थिति और भी भयावह हो जाती थी। वाहन चालकों के सिर पर हमेशा दुर्घटना का साया मंडराता रहता था। खराब कनेक्टिविटी के कारण गंभीर मरीजों को समय पर बड़े अस्पतालों तक पहुंचाना और किसानों के लिए अपनी उपज मंडियों तक ले जाना एक दुःस्वप्न जैसा था।

अर्थव्यवस्था को मिली रफ्तार, थमी परिवहन लागत

इस सुगम सड़क का सबसे सीधा और बड़ा असर क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दिख रहा है। अन्नदाताओं को अब अपनी कृषि उपज प्रमुख बाजारों और सोसायटियों तक पहुंचाने में आसानी हो रही है, जिससे उनके समय और परिवहन पर होने वाले अतिरिक्त खर्च की भारी बचत हो रही है। छोटे व्यापारियों और स्थानीय व्यवसायियों के लिए सामान की लोडिंग-अनलोडिंग और आवागमन सरल व किफायती हो गया है। बेहतर सड़क होने के कारण वाहनों में ईंधन की खपत कम हुई है और उनके रखरखाव का खर्च भी घटा है, जिससे कमर्शियल वाहन मालिकों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है।

रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह ने ली समय-सीमा बैठक

- **पेंडिंग पेंशन मामले और आवास की लंबित किस्तें जल्द जारी करने के निर्देश**

रायपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को लंबित पेंशन प्रकरणों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नगरीय निकाय और जनपद पंचायतें समाज कल्याण विभाग के साथ समन्वय बनाकर पात्र हितग्राहियों को समय पर पेंशन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

इस बैठक में कलेक्टर ने जिले में व्यापक पौधरोपण के लिए विभागवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग और वन विभाग मिलकर सड़कों के किनारे अधिक से अधिक पौधे लगाएं, ताकि हरियाली बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। डॉ. सिंह ने शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती यातायात जरूरतों को देखते हुए ई-रिक्शा वितरण की योजना पर भी जोर दिया। उन्होंने श्रम विभाग को पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार कर जल्द वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की लंबित किश्तों की समीक्षा करते हुए सभी नगरीय निकायों और जनपद पंचायतों को लंबित भुगतान की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एडीएम उमाशंकर बंदे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दिवंगत कर्मचारी के परिवार को 10 लाख का चेक

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी/नवप्रदेश। बैंक ऑफ बड़ौदा ने ग्राहक सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश करते हुए एक पीड़ित परिवार को बड़ी आर्थिक मदद पहुंचाई है। बैंक ने 'छत्तीसगढ़ स्टेट एम्प्लॉइज सैलरी पैकेज' के अंतर्गत दिवंगत सरकारी कर्मचारी स्वर्गीय कमलेश मंडावी की पत्नी राखी मंडावी को ?10 लाख की दावा (क्लेम) राशि का चेक सौंपा। यह चेक जिला कलेक्टर तुलिका प्रजापति और बैंक ऑफबड़ौदा के अंचल प्रमुख दिवाकर प्रसाद सिंह के हाथों प्रदान किया गया।

इस मौके पर अंचल प्रमुख दिवाकर प्रसाद सिंह ने कहा कि बैंक अपने ग्राहकों के प्रति हमेशा संवेदनशील रहता है। ऐसी दुखद परिस्थितियों में बैंक खुद आगे बढ़कर क्लेम की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करता है, ताकि पीड़ित परिवार को सही समय पर आर्थिक सहारा मिल सके। उन्होंने आगे बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा के अलग-अलग सैलरी पैकेज के तहत केवल राज्य सरकार के ही नहीं, बल्कि केंद्र सरकार, पुलिस बल, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सशस्त्र बल, सार्वजनिक उपक्रमों और कॉर्पोरेट क्षेत्र के कर्मचारियों को भी बेहतरीन बीमा और वित्तीय सुरक्षा सुविधाएं दी जाती हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों और उनके परिवारों को विपरीत परिस्थितियों में सुरक्षित रखना है। इस कार्यक्रम के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा, दुर्ग क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख संदीप कुमार मान सहित बैंक के अन्य अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

राज्य के सिंचाई जलाशयों में बढ़ा जलस्तर

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में मानसून की सक्रियता का असर अब जलाशयों में साफ दिखाई देने लगा है। लगातार हो रही बारिश से राज्य के प्रमुख और मध्यम सिंचाई जलाशयों में जलभराव की स्थिति में इजाफा हुआ है। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के 12 प्रमुख जलाशयों में कुल लाइव स्टोरेज 56.63 प्रतिशत तथा 34 मध्यम जलाशयों में 42.13 प्रतिशत है। फिलहाल कुल मिलाकर राज्य के प्रमुख एवं मध्यम जलाशयों में 54.34 प्रतिशत जल भंडारण उपलब्ध है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में काफी बेहतर है। राज्य के प्रमुख जलाशयों में दुधावा बांध 72.74 प्रतिशत, मनियारी जलाशय 76.97 प्रतिशत, खारंग जलाशय 67.10 प्रतिशत तथा सोंढूर जलाशय 65.89 प्रतिशत क्षमता के साथ बेहतर स्थिति में हैं। प्रदेश के सबसे बड़े मिनीमाता बांगो जलाशय का भी लाईव स्टोरेज अब 59.42 प्रतिशत हो गया है।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर किया पौधारोपण

रायपुर/नवप्रदेश। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वीं जयंती के अवसर पर शंकर नगर में भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ रायपुर जिला के द्वारा श्रधेय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पण कर उनके बलिदान को याद किया इस अवसर पर मुख्य रूप से शंकर नगर मण्डल के अध्यक्ष श्री राम प्रजापति जी उपस्थित रहे।। कार्यक्रम के नेतृत्व भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के सयोजक बृजेश कुमार अग्रवाल (राजा) रहे व उनके सभी पदाधिकारि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। राम प्रजापति बृजेश कुमार अग्रवाल,राधेश्याम नाग सागर सोनी,लक्की अवस्थी, सुमन सिंह लक्की अवस्थी वंदना टांडी राम जी सोनी, श्याम यादव, सुमन सिंह, भारत बाघ, दीपू शर्मा,वंदना तांडी , भारत पटेल रवि टांडी महेश यादव, सौम्या धनकर संगीता गुप्ता त्रिलोकी वह अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया

मुख्यमंत्री के सुशासन में खुशहाल हो रहे किसान

- **जशपुर में सहकारी समितियों के माध्यम से किफायती दरों पर मिल रहा खाद-बीज**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को समय पर और रियायती दरों पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। जशपुर जिले में सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को खेती के लिए आवश्यक उर्वरक एवं कृषि सामग्री किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें आर्थिक राहत मिलने के साथ खेती-किसानी करना भी आसान हुआ है। जिले की सभी विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में खाद वितरण का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। किसान प्रतिदिन अपनी निकटतम सहकारी समिति से यूरिया, डीएपी तथा अन्य उर्वरक निर्धारित दरों पर प्राप्त कर रहे हैं। इससे किसानों को निजी दुकानों पर अधिक कीमत चुकाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। किसानों ने बताया कि पहले खाद-बीज खरीदने के लिए अलग-अलग दुकानों के चक्कर लगाने पड़ते थे और अधिक कीमत चुकानी पड़ती थी। कई बार खेती के लिए ब्याज पर पैसे लेने या कर्ज का सहारा लेना पड़ता था। अब सरकारी व्यवस्था के कारण समय पर उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध होने से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और खेती का खर्च भी कम हुआ है। जशपुर जिले की महिला किसान मंजुला भगत ने बताया कि पहले खाद और यूरिया के लिए काफी परेशान होना पड़ता था, लेकिन अब सहकारी समिति से आसानी से और कम कीमत पर सभी आवश्यक सामग्री मिल जाती है।

अब तक 241.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज, सामान्य के बेहद करीब पहुँचा आंकड़ा

- **बलरामपुर और कोरबा में जमकर बरसे बदरा**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में इस साल मानसून अपनी सही लय में आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार 1 जून से लेकर आज तक की स्थिति में प्रदेश में कुल 241.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। यह आंकड़ा पिछले 10 वर्षों की इसी अवधि की औसत वर्षा (252.7 मिमी) का 95.6 प्रतिशत है, जो यह दर्शाता है कि राज्य में मानसून की स्थिति पूरी तरह सामान्य और संतोषजनक बनी हुई है। दिनांक 6 जुलाई तक राज्य में औसतन 22.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। चौबीस घंटों के भीतर सबसे ज्यादा वर्षा बलरामपुर में 67.6 मिमी, कोरबा में 54.9 मिमी, रायपुर में 45.3 मिमी और सूरजपुर में 42.8 मिमी दर्ज की गई। इसके विपरीत, बस्तर संभाग के सुकमा (0.4 मिमी) और दंतेवाड़ा (0.8 मिमी) में आज कम बारिश हुई।

खेती-किसानी को मिली गति, बाढ़ नियंत्रण कक्ष से हो रही निगरानी

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के प्रभारी अधिकारी के अनुसार, प्रदेश भर में बारिश की स्थिति और नदी-नालों के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। वर्तमान में हो रही यह बारिश राज्य के किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है, जिससे खरीफ फसलों की बुआई और रोपाई के कार्यों ने तेजी पकड़ ली है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में बारिश की गतिविधियों में और बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सामान्य से दोगुनी बारिश, सुकमा अभी भी पीछे

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला 213.3% वर्षा के साथ पूरे प्रदेश में सबसे आगे है, जहाँ अब तक 453.3 मिमी बारिश हो चुकी है। इसके अलावा राजधानी रायपुर (136.9%), सक्ती (134.7%), दंतेवाड़ा (129.2%), दुर्ग (126.6त्न) और बलरामपुर (126.3%) में भी सामान्य से काफी अधिक बारिश दर्ज की गई है। इसी तरह बिलासपुर में 86.1%, जांजगीर-चांपा में 101%, बेमेतरा में 93.2% और नारायणपुर में 91.8% सहित कई जिले में वर्षा संतोषजनक बने हुए हैं। सुकमा जिला 55.4% वर्षा के साथ इस सूची में सबसे पीछे है। इसके साथ ही मोहला-मानपुर (63.3%), गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (64.3%) और सरगुजा (67.5%) में फिलहाल बारिश सामान्य से थोड़ी कम है।

बस्तर जिला सहकारी संघ के अध्यक्ष बने वेदांत दीक्षित,मां दंतेश्वरी के दर्शन के बाद संभाला पदभार

- **समर्थकों ने माल्यार्पण कर किया स्वागत,दी शुभकामनाएं**
- **किसानों और सहकारी समितियों के हित में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिला सहकारी संघ मर्यादित के नवनियुक्त अध्यक्ष वेदांत दीक्षित ने मंगलवार को मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना एवं दर्शन के बाद मंदिर परिसर स्थित कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समर्थक, शुभचिंतक एवं सहकारिता से जुड़े लोग मौजूद रहे। पदभार ग्रहण के दौरान समर्थकों ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर उनका आत्मीय स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

वेदांत दीक्षित इससे पूर्व भी बस्तर जिला सहकारी संघ मर्यादित के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं

सहकारिता को मजबूत करने पर रहेगा विशेष फोकस

वेदांत दीक्षित ने कहा कि सहकारी संस्थाओं को अधिक प्रभावी और किसान हितैषी बनाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों को योजनाओं का समय पर लाभमिले, समितियों की कार्यप्रणाली सुदृढ़ हो तथा सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा मिले,इसके लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाएगा।

दे चुके हैं। सहकारिता क्षेत्र में उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए उन्हें एक बार फिर इस महत्वपूर्ण दायित्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके पुनर्नियुक्त होने से सहकारिता क्षेत्र में नई गति आने की उम्मीद जताई जा रही है। बस्तर जिला सहकारी संघ के अध्यक्ष बने वेदांत दीक्षित पदभार ग्रहण करने के बाद वेदांत दीक्षित ने कहा कि यह दायित्व उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों, प्राथमिक सहकारी समितियों और सहकारिता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात भी कही।

नंबी गांव में वृद्ध की धारदार हथियार से हत्या, पुलिस जांच में जुटी

बीजापुर/नवप्रदेश। जिले के उसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नंबी के बंगालपारा में एक वृद्ध ग्रामीण की धारदार हथियार से हत्या का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही उसूर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस से प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान मुचाकी हुंगा (60 वर्ष), पिता देवा हुंगा, निवासी ग्राम नंबी बंगालपारा के रूप में हुई है। बताया गया कि वे अपने घर में अकेले रहते थे। सोमवार की रात वे अपने छोटे पुत्र के घर भोजन करने के बाद वापस अपने घर लौटे और सो गए। मंगलवार को उनकी हत्या की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और पंचनामा सहित अन्य वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी कीं। घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आपसी रंजिश से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि, हत्या के पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है। अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी है।

सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराकर लोगों को डराने वाला युवक गिरफ्तार

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के बसना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिरदा में सार्वजनिक स्थान पर धारदार तलवार लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक धारदार तलवार जब्त कर उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 4 जुलाई को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम पिरदा के चनाट चौक के पास एक युवक हाथ में धारदार तलवार लेकर लहरा रहा है तथा आसपास मौजूद लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही बसना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम पिंकूराज भोई (24 वर्ष), निवासी ग्राम पिरदा बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक धारदार तलवार बरामद हुई, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए मामले की विवेचना की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि सार्वजनिक शांति भंग करने और कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बसना बाजार में सात दुकानों के ताले टूटे, व्यापारियों में आक्रोश

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना के व्यस्त बाजार क्षेत्र में रविवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक के बाद एक सात दुकानों को निशाना बनाते हुए ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद व्यापारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार चोरों ने भारत मोबाइल रिपेयरिंग सेंटर, राधे कपड़ा बाजार, लक्ष्मी चॉइस सेंटर (कन्याशाला) तथा वाधवा कॉम्प्लेक्स स्थित दो दुकानों सहित कुल सात प्रतिष्ठानों में चोरी की। सोमवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही बाजार क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर पहुंच गए। घटना के विरोध में बसना व्यापारी महासंघ के पदाधिकारी एवं व्यापारी बसना थाना पहुंचे और थाना प्रभारी शरद दुबे को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी, प्रमुख चौक-चौराहों पर नियमित ट्रैफिक पुलिस की तैनाती तथा बाजार क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की गई। व्यापारी महासंघ का कहना है कि लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में भय का माहौल है। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी बढ़ाने, नियमित पेट्रोलिंग करने तथा सीसीटीवी कैमरों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने की मांग की।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दादा-पोता घायल

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र के कोदोपाली-बाराडोली मुख्य मार्ग पर पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार दादा-पोता घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम कर्राभौना निवासी पूरन सिदार अपने दादा मोहनो सिदार के साथ 5 जुलाई को एचएफडीलक्स बाइक (सीजी 06 जी 0329) से नवागांव जा रहा था। कोदोपाली-बाराडोली के बीच सामने से आ रहे पिकअप वाहन (सीजी 06 एचडी 9663) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूरन के पिता बरतराम सिदार की रिपोर्ट पर बसना पुलिस ने आरोपी चालक के विरुद्ध बीएनएस की धारा 281 एवं 125(ए) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बेटे की तलाश में पहुंचे दंपत्ति से मारपीट, आरोपी पर केस दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र के छोटे डाभा गांव में बेटे की तलाश में पहुंचे दंपत्ति के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार हार्डवेयर व्यवसायी शिवकुमार अग्रवाल 6 जुलाई की सुबह अपनी पत्नी लीलादेवी अग्रवाल के साथ अपने 20 वर्षीय पुत्र कान्हा अग्रवाल की तलाश में यमन साव के घर पहुंचे थे। बेटे के संबंध में पूछताछ करने पर यमन साव ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ में पहने कड़े से शिवकुमार के माथे पर वार कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची लीलादेवी के साथ भी आरोपी ने मारपीट की। दंपत्ति की रिपोर्ट पर बसना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 296 एवं 351(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक पर धारदार हथियार से हमला

महासमुंद/नवप्रदेश। तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अछरीडीह में युवक पर धारदार हथियार से हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम अछरीडीह निवासी सलीम कुर्रे (23) 4 जुलाई की रात अपने दोस्तों दिलेश्वर निषाद, अरुण निषाद और सोमनाथ निषाद के साथ अनुज साहू के मेडिकल स्टोर के पास बैठे थे। इसी दौरान ग्राम बड़गांव निवासी जतिन निषाद अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और सलीम के साथ मारपीट शुरू कर दी।

पहली बारिश के साथ बाजार में पहुंचा बस्तर का दुर्लभ 'जात बोड़ा'

भूपेश ठाकुर

अंतागढ़/नवप्रदेश। पहली बारिश के साथ ही बस्तर अंचल के जंगलों से मिलने वाली दुर्लभ और स्वादिष्ट वन उपज बोड़ा की आवक शुरू हो गई है। जून और जुलाई माह में होने वाली शुरुआती बारिश के बाद कुछ ही दिनों के लिए मिलने वाली यह विशेष प्राकृतिक सब्जी इन दिनों अंतागढ़ सहित पूरे क्षेत्र के बाजारों की रौनक बनी हुई है। हर वर्ष लोग इसके आने का बेसब्री से इंतजार करते हैं और बाजार में पहुंचते ही इसकी खरीदारी के लिए होड़ मच जाती है।

बोड़ा बस्तर की पारंपरिक खानपान संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। अपने अनोखे स्वाद और सुगंध के कारण यह लोगों की पहली पसंद है। स्थानीय लोग इसे बड़े चाव से खाते हैं और वर्षभर इसके मौसम का इंतजार करते हैं। क्योंकि यह साल में केवल एक बार ही उपलब्ध होता है, इसलिए इसकी मांग हमेशा अधिक रहती है।

प्राकृतिक रूप से उगता है बोड़ा

बोड़ा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह किसी खेत या बाड़ी में उगाया नहीं जाता। यह केवल जंगलों में साल (सरई) के वृक्षों के नीचे मिट्टी के भीतर प्राकृतिक रूप से विकसित होता है। इसकी खेती करना या कृत्रिम रूप से उत्पादन करना संभव नहीं है। यही कारण है कि इसे प्रकृति का अनमोल उपहार माना जाता है। पहली बारिश के बाद वातावरण में नमी बढ़ने पर यह मिट्टी से बाहर निकलता है और कुछ ही दिनों तक उपलब्ध रहता है।

नव प्रदेश विशेष

दो प्रजातियों में मिलता है बोड़ा

बोड़ा मुख्य रूप से दो प्रकार का होता है—जात बोड़ा और राख बोड़ा। बारिश की शुरुआत में सबसे पहले जात बोड़ा निकलता है, जिसे स्वाद और गुणवत्ता के लिहाज से सबसे बेहतर माना जाता है। इसके कुछ दिनों बाद राख बोड़ा मिलना शुरू होता है। वर्तमान में अंतागढ़ क्षेत्र के जंगलों से जात बोड़ा निकल रहा है और यही बाजारों में बिक रहा है। स्वाद के कारण लोग जात बोड़ा को अधिक पसंद करते हैं।

कीमत रहती है काफी अधिक

सीमित समय के लिए उपलब्ध होने और इसकी अधिक मांग के कारण बोड़ा की कीमत सामान्य सब्जियों की तुलना में काफी अधिक रहती है। कई बार इसका मूल्य एक हजार रुपये प्रति किलोग्राम या उससे भी अधिक पहुंच जाता है। इसके बावजूद लोग इसे खरीदने से पीछे नहीं हटते, क्योंकि यह साल में केवल एक बार ही मिलता है और इसका स्वाद बेहद खास माना जाता है।

इस वर्ष अधिक मात्रा में निकल रहा है बोड़ा

अंतागढ़ बाजार में बोड़ा बेचने पहुंचे ग्रामीणों का कहना है कि इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में जंगलों में बोड़ा अधिक मात्रा में निकल रहा है। अधिक उत्पादन होने के कारण इस बार बाजार में इसकी उपलब्धता भी बेहतर है और अपेक्षाकृत अधिक लोग इसका स्वाद ले पा रहे हैं। सामान्य वर्षों में इसकी मात्रा सीमित होने के कारण यह जल्दी खत्म हो जाता है और हर किसी को नहीं मिल पाता।

ग्रामीणों को मिल रही अच्छी आमदनी

वर्तमान में अंतागढ़ बाजार में बड़ी संख्या में ग्रामीण जंगलों से एकत्रित बोड़ा बेचने पहुंच रहे हैं। इससे उन्हें अच्छी आय प्राप्त हो रही है। बोड़ा की ऊंची कीमत के कारण कम मात्रा में बिक्री से भी ग्रामीणों को अच्छा आर्थिक लाभ मिल रहा है। यह वन उपज वर्षा ऋतु की शुरुआत में ग्रामीणों के लिए अतिरिक्त आमदनी का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है।

रिश्तेदारों के लिए भी हो रही खरीदारी

ग्रामीणों के अनुसार स्थानीय लोगों के अलावा दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले लोग भी बोड़ा खरीद रहे हैं। कई ग्राहक अपने रिश्तेदारों और परिचितों के लिए भी इसकी खरीदारी कर रहे हैं, क्योंकि यह हर क्षेत्र में उपलब्ध नहीं होता। बस्तर की यह दुर्लभ वन उपज अपने विशिष्ट स्वाद और प्राकृतिक गुणों के कारण आज भी लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

बस्तर की समृद्ध वन संस्कृति और प्राकृतिक विरासत का प्रतीक बोड़ा न केवल लोगों की थाली का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि हर वर्ष बरसात की शुरुआत में ग्रामीणों की आजीविका का भी महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरता है। पहली बारिश के साथ बाजारों में बोड़ा की आमद पूरे क्षेत्र में उत्साह और रौनक का माहौल पैदा कर देती है।

मछली पकड़ने गया नवविवाहित युवक तेज बहाव में बहा, दूसरे दिन मिला शव

- **गोपालपुरा एनीकट में हादसा, बचाने की कोशिश नाकाम; जलस्तर कम होने पर नगर सेना ने चलाया रेस्क्यू अभियान**

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले के तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम गोपालपुरा स्थित एनीकट में मछली पकड़ने के दौरान तेज बहाव में बहे 21 वर्षीय युवक का शव मंगलवार सुबह घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर बरामद किया गया। नगर सेना की रेस्क्यू टीम ने जलस्तर कम होने के बाद खोजबीन शुरू की, जिसके बाद शव मिला। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए तुमगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। बाद शव परिजनों को सौंपा दिया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम गोपालपुरा निवासी रामेश्वर निषाद (21 वर्ष), पिता दसरू निषाद सोमवार दोपहर करीब दो बजे घर से बिना बताए निकला था। वह नेशनल हाईवे-53 पार कर बालिका छात्रावास के पीछे स्थित गोपालपुरा एनीकट में मछली पकड़ने गया था। पिछले तीन दिनों

से लगातार हो रही बारिश के कारण एनीकट में पानी का बहाव काफी तेज था। इसके बावजूद रामेश्वर एनीकट पार कर दूसरी ओर जाने का प्रयास करने लगा। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह तेज धारा में बह गया।

घटना के समय एनीकट के दूसरी ओर मौजूद तिरथ निषाद ने लकड़ी का सहारा देकर उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि वह सफल नहीं हो सके। देखते ही देखते रामेश्वर तेज धारा में ओझल हो गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाया और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

फरवरी में हुई थी शादी, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

परिजनों ने बताया कि रामेश्वर निषाद की शादी इसी वर्ष फरवरी में हुई थी। वह चार बहनों और तीन भाइयों के परिवार में छठे नंबर का था। उसकी असमय मौत से नवविवाहिता पत्नी, माता-पिता और पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद पूरे गोपालपुरा गांव में शोक की लहर है।

सूचना मिलते ही तुमगांव पुलिस टिकाराम सारथी के नेतृत्व में नगर सेना की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। हालांकि पानी का दबाव और बहाव अत्यधिक होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू नहीं किया जा सका।

मंगलवार सुबह एनीकट का गेट बंद कर जलस्तर कम किया गया। इसके बाद नगर सेना की टीम ने दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सुबह करीब साढ़े नौ बजे एनीकट से लगभग एक किलोमीटर दूर रामेश्वर का शव बरामद कर लिया गया।

डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल में एनएसएस ने किया वृक्षारोपण

- **विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प**

किरंदुल/नवप्रदेश। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल किरंदुल द्वारा विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए हरित भविष्य का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एस. के. श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी के. पी. सिन्हा, शिक्षिका धरती वर्मा, शिक्षक ए. के. सोनी, लिपिक संजय मंडल, गजेंद्र झा सहित एनएसएस के अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ पौधे लगाए और उनके संरक्षण का जिम्मा भी लिया। प्राचार्य एस. के. श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि ÷वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। स्वच्छ पर्यावरण, शुद्ध वायु और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है।÷ उन्होंने विद्यार्थियों को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों के संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर पूरे परिसर में हरियाली बढ़ाने और प्राकृतिक संरक्षण का सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा ने कलेक्टर समेत विभिन्न एजेंसियों को सौंपा ज्ञापन

तारागांव पंचायत में कथित भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच की मांग

- **कार्रवाई नहीं होने पर चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन का ऐलान**

जगदलपुर/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत तारागांव (जनपद पंचायत लोहंडीगुड़ा) में वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आदर्श ग्राम योजना सहित विभिन्न विकास कार्यों में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन के मुख्य संयोजक एवं संभागीय अध्यक्ष नवनीत चांद के नेतृत्व में कलेक्टर बस्तर, आयुक्त बस्तर संभाग,जिला पंचायत सीईओ, आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू), लोकायुक्त सहित अन्य अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध

जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि आदर्श ग्राम योजना सहित अन्य विकास कार्यों में फर्जी माप पुस्तिका (एमबी), बिना कार्य कराए शासकीय राशि का आहरण तथा नियमों के विपरीत भुगतान किए जाने से शासन को आर्थिक क्षति पहुंची है और ग्रामीणों के विकास के अधिकार प्रभावित हुए हैं। संगठन ने सभी निर्माण कार्यों का पुनर्मापन, गुणवत्ता परीक्षण और तकनीकी जांच कराकर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग की है।

नवनीत चांद ने आरोप लगाया कि इस मामले में पूर्व में भी कई बार शिकायतें और ज्ञापन दिए गए, लेकिन किसी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यदि इस बार भी शिकायतों की अनदेखी की गई या दोषियों को बचाने का प्रयास हुआ तो जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा संविधान सम्मत तरीके से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगा। इसके तहत ज्ञापन, धरना-प्रदर्शन, जनजागरण अभियान, जिला मुख्यालय का शांतिपूर्ण घेराव तथा आवश्यकता पड़ने पर व्यापक जन आंदोलन किया जाएगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफसंवैधानिक संघर्ष जारी रखने का संकल्प

बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा ने कहा कि उसका संघर्ष किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं,बल्कि कथित भ्रष्टाचार के खिलाफहै। संगठन का कहना है कि सरकारी योजनाओं का प्रत्येक रुपया जनता की अमानत है और यदि उसके दुरुपयोग की पुष्टि होती है तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होना आवश्यक है। संगठन ने स्पष्ट किया कि अंतिम व्यक्ति को न्याय दिलाने तथा पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करने तक उसका संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा।

जगदलपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में चित्रकोट विधानसभा अध्यक्ष कमल बघेल, ग्रामीण जिला अध्यक्ष संतु कश्यप, युवा अध्यक्ष सूरज कश्यप, शिव कश्यप, पाकलू कश्यप, कुंवर मांडवी, सुकलु मांडवी, अनिल मांडवी, गोपी मंगल, सोमारू जटेल, बघेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में 5 सौ 87 लूज बोल्डर चेक डैम एवं 37 गैबियन संरचनाओं का हुआ निर्माण

■ 'मोर गांव मोर पानी महाअभियान' से भू-जल संवर्धन को मिलेगी नई गति

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत बसंत के निर्देशन तथा जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में वर्षा जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनरेगा अंतर्गत 'मोर गांव मोर पानी महाअभियान' का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के तहत बारिश के पानी को गांवों में ही रोककर अधिक से अधिक जल का भू-जल में पुनर्भरण सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर लूज बोल्डर चेक डैम एवं गैबियन संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है।अभियान के अंतर्गत जिले के सभी सात विकासखंडों में जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। विकासखंड अम्बिकापुर में 122, लुण्ड्रा में 107, सीतापुर में 16, बतौली में 34, मैनपाट में 136, उदयपुर में 46 तथा लखनपुर में 126 लूज बोल्डर चेक डैम स्वीकृत किए गए हैं। इस प्रकार जिले में कुल 587 लूज बोल्डर चेक डैम तथा 37 गैबियन संरचनाओं के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में अधिकांश संरचनाओं का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष कार्य अंतिम चरण में हैं। मानसून से पूर्व अधिकतम संरचनाओं को तैयार कर लिया गया है, जिससे इस वर्ष वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित किया जा सके।नालों में निर्मित की जा रही ये संरचनाएं वर्षा जल के बहाव की गति को नियंत्रित कर पानी को कुछ समय तक रोककर रखती हैं। इससे पानी धीरे-धीरे जमीन में रिसता है और भू-जल स्तर में वृद्धि होती है। साथ ही बरसात का पानी गांव से बाहर बहने के बजाय स्थानीय जल स्रोतों को पुनर्भरित करता है, जिससे कुएं, हैंडपंप एवं बोरवेल में जल उपलब्धता लंबे समय तक बनी रहती है। पहाड़ी एवं ढलान वाले क्षेत्रों में इन संरचनाओं से मिट्टी के कटाव पर भी प्रभावी नियंत्रण होता है।

कम लागत में टिकाऊ समाधान, मिल रहा रोजगार

लूज बोल्डर चेक डैम एवं गैबियन संरचनाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पत्थरों एवं सीमित संसाधनों से निर्मित की जाती हैं। इनमें सीमेंट एवं रेत का उपयोग नगण्य होता है, जिससे निर्माण लागत कम आती है। निर्माण कार्य पूरी तरह मनरेगा के माध्यम से कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीण मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। एक बार निर्माण होने के बाद इन संरचनाओं का रखरखाव भी अत्यंत कम होता है तथा ये वर्षों तक जल संरक्षण का प्रभावी माध्यम बनी रहती हैं।

तेज बहाव वाले नालों के लिए अधिक प्रभावी

गैबियन संरचनाएं लोहे की जाली में भरे पत्थरों से तैयार की जाती हैं, जो तेज जल प्रवाह वाले नालों में भी मजबूती से टिके रहती हैं। सामान्य लूज बोल्डर चेक डैम की तुलना में गैबियन संरचनाएं अधिक टिकाऊ होती हैं तथा तेज बहाव के दौरान भी अपनी जगह से नहीं हटतीं। भूमि में हल्का धंसाव होने पर भी इनमें दरार नहीं आती, बल्कि यह जमीन के अनुरूप स्वयं को समायोजित कर लेती हैं, जिससे इनकी आयु अधिक होती है। इन संरचनाओं के बीच बने रिक्त स्थानों में वर्षा का पानी दो से तीन दिनों तक ठहरता है, जिससे पानी का अधिकतम भाग जमीन में समाहित हो जाता है। परिणामस्वरूप आसपास के क्षेत्रों में भू-जल स्तर तेजी से बढ़ता है और पेयजल स्रोतों को नया जीवन मिलता है। साथ ही नालों के किनारों एवं तलहटी का कटाव भी रुकता है।

न्यूज गैलरी

जिले में अब तक 88.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। भू-अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि जिले के सभी तहसीलों में 24 घण्टे के दौरान 10.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक 25.1 मि.मी. वर्षा तहसील उदयपुर में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में 1 जून से अब तक 88.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि 01 जून 2026 से 06 जुलाई 2026 तक अम्बिकापुर में 99.3, दरिमा में 61.4, लुण्ड्रा में 35.2, सीतापुर में 78.9, लखनपुर में 136.8, उदयपुर में 94.8, बतौली में 61.3 एवं मैनपाट में 138.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

उत्कर्ष योजना प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित, 9 जुलाई तक करें दावा-आपत्ति

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना वर्ष 2026-27 में कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन 05 जुलाई 2026 को दोपहर 12 से 2 बजे तक परीक्षा केन्द्र प्रयास आवासीय विद्यालय घघरी अम्बिकापुर में किया गया था। जिसका परीक्षा परिणाम 06 जुलाई 2026 को घोषित कर दिया गया है। परीक्षार्थी अपना परीक्षाफल कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अम्बिकापुर के सूचना पटल एवं वेबसाईट पर देख सकते हैं। परीक्षा परिणाम में आपत्ति होने पर परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षा परीणाम से सबंधित दावा आपत्ति 09 जुलाई 2026 सायं 03:00 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अम्बिकापुर में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् प्रस्तुत दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

8 जुलाई को दिशा समिति की बैठक

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। दिशा समिति की बैठक 08 जुलाई 2026 को समय 11:00 बजे से सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उक्त बैठक में सर्व संबंधितों को निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होने कहा गया है।

दाऊपारा आत्मानंद स्कूल में ऑफलाइन आवेदन शुरू

मुंगेली/नवप्रदेश। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु वर्तमान में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थियों से 7 से 11 जुलाई तक ऑफ्लाइन माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक अभिभावक एवं विद्यार्थी निर्धारित अवधि में दोपहर 12 बजे से अपराह्न 3 बजे तक विद्यालय कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित उसी कार्यालय में जमा कर सकते हैं। यदि किसी कक्षा में उपलब्ध रिक्त सीटों की अपेक्षा अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो संबंधित कक्षा में प्रवेश हेतु 15 जुलाई को शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार लॉटरी पद्धति से चयन किया जाएगा। रिक्त सीटों, पात्रता, आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी विद्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है, जिसका इच्छुक अभिभावक एवं विद्यार्थी अवलोकन कर सकते हैं।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय की प्रबंधन समिति का गठन

मुंगेली/नवप्रदेश।पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय दाऊपारा में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। अभिभावकों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से अरविंद सिंह राजपूत को समिति का अध्यक्ष तथा ममता पाटले को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। बैठक के दौरान विद्यालय एवं समुदाय के मध्य समन्वय को सुदृढ़ बनाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका एवं दायित्वों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य महादेव यादव ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं समिति के सभी सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने विद्यालय की सतत प्रगति, शैक्षणिक गुणवत्ता में वृद्धि तथा विद्यार्थियों के हित में सभी सदस्यों से सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग का आह्वान किया।

मुंगेली जिले में अब तक 1463.4 मिमी वर्षा

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में आज 531.1 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंगेली तहसील में 01 जून से अब तक 76.5 मिली मीटर, पथरिया तहसील में 118.4 मिली मीटर, लोरमी तहसील में 95.6 मिली मीटर, लालपुर थाना तहसील में 70.3 मिली मीटर, जरहागांव में 50.3 मिली मीटर और सरगांव में 120 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 01 जून से अब तक 1463.4 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है।

अचानकमार के पहुंचविहीन गांवों में सीएमएचओ ने की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

दूरस्थ वनांचल गांवों में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

■ ग्रामीणों को बीमारियों से बचाव के दिए सुझाव

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले के दूरस्थ एवं पहुंचविहीन वनांचल क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाएं निर्बाध रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है।

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक लोरमी की संयुक्त टीम ने अचानकमार टाइगर रिजर्व के भीतर स्थित पहुंचविहीन ग्राम मौहामाचा, सल्की, औंरापानी एवं राजक का भ्रमण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान टीम ने गांवों में मितानिन दवा पेटियों में उपलब्ध दवाइयों की स्थिति का निरीक्षण किया तथा जहां आवश्यकता थी, वहां तत्काल अतिरिक्त दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की। इसका उद्देश्य बरसात के मौसम में ग्रामीणों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराना है। साथ ही ग्रामीणों को आवश्यक दवाईयां भी प्रदान की गई।

डीपीएम श्री कुर्रे ने ग्रामीणों को मौसमी एवं जलजनित बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक करते हुए मच्छरदानी का नियमित उपयोग, उबला या गर्म पानी पीने, घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने, खुले एवं बासी भोजन से परहेज करने, भोजन से पहले साबुन से हाथ धोने तथा बारिश में भीगने से बचने की सलाह दी। साथ ही किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर तत्काल स्थानीय मितानिन अथवा निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने का आग्रह किया। भ्रमण के दौरान टीम ने मितानिनों, ग्रामीणों एवं कोटवारों से भी संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की सतत निगरानी, समय पर सूचना उपलब्ध कराने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए। ग्रामीणों को बताया गया कि बरसात के मौसम में यदि किसी आपात स्थिति, जैसे उल्टी-दस्त, मलेरिया, फूड पॉइजनिंग, तेज बुखार अथवा अन्य गंभीर बीमारी के दौरान शासकीय एम्बुलेंस तत्काल उपलब्ध नहीं हो पाती है, तो मरीज को बिना विलंब किसी भी निजी वाहन से अस्पताल लाया जा सकता है। ऐसे मामलों में वाहन किरायाध्भाड़ा नियमानुसार संबंधित अस्पताल द्वारा प्रदान किया जाएगा।

गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण

जिले के दूरस्थ एवं पहुंचविहीन वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की टीम ने अचानकमार टाइगर रिजर्व के अंतर्गत मौहामाचा, सल्की, औरापानी एवं राजक गांवों का दौरा किया। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे और ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक लोरमी ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सुशासन तिहार: टीबी उन्मूलन अभियान को मिली नई गति

■ 42 शिविरों में 5,890 एक्स-रे एवं 538 बलगम जांच

■ 53 नए टीबी मरीजों की पहचान कर तत्काल उपचार शुरू

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में सुशासन तिहार के अंतर्गत 01 मई से 10 जून 2026 तक राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (टीबी) के तहत जिलेभर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। अभियान के माध्यम से टीबी की शीघ्र पहचान, समय पर उपचार तथा जनजागरूकता गतिविधियों को व्यापक स्तर पर संचालित किया गया।

जिला प्रशासन द्वारा जिला क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 42 विशेष स्वास्थ्य शिविरों में 5,890 व्यक्तियों की डिजिटल एक्स-रे जांच की गई, जिनमें 30 मरीजों में टीबी की पुष्टि हुई। वहीं 538 बलगम (स्पुटम) जांच में 23 मरीज टीबी पॉजिटिव पाए गए। इस प्रकार अभियान के दौरान कुल 53 नए टीबी मरीजों की पहचान कर उनका अविलंब उपचार प्रारंभ कराया गया। इस अभियान के दौरान जांच, उपचार एवं फॉलोअप की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की गई, जिससे संभावित मरीजों की समय पर पहचान कर उन्हें उपचार से जोड़ा जा सका।

53 नए टीबी मरीजों की पहचान

अम्बिकापुर जिले में सुशासन तिहार के तहत 1 मई से 10 जून 2026 तक राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 42 विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। अभियान के दौरान 5,890 लोगों की डिजिटल एक्स-रे जांच की गई, जिनमें 30 मरीजों में टीबी की पुष्टि हुई। वहीं 538 स्पुटम (बलगम) जांच में 23 मरीज टीबी पॉजिटिव पाए गए। इस प्रकार कुल 53 नए टीबी मरीजों की पहचान कर उनका तत्काल उपचार शुरू कराया गया।

भाजपा ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती

मुंगेली/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन द्वारा जिला भाजपा कार्यालय में श्रद्धेय डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य गिरीश शुक्ला, शैलेश पाठक, जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम आर्य, जिला भाजपा उपाध्यक्ष सुनील पाठक, जिला भाजपा कार्यालय मंत्री कोटूमल दादवानी, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक सुनील सोनी, जिला कार्यसमिति सदस्य जीवन पटेल, विजय यादव, लवलेश सिंह, संतोष केशरवानी, दीपक सोनकर आदि कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। इसी तरह जिले के सभी 11 मण्डलों व सभी बूथों में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मनाई गई।

कर्मचारी हितों को लेकर एकजुट हुए विभिन्न संगठन

■ मोदी की गारंटी लागू करने की मांग, कर्मचारी संगठनों ने तेज किया अभियान

मुंगेली/नवप्रदेश। मोदी के गारंटी के तहत 6 सूत्रीय मांगों को पूरा कराने छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ मुंगेली एवं संबद्ध संगठन छग स्वास्थ्य संयोजक संघ छग आईटीआई कर्मचारी संघ, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संघ, छग राज्य स्तरीय छात्रावास अधीक्षक संघ, छग् कर्मचारी अधिकारी पेंशनर एसोसिएशन संघ के द्वारा 7जुलाई से 11जुलाई के मध्य स्थानीय सांसदों एवं विधायकों को ज्ञापन सौंपा जावेगा

पूर्व में छः सूत्री मांगों को लेकर 10 जून को प्रदेश के समस्त जिलों एवं विकासखण्डों में कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया था, परंतु विधानसभा चुनाव के समय जन घोषणा पत्र में शामिल किया गया था लेकिन लेकिन लंबी अवधि के बाद भी राज्य सरकार द्वारा अमल नहीं किया जाने से प्रदेश के कर्मचारीयों में निराशा एवं आक्रोश व्याप्त है। इन मांगों में प्रमुख रूप से केन्द्र समान 1जनवरी से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता, विधानसभा में वित्त मंत्री द्वारा कर्मचारीयों, अधिकारियों के लिए कैशलैस चिकित्सा सुविधा की घोषणा की गयी है। किंतु अभी तक दिशा-निर्देश जारी नहीं किया गया है, जिसे तत्काल जारी किया जावे। मध्यप्रदेश के भांति छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को 240 दिनो की स्थान पर 300 दिनो का अवकाश नगदीकरण आदेश जारी किया जावे, संविदा दैनिक वेतनभोगी, अनियमित कर्मचारियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जावे।

मध्यप्रदेश की भांति सेवा सुरक्षा सुनिश्चित किया जावें। शिक्षक एलबी संवर्ग के कर्मचारियों को प्रथम नियुक्ति से सेवा गणना करने तथा प्रदेश में अनुकंपा नियुक्ति की 10 प्रतिशत सीलिंग समाप्त करने की मांग शामिल है।

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, रतनपुर जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रतनपुर, दिनांक. 01.07.2026
रा.प्र.क्र. (ब-121/2025-26)
मौजा ग्राम-कर्रा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ओमप्रकाश यादव पिता स्व. साधराम यादव जाति निवासी ग्राम कर्रा तहसील रतनपुर जिला बिलासपुर द्वारा अपने माता शकुन बाई पति स्व. साधराम का मृत्यु दिनांक 06.03.2020 को ग्राम कर्रा में हो जाने के उपरांत कानूनी अज्ञानतावश ग्राम पंचायत कर्रा में पंजीयन नहीं करा पाने के कारण वर्तमान में जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के धारा 13 (3) एवं छत्तीसगढ़ जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के कंडिका 9(3) अन्तर्गत मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु रजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं सचिव ग्राम पंचायत कर्रा को अनुज्ञा पत्र जारी किये जाने बाबत आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

तद्संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा/आपत्ति हो तो स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से लिखित में नियत तिथि 16.07.2026 को दावा/आपत्ति न्यायलयीन समयावधि में इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 01.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा से जारी किया गया।

सील

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
रतनपुर जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

नाम परिवर्तन

मैं **तोमेन्द्र कोठरी** (TOMENDRA KOTHARI), सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नि- **सुकमन कोठरी** (SUKMAN KOTHARI), निवासी - बीच पारा, सरणडी, सरनदी, कांकेर, जिला-उ.ब. कांकेर (छ.ग.), 494665 एतद् द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ :

01. मैं ग्राम-सरंडी, तहसील-अंतागढ़, जिला-उ.ब. कांकेर (छ.ग.), 494665 की स्थायी निवासी हूं।

02. मेरा पुराना नाम- **तोमेन्द्र कोठरी** (TOMENDRA KOTHARI), पिता- **सुकमन कोठरी** (SUKMAN KOTHARI), जन्मतिथि-12/11/2008, है और मैं अपना नाम बदलकर **टोमेन्द्र कोठारी** (TOMENDRA KOTHARI), पिता- **सुकमन कोठारी** (SUKMAN KOTHARI), जन्मतिथि-03/07/2008, पता-ग्राम-सरंडी, तहसील-अंतागढ़, जिला-उ.ब. कांकेर (छ.ग.), 494665 करवाना चाहता/चाहती हूँ।

03. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।

04. मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता/करती हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा/रहूंगी।

05. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूं/रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं/रही हूं।

शपथकर्ता

सत्यापन :- मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करती हूं कि कंडिका 01 से 05 तक में दिये गये कथन मेरे निजी ज्ञान एवं विश्वास से सही है जिसे मुकाम कांकेर में आज दिनांक 07.07.2026 को पढ़कर, समझकर अपना हस्ताक्षर सत्यापित कर दिया/दी हूं।

स्थान - कांकेर,
दिनांक 07.07.2026 **शपथकर्ता**
Tomendra

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-कोण्डागांव

::आम-सूचना::

छ.ग. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के आवासीय भूखण्डों / आवासीय भवनों को फ्री होल्ड के रूप में परिवर्तन करने के संबंध में छ.ग. शासन एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय रायपुर के आदेश दिनांक एफ-01-100/2009/32 रायपुर दिनांक 30/12/2011 समसंख्यक आदेश दिनांक 13/03/2012 व पत्र क्रमांक एफ 3-4/2020/32 दिनांक 31/12/2020 के परिपालन में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल के निम्न हितग्राही के द्वारा जिनके नाम व कॉलोनी का नाम एवं आवासीय भूखण्ड/भवन / दुकान क्रमांक छ.ग. गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, को फ्री होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस आम सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर यदि कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी ।

मण्डल द्वारा निर्मित कॉलोनी अटल विहार योजना श्रीरामनगर कांकेर में आबंटी का नाम श्री आनंद चौरसिया को भवन क्रमांक EWS-89 अटल विहार योजना श्रीरामनगर कांकेर जिला कांकेर (छ.ग)

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-कोण्डागांव

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-कोण्डागांव

::आम-सूचना::

छ.ग. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के आवासीय भूखण्डों / आवासीय भवनों को फ्री होल्ड के रूप में परिवर्तन करने के संबंध में छ.ग. शासन एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय रायपुर के आदेश दिनांक एफ-01-100/2009/32 रायपुर दिनांक 30/12/2011 समसंख्यक आदेश दिनांक 13/03/2012 व पत्र क्रमांक एफ 3-4/2020/32 दिनांक 31/12/2020 के परिपालन में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल के निम्न हितग्राही के द्वारा जिनके नाम व कॉलोनी का नाम एवं आवासीय भूखण्ड/भवन / दुकान क्रमांक छ.ग. गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, को फ्री होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। इस आम सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर यदि कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन दिवस में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी ।

मण्डल द्वारा निर्मित कॉलोनी अटल विहार योजना श्रीरामनगर कांकेर में आबंटी का नाम शमीम रिजवी को भवन क्रमांक LIG-128 अटल विहार योजना श्रीरामनगर कांकेर जिला कांकेर (छ.ग)

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-कोण्डागांव

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद, जिला-बालोद (छ.ग.)
(दूरभाष नं. एवं फैक्स न. 07749-222370 ई-मेल ee-res.balod@nic.in)

संशोधन सूचना क्रमांक 01

इस कार्यालय के ई-निविदा सूचना (प्रथम बार) सूचना क्र. 06 / वलेलि / ग्रायांसेवा / 2026-27 बालोद दिनांक 19.06.2026 द्वारा दिनांक 06.07.2026 तक निविदा आमंत्रित किया गया है । पूर्व में अंकित ई- निविदा हार्ड कॉपी पहुंचने एवं निविदा खोलने की निर्धारित तिथि में आंशिक संशोधन किया जाता है । आंशिक संशोधन का विस्तृत विवरण निम्नानुसार :-

क्र.	निविदा का विवरण	पूर्व में निर्धारित तिथि	वर्तमान में आंशिक संशोधन तिथि	रिमार्क
1	ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की तिथि	06.07.2026	10.07.2026	
2	निविदा की हार्ड कॉपी पहुंचने की तिथि	07.07.2026	13.07.2026	
3	निविदा खोलने की तिथि	08.07.2026	14.07.2026	

निविदा की शेष शर्तें यथावत रहेगी ।

जी- 262701608/1

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

जी- 262701934/10

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
धमतरी वनमंडल धमतरी
काष्ठागार नगरी का ई-ऑक्सन का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि धमतरी वनमंडल धमतरी के अन्तर्गत **नगरी काष्ठागार** में संग्रहित ईमारती काष्ठ, जलाऊ एवं बल्ली का ई-ऑक्सन द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवें। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठागार नगरी से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक - 13 जुलाई 2026
नीलाम समय - अपरान्हः 2.00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रित वनोपज		योग वनोपज	
	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)
सागौन	-	-	152.941	4469	152.941	4469
साल	715.979	-	1082.378	69	1798.360	69
साजा	105.924	-	198.609	15	304.533	15
बीजा	113.737	-	153.889	-	267.626	-
तिन्सा	2.038	-	2.025	-	4.063	-
शीशम	-	-	0.377	-	0.377	-
हल्दू/मुण्डी / खम्हार	15.770	-	31.594	-	47.364	-
सलई / मोयन	1.243	-	2.878	-	4.121	-
धावड़ा	48.304	-	73.860	45	122.164	45
कर्रा/ सेन्हा/अन्य	348.349	-	293.409	40	641.758	40
योग:-	**1351.344**	**-**	**1991.960**	**4638**	**3343.304**	**4638**
सागौन जलाऊ चट्टा	14	Chatta	0	Chatta	14	Chatta
साल जलाऊ चट्टा	428	Chatta	0	Chatta	428	Chatta
योग:-	**442**	**Chatta**	**0**	**Chatta**	**442**	**Chatta**

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

टीपः- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई- कामर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं।
(2) क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
(3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई कामर्स पोर्टल में अपने आईडी से लॉगइन करके देख सकते है।
(4) ई-ऑक्सन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 40 सेंकड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट में अन्य क्रेताओ द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

फोन - 07722-238371
फैक्स - 07722-236137

जी-262701933/12

वनमंडलाधिकारी
धमतरी वनमंडल धमतरी

कुंगफू संघ द्वारा मासिक ट्रायल का आयोजन, बच्चों ने दिखाया प्रदर्शन

जांजगीर चांपा/नवप्रदेश। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर विद्यालय, बम्हनीडीह में जिला जांजगीर कुंगफू संघ द्वारा नियमित रूप से संचालित कुंगफू प्रशिक्षण का मासिक ट्रायल एवं प्रदर्शन कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा अब तक सीखी गई कुंगफू तकनीकों का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं एकता का परिचय दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिव जायसवाल अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद, जांजगीर जिला ने की। मुख्य अतिथि के रूप में अंजली नवीन सराफ पार्षद, वार्ड क्रमांक 05 एवं मोहनलाल डड़सेना पार्षद, वार्ड क्रमांक 10 उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नरेंद्र जायसवाल जी सचिव, सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर विद्यालय, बम्हनीडीह तथा विश्वास सराफ उपाध्यक्ष जिला जांजगीर गौ सेवा प्रमुख जांजगीर-चांपा ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं नियोजन कुंगफू प्रशिक्षिका श्रिया सराफ द्वारा किया । उन्होंने विद्यार्थियों को सेल्फ डिफेंस के महत्व के साथ-साथ किक, पंच, ब्लॉक एवं अन्य कुंगफू तकनीकों की जानकारी एवं प्रदर्शन कराया। बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ मानसिक एवं सांस्कृतिक विकास हेतु गीत, भजन, दोहा तथा एमसीक्यू प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। मालिनी पटेल को 'बेस्ट डिसिप्लिन अवॉर्ड', वैषाली डड़सेना को 'बेस्ट कुंगफू परफॉर्मर अवॉर्ड' तथा लावण्या पटेल को 'रेगुलर अटेंडेंस अवॉर्ड' प्रदान किया गया। कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाओं का सफल आयोजन छाया डड़सेना द्वारा किया । इस अवसर पर रामलाल पटेल, संजय केवट एवं नागेश्वर सहित अनेक गणमान्य नागरिकों का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने कुंगफू संघ के इस सराहनीय प्रयास की। ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मरक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं संस्कारों का विकास करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों का सम्मान

कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मालिनी पटेल को 'बेस्ट डिसिप्लिन अवॉर्ड', वैषाली डड़सेना को 'बेस्ट कुंगफू परफॉर्मर अवॉर्ड' तथा लावण्या पटेल को 'रेगुलर अटेंडेंस अवॉर्ड' प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ कुंगफू संघ के महासचिव संदीप यादव ने बच्चों को नियमित अभ्यास, अनुशासन और आत्मरक्षा के महत्व पर प्रेरित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

न्यूज गैलरी

महिलाओं से जुड़े मामलों पर बिलासपुर में होगी सुनवाई

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती किरणमयी नायक 08 जुलाई को महिलाओं से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई करेंगी। इस दौरान मुंगेली जिले के कुल 9 प्रकरणों पर सुनवाई की जाएगी। यह सुनवाई जल संसाधन परिसर स्थित प्रार्थना सभाकक्ष, बिलासपुर में प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होगी। सुनवाई के दौरान संबंधित पक्षकारों की उपस्थिति में प्रकरणों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

मुंगेली में सड़कों पर मवेशी छोड़ने पर तीन माह तक लगा प्रतिबंध

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण तथा आमजन और पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व) मुंगेली अजय कुमार शतरंज ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। आदेश के तहत मुंगेली अनुविभाग क्षेत्र में पशुपालकों को अपने मवेशियों को सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर खुला छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से आगामी तीन माह तक लागू रहेगा। आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजमार्गों एवं स्थानीय सड़कों पर आवारा पशुओं के विचरण से लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ पशुओं की जान भी खतरे में पड़ रही है। इसके अलावा यातायात बाधित होने, सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने तथा आपातकालीन सेवाओं के संचालन में भी कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं, जो भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 291 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 सहित अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत दंडनीय है। यदि कोई पशुपालक अपने पशुओं को सार्वजनिक मार्गों या स्थानों पर खुला छोड़ता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर बांधकर रखें तथा उन्हें सड़कों पर विचरण करने से रोकें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए, यातायात सुचारु बना रहे और जन-धन एवं पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

जेल परिसर के आसपास ड्रोन संचालन पर लगी रोक

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला जेल मुंगेली की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कुन्दन कुमार ने आदेश जारी करते हुए जिला जेल परिसर एवं उसके 500 मीटर परिधि क्षेत्र नो ड्रोन फ्लाइंग जोन घोषित किया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। जारी आदेश के अनुसार, जेल परिसर में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना एवं सुरक्षा संबंधी जोखिमों की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। असामाजिक तत्वों द्वारा ड्रोन के माध्यम से प्रतिबंधित सामग्री जेल परिसर में पहुंचाने की संभावना को रोकने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। आदेश के तहत जिला जेल के 500 मीटर के दायरे में किसी भी व्यक्ति, संस्था अथवा एजेंसी द्वारा बिना सक्षम अनुमति के ड्रोन, कैमरा युक्त ड्रोन या अन्य किसी भी प्रकार के मानव रहित उड़ान उपकरण (यूएवी) का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यदि किसी शासकीय अथवा सुरक्षा संबंधी कार्य के लिए ड्रोन संचालन आवश्यक हो, तो संबंधित विभाग को अनुविभागीय दण्डाधिकारी, मुंगेली से पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता एवं अन्य प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. मुखर्जी की जयंती पर शिव मंदिर में किया पौधरोपण

अंबिकापुर/नवप्रदेश। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ध्यानचंद गुप्ता के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम नकना घुटरी के शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी मुख्य अतिथि रहे। विधायक ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री के अभियान एक पेड़ मां के नाम को आगे बढ़ाने की अपील की। लोगों से कहा कि निजी जमीन या शासकीय जमीन पर एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाएं। कार्यक्रम में झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के पदाधिकारी मौजूद रहे। मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, वन परिक्षेत्राधिकारी पूजा यादव, बीएमओ डॉ. प्रियंका शर्मा सहित भाजपा, भाजयुमो और विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी पहुंचे।

सोनहत ब्लॉक में हफ्तेभर से बिजली की रातभर कटौती

अंबिकापुर/नवप्रदेश। ब्लॉक सोनहत में बिजली की लचर व्यवस्था से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। रविवार शाम गुल हुई बिजली सोमवार तड़के सुबह लौटी। पूरी रात बिजली बंद रही। इलाके में पिछले एक सप्ताह से बिजली की व्यवस्था बिगड़ी हुई है। लोग हलाकान हैं। वनांचल क्षेत्र में बारिश के बीच रात में बिजली नहीं रहने से सांप, बिच्छू, जंगली जानवरों का खतरा बढ़ गया है। जंगल के किनारे बसे लोगों के लिए रात में बिजली गुल होने पर खतरा और बढ़ जाता है।

लैब सेवाओं के निजीकरण से हजारों मेडिकल लैब तकनीशियनों पर बेरोजगारी का संकट

सरकारी लैब बंद, अटल आरोग्य लैब शुरू करने के फैसले पर बढ़ा विवाद

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रदेश के जिला अस्पतालों में दशकों से संचालित सरकारी लैब (पूर्व में हमर लैब) को बंद कर उनकी जगह अटल आरोग्य लैब स्थापित करने का सरकारी निर्णय विवादों के घेरे में आ गया है। इस बदलाव से न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की सुचारू व्यवस्था चरमरा गई है, बल्कि लैब में वर्षों से समर्पित भाव से कार्य कर रहे तकनीशियनों, सहायकों और आउटसोर्स कर्मचारियों के समक्ष बेरोजगारी का भीषण संकट उत्पन्न हो गया है।

राज्य के सरकारी अस्पतालों की पैथोलॉजी लैब को निजी एजेंसी को सौंपने से मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों, सामुदायिक (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में सालों से मरीजों के खून-यूरिन की जांच कर रहे करीब हजारो मेडिकल लैब तकनीशियनों (एमएलटी) को अब दूसरे विभागों में भेजने की तैयारी है। दरअसल, निजी हाथों में कमान जाते ही सरकारी तकनीशियनों के पास मूल विभाग में काम नहीं बचेगा। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के आला अफसरों ने तकनीशियनों के प्रतिनिधिमंडल से खुद विकल्प मांगा है कि वे कहां जाना चाहते हैं? बरसों से तकनीकी काम कर रहे इन कर्मचारियों को अब आयुष्मान योजना और सीजीएमएससी में बाबू बनने, फूड एंड ड्रग विभाग में सैंपल कलेक्टर या पंचायत विभाग में क्लर्क बनने का ऑफर दिया जा रहा है। अचानक आए इस फैसले से 15-20 साल से सेवाएं दे रहे तकनीशियन हैरान हैं और विभाग में खलबली मची हुई है। इन कर्मचारियों का चयन किसी सामान्य भर्ती से नहीं, बल्कि कठिन प्रतियोगी परीक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण के जरिए हुआ था। पैरामेडिकल कोर्स के बाद इन्होंने मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों से मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी की पढ़ाई और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग ली। सालों के इस तकनीकी अनुभव और विशेषज्ञता के बाद अब इन्हें गैर-तकनीकी कामों में धकेले जाने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभी इस बारे में अंतिम आदेश जारी नहीं हुआ है, लेकिन अधिकारियों और एमएलटी प्रतिनिधियों के बीच हुई चर्चा से इतना स्पष्ट हो गया है कि लैब सेवाओं के निजी हाथों में जाने के साथ बड़ी संख्या में तकनीकी कर्मचारियों की जिम्मेदारियां बदली जाएंगी। लैब में कार्यरत कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संघों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका आरोप है कि विभाग ने बिना किसी ठोस संयोजन नीति के रातों-रात पुरानी व्यवस्था को समाप्त कर दिया। यह पूरी कवायद इसलिए हो

रही है क्योंकि सरकार चरणबद्ध तरीके से सरकारी पैथोलॉजी का निजीकरण करने जा रही है। शुरुआती चरण में कुछ जिला अस्पतालों में संचालित हमर लैब को बंद करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अगले चरणों में बाकी जिला अस्पतालों, सीएचसी और पीएचसी की लैब भी इस दायरे में आएंगी। हालांकि, अभी अंतिम आदेश जारी नहीं हुआ है, लेकिन अफसरों और एमएलटी प्रतिनिधियों की चर्चा से साफ है कि लैब सेवाओं के निजी हाथों में जातें ही तकनीकी स्टाफ का सेटअप पूरी तरह बदल जाएगा।

निजीकरण से तकनीशियनों का भविष्य अधर में

सरकारी अस्पतालों में वर्षों से संचालित हमर लैब को बंद कर अटल आरोग्य लैब शुरू करने की तैयारी के बीच हजारों मेडिकल लैब तकनीशियनों के भविष्य पर संकट गहरा गया है। निजी एजेंसी को लैब संचालन सौंपे जाने के बाद तकनीकी कर्मचारियों को अन्य विभागों में समायोजित करने की योजना बनाई जा रही है। वर्षों से पैथोलॉजी जांच का कार्य कर रहे कर्मचारियों को आयुष्मान योजना, सीजीएमएससी, फूड एंड ड्रग विभाग या पंचायत विभाग में गैर-तकनीकी जिम्मेदारियां देने का प्रस्ताव है। कर्मचारी संगठनों ने इसे तकनीकी विशेषज्ञता के साथ अन्याय बताते हुए सरकार से सम्मानजनक समायोजन की मांग की है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

लखनपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-130 पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी क्रम में 4 जुलाई की रात करीब 10 बजे ग्राम जेजगा स्थित राजवाड़े ढाबा के पास हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मनोज मरावी (18), पिता बोडरी मरावी, निवासी ग्राम रनहत, थाना चलगली, जिला बलरामपुर के रूप में हुई है। वह ग्राम जेजगा में किराये के मकान में रहकर नल-जल योजना में प्लम्बर के रूप में कार्य करता था। घटना के समय वह अपने गृह ग्राम रनहत जा रहा था। इसी दौरान वाहन के चालक ने कथित रूप से तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मर्च्युरी में रखवाया। देर रात होने के कारण अगले दिन 5 जुलाई को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस पर सत्ता पक्ष को संरक्षण का आरोप, निकाली रैली

अंबिकापुर/नवप्रदेश। सत्ताधारी दल से जुड़े जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों से जुड़े कथित रूप से अलग-अलग तीन आपराधिक मामलों में कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगा कांग्रेस ने सोमवार को शहर में रैली निकाली।

रैली शहर से होते हुए आईजी ऑफिस पहुंची और आईजी को उन्होंने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस का आरोप है कि सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और समर्थकों से जुड़े तीन प्रमुख आपराधिक मामलों में पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय है, जिससे कानून व्यवस्था पर आम जनता का भरोसा टूट रहा है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने आईजी से उक्त तीनों मामलों में कार्रवाई कर संबंधित की गिरफ्तारी की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाते हुए बताया गया है कि 19 जून को कलाकेन्द्र मैदान के आबंटन में लाखों रुपए के लेन-देन से जुड़ा एक ऑडियो वायरल हुआ था। इस ऑडियो में कथित तौर पर रिश्वत देने वाले व्यक्ति अनुराग मिश्रा और प्राप्त करने वाले के रूप में महापौर मंजूषा भगत व भाजपा पदाधिकारी की आवाजें थीं। महापौर मंजूषा ने 22 जून को अजाक थाने में आवेदन देकर इस ऑडियो को एआई जनरेटेड बताया था।

सड़कों पर आवारा पशुओं पर लगेगी रोक, बनाई कार्ययोजना

मुंगेली/नवप्रदेश। राष्ट्रीय राजमार्गों एवं प्रमुख सड़कों पर विचरण करने वाले आवारा एवं घुमन्तू पशुओं के प्रभावी व्यवस्थापन और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत मुंगेली के सभागार में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बताया गया कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्गों एवं मुख्य सड़कों पर आवारा पशुओं का जमावड़ा बढ़ जाता है, जिससे विशेषकर रात के समय सड़क दुर्घटनाओं और पशुओं की मृत्यु की घटनाएं सामने आती हैं। इस गंभीर समस्या के स्थायी समाधान के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, नगर पालिका मुंगेली, जरहागांव एवं बरेला के अधिकारियों, जनपद पंचायत मुंगेली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने निर्णय लिया कि रात्रिकालीन समय में सड़कों पर पशुओं का जमावड़ा रोकने के लिए कर्मचारियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई जाएगी।

रेडियम बेल्ट, गौठानों से होगा पशुओं का प्रबंधन

राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख सड़कों पर आवारा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ने कई अहम निर्णय लिए हैं। रात्रिकालीन गश्त के साथ कर्मचारियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई जाएगी तथा सड़क किनारे पशुओं के लिए सुरक्षित प्लेटफॉर्म विकसित किए जाएंगे। पशु चिकित्सा विभाग रेडियम बेल्ट और टैगिंग अभियान चलाकर घुमंतू पशुओं की पहचान सुनिश्चित करेगा। जिले में 30 नए गौठानों का प्रस्ताव भी भेजा गया है। स्वीकृति मिलने के बाद आवारा पशुओं को गौधामों में रखा जाएगा।

बड़ी राहत: छिन्दिया में 19.52 लाख की सीसी सड़क बनी

अंबिकापुर/नवप्रदेश। तहसील पटना के ग्राम पंचायत छिन्दिया में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत करीब 19.52 लाख रुपए की लागत से बनी सीसी सड़क का काम पूरा हो गया है। सड़क बनने से गांव में आवागमन आसान हुआ है। बरसात में कीचड़, जलभराव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों का वर्षों पुराना पक्की सड़क का सपना पूरा हुआ है। नई सड़क से स्कूली विद्यार्थियों, किसानों, महिलाओं, बुजुर्गों को आने-जाने में सुविधा होगी। ग्रामीणों ने बताया कि पहले कच्चे रास्ते के कारण बरसात में काफी परेशानी होती थी। अब सीसी सड़क से गांव की तस्वीर बदल रही है। लोगों को सुरक्षित, सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा। सड़क काली मिट्टी होने के कारण थोड़ा फट गई थी। सरपंच ने इसे सुधार करा दिया। सरपंच ने कहा कि जरूरत पड़ी तो संबंधित विभाग आगे भी जरूरी सुधार करेगा। ग्रामीणों ने कहा कि गांवों में मूलभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है।

हाईवे के गड्ढे भरें, कब्जा हटाने चलाएं अभियान: कलेक्टर चंदन

अंबिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा से जुड़े बिंदुओं की समीक्षा की। विभागों को दुर्घटनाएं कम करने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-343 पर गड्ढों की मरम्मत तेज करने के निर्देश दिए। अनुविभागीय अधिकारियों से

नियमित मॉनिटरिंग कराने को कहा। मालवाहक वाहनों में यात्रियों के अवैध परिवहन पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। यातायात पुलिस, परिवहन विभाग को समन्वय से त्वरित कार्रवाई करने को कहा। जरूरत पर वाहन चालकों के लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में आलोक वाजपेयी, नयनतारा सिंह तोमर, आरएस लाल, आरएन पाण्डेय, प्रमोद गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क किनारे कब्जा हटाने एसपी ने दिए निर्देश पुलिस अधीक्षक ने सड़क किनारे अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। कहा, अवैध कब्जों से यातायात बाधित होता है। दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ती है। दुर्घटना संभावित स्थलों पर स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, अन्य जरूरी सड़क सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा। मार्गों के किनारे पेड़ों की नियमित छंटाई कराने के निर्देश दिए।

पेज 1 का शेष...

बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर: 618 वर्षों...

ऐसे पड़ा 'गोंचा' नामः ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार, महाराजा पुरुषोत्तम देव जगन्नाथपुरी की रथयात्रा में शामिल हुए थे। उनकी अनन्य भक्ति से प्रसन्न होकर पुरी के गजपति महाराज ने उन्हें 'रथपति' की उपाधि दी थी और 16 पहियों वाला विशाल रथ भेंट किया था। बस्तर लौटने के बाद उन्होंने जगदलपुर में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथयात्रा प्रारंभ की। समय के साथ पुरी के 'गुंडिचा' उत्सव का स्थानीय आदिवासी उच्चारण बदलकर 'गोंचा' हो गया। महाराजा के साथ ओडिशा से आए 360 आरण्यक ब्राह्मण परिवारों की पीढ़ियां आज भी जगदलपुर के जगन्नाथ मंदिर में इन धार्मिक परंपराओं का निर्वहन पूरी निष्ठा से कर रही हैं।

वायनाड में भूस्खलन से...

सतीशन ने आपातकालीन बैठक बुलाकर युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाने और दो मंत्रियों को तुरंत मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। सेना, पुलिस और एनडीआरएफकी टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। मौसम विभाग ने वायनाड और कोझिकोड में 'रेड अलर्ट' जारी किया है।

भारी बारिश का ...

भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने का 'अलर्ट' जारी किया है। इस बीच, लगातार हो रही बारिश से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से जान-माल के नुकसान और प्राकृतिक बदलावों की खबरें आ रही हैं।

पीएम मोदी को मिला...

हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

शुरू होगा साझेदारी का सुनहरा अध्याय, पूरी दुनिया पर दिखेगा असर: राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान पीएम मोदी ने दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ÷पिछले कुछ वर्षों में भारत और इंडोनेशिया के संबंधों में एक नई ऊर्जा, नया विश्वास और नई गहराई आई है। साल 2018 में शुरू हुई हमारी 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' आज एक नई उड़ान ले रही है। हम विकास, सुरक्षा, टेक्नोलॉजी, संस्कृति और शिक्षा जैसे हर महत्वपूर्ण क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने पूर्ण विश्वास जताते हुए कहा कि आज से दोनों देशों की इस साझेदारी का एक नया और सुनहरा अध्याय शुरू हो रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव न केवल दोनों देशों पर, बल्कि 21वीं सदी की दुनिया और पूरी मानवता पर पड़ेगा।

'बिन्तांग आदिपूर्णा' सम्मान

इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मानः यह मेडल ऑफ ऑनर इंडोनेशिया का सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार है, जो गिने-चुने वैश्विक नेताओं को ही दिया जाता है।

रणनीतिक साझेदारी को नई उड़ानः सुरक्षा, व्यापार, टेक्नोलॉजी और शिक्षा के क्षेत्र में दोनों देश मिलकर बढ़ा रहे हैं कदम। वैश्विक शांति पर असरः पीएम मोदी ने कहा कि भारत-इंडोनेशिया की यह मजबूत दोस्ती पूरी मानवता के कल्याण में अहम भूमिका निभाएगी।

फर्जी अंकसूची के आधार...

बलौदाबाजार की मिलीभगत से यह फर्जीवाड़ा किया गया।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन...

होगा। ट्रेन के सुचारू संचालन के लिए जींद में एक विशेष हाइड्रोजन स्टोरेज और रिफ्यूलिंग स्टेशन (ईंधन भरने की सुविधा) विकसित किया गया है। यहीं पर कंप्रेस्ड हाइड्रोजन गैस को सुरक्षित स्टोर किया जाएगा और ट्रेनों में रीफिल किया जाएगा। तकनीकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बैकअप के तौर पर स्टैंडबाय कंप्रेसर यूनिट की व्यवस्था भी की गई है।

छत्तीसगढ़-झारखंड मिलकर बदलेंगे...

के बीच सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों की एक बेहद मजबूत परंपरा रही है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से जशपुर क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अंचल का झारखंड से वर्षों पुराना आत्मीय जुड़ाव है, जिसने दोनों राज्यों के लोगों के बीच विश्वास और निकटता को हमेशा बनाए रखा है। बैठक में दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए संयुक्त प्रयास जरूरी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि इस आपसी सहयोग से विकास के नए अवसर पैदा होंगे। दोनों राज्यों के बीच योजनाओं के बेहतर समन्वय का सीधा और व्यापक लाभ सीमावर्ती क्षेत्रों की जनता को मिलेगा।

अब छोटे निर्यातकों और कारोबारियों...

महत्वपूर्ण और उच्च स्तरीय बैठकें संपन्न हुईं। इन बैठकों में जहां एक तरफ छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर तथा वैट कानूनों में बड़े संशोधनों के प्रारूप को हरी झंडी दी गई, वहीं दूसरी तरफसभी विभागों के सचिवों को बैकलॉग पदों पर तुरंत भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के कड़े निर्देश दिए गए।

चंपत राय ने तोड़ी चुप्पी...

अपने सार्वजनिक जीवन का भी उल्लेख किया। उन्होंने लिखा कि अक्टूबर 1991 में उन्हें संगठन द्वारा अयोध्या भेजा गया था और उनका प्रचारक जीवन 45 वर्षों का रहा है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां उन्होंने कार्य किया, उनका जीवन एक खुली पुस्तक की तरह रहा है। अंत में उन्होंने सभी को आदरपूर्वक नमन किया।

पूरा देश सूखा है, मुंबई में इतनी बारिश क्यों हो रही?

मुंबई/ए.। स मॉनसून सीजन में भारत के मौसम ने एक बार फिर अजीबोगरीब रूप दिखाया है. राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे बड़े इलाकों में सूखे की स्थिति बनी हुई है. किसान फसलें सूखने की चिंता में हैं. वहीं दूसरी ओर मुंबई, ठाणे और कोंकण क्षेत्र में लगातार भारी बारिश हो रही है। सड़कें पानी से भर गई हैं. ट्रेनें प्रभावित हैं. लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. क्या अल-नीनो ने मॉनसून की पूरी व्यवस्था को बिगाड़ दिया है? भारतीय मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार मॉनसून की शुरुआत थोड़ी देरी से हुई थी. इसकी गति और वितरण पूरी तरह असमान रहा। उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में मॉनसून की उन्नति धीमी रही. इन इलाकों में बारिश की कमी 40-50 प्रतिशत तक पहुंच गई है. वहीं पश्चिमी तट पर, खासकर मुंबई में, मॉनसून की सक्रियता बहुत ज्यादा है. एक ही समय में देश के कुछ हिस्सों में सूखा और कुछ हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है।

मुंबई का भौगोलिक स्थान ही बारिश को बुलाता है. पश्चिमी घाट की पहाड़ियां अरब सागर से आने वाली नम हवाओं को ऊपर उठाती हैं. इस प्रक्रिया को ऑरोग्राफिक लिफ्टिंग कहते हैं। जब ये हवाएं पहाड़ों से टकराती हैं तो ठंडी होकर भारी बारिश करती हैं. इस साल हवाओं की गति और नमी का स्तर सामान्य से ज्यादा है।

पिछले कुछ दिनों में मुंबई में 200-300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश कई जगहों पर दर्ज की गई। इससे निचले इलाकों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और फ्लाइट्स-ट्रेनों में देरी हो रही है. स्थानीय प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

अल-नीनो का प्रभाव: क्या यही मुख्य वजह है?

विशेषज्ञों के अनुसार अल-नीनो का ताकतवर होना इस साल मॉनसून पर असर डाल रहा है. अल-नीनो वह स्थिति है जब प्रशांत महासागर का पूर्वी भाग गर्म हो जाता है. यह सामान्य रूप से भारत में कम बारिश का कारण बनता है. इस बार अल-नीनो के बढ़ने और ला-नीना के कमजोर पड़ने से मॉनसून का पैटर्न बिगड़ा हुआ है। मुंबई जैसे तटीय इलाकों में अरब सागर से नमी भरी हवाएं लगातार आ रही हैं. इन हवाओं को कोई बड़ा व्यवधान नहीं मिल रहा, जिससे लगातार बारिश हो रही है. वहीं देश के अन्य हिस्सों में मॉनसून की ट्रफसामान्य स्थिति में नहीं पहुंच पा रही है।

सीएम जोसेफ विजय के खिलाफ याचिका पर डीएमके को फटकार

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ दायर याचिका पर अहम टिप्पणी करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम को कड़ी फटकार लगाई। इतना ही नहीं सर्वोच्च न्यायलय ने छ्रब्ध की उस याचिका को खारिज भी कर दिया, जिसमें सीएम विजय के करूर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों से मिलने के कार्यक्रम पर सवाल उठाए गए थे।

याचिका पर सवाल खड़े करते हुए न्यायाधीश जस्टिस केवी विश्वनाथन और न्यायाधीष आलोक अराधे की बेंच ने छ्रब्ध के वरिष्ठ वकील रंजित कुमार से तीखे सवाल पूछे। कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका भला कार्यपालिका के प्रमुख मुख्यमंत्री के दौरों को कैसे तय या नियंत्रित कर सकती है? इसके साथ ही बेंच ने हैरान होते हुए पूछा कि किसी हादसे के पीड़ितों और उनके परिवारों से मिलना गवाहों को प्रभावित करना कैसे हो गया?

इसके साथ ही न्यायाधीशों ने सख्त रुख दिखाते हुए छ्रब्ध के वकील से कहा कि या तो वे खुद इस याचिका को वापस ले लें और कानून के तहत किसी अन्य विकल्प का इस्तेमाल करें, नहीं तो कोर्ट इस याचिका को खारिज कर देगा। इसके बाद वकील रंजित कुमार याचिका वापस लेने पर सहमत हो गए और सुप्रीम कोर्ट ने इसे वापस ली गई याचिका मानकर खारिज कर दिया।

बता दें कि DMK सचिव आरएस भारती ने कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की थी कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, राज्य के मंत्री आधव अर्जुना और मामले के अन्य आरोपियों को इस केस पर सार्वजनिक बयान देने से रोका जाए। उनकी मांग थी कि सीबीआई जांच पूरी होने तक पीड़ितों के परिवारों के साथ उनकी बातचीत पर नजर रखी जाए या उसे नियंत्रित किया जाए

पाकिस्तान में आतंकी हमला : नौ पुलिस कर्मियों की मौत, 5 लापता

इस्लामाबाद/ए.। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को एक बांध परियोजना के चेकपोस्ट पर हमला हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियों ने नौ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी और कई अन्य लापता हैं। एक वरिष्ठ जिला अधिकारी अब्दुल कुदूस ने बताया कि 'मंगी बांध परियोजना की रखवाली कर रहे एक चेकपोस्ट पर हमले के बाद नौ पुलिसकर्मी मारे गए हैं और कई लापता हैं'। प्रांतीय सरकार के एक प्रवक्ता ने इस संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कई पुलिस थानों के वरिष्ठ अधिकारी मृतकों में शामिल हैं। उन्होंने इस हमले के लिए इस्लामी आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया।

जवाबी कार्रवाई और संघर्ष

बलूचिस्तान की सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने एक बयान में कहा कि अर्धसैनिक बल, पुलिस और आतंकवाद विरोधी कर्मियों ने आतंकवादियों के खिलाफ÷संयुक्त अभियान सफलतापूर्वक चलाए हैं।÷ पाकिस्तान वर्षों से बलूचिस्तान में अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है। इस खनिज-समृद्ध प्रांत की सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है। यहां आतंकवादी राज्य बलों और विदेशी निवेश तथा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निशाना बनाते हैं। यह पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ते आतंकवादी हमलों का हिस्सा है। इस्लामाबाद का कहना है कि ये हमले अफगानिस्तान से होते हैं, जहां के अधिकारी लगातार किसी भी संलिप्तता से इन्कार करते रहे हैं। पाकिस्तान ने हाल के महीनों में अफगान क्षेत्र में हवाई हमले किए

भारत के खिलाफ साजिश के लिए कराची में की बैठक

हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी रहे बुरहान वानी की 10वीं बरसी पर कराची में आतंकियों के बड़े-बड़े आकाओं की एक गुप्त बैठक हुई। यह बैठक 5 जुलाई को लश्कर-ए-ताइबा के राजनीतिक संगठन पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के मुख्यालय में हुई। बैठक में जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी गुटों से संबंधित 14 बड़े आतंकियों और आईएसआई से ताल्लुक रखने वालों ने शिरकत की। बैठक में बुरहान वानी की बरसी पर भारत विरोधी साजिश रची गई। इसमें कश्मीर घाटी के हिस्सों में बड़ी वारदातों को अंजाम देने के लिए युवाओं को हथियार पहुंचाने का टास्क सौंपा गया। पार्टी के मुख्यालय में करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में में लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े आतंकी मोहम्मद तलहा सईद, सैफुल्ला कसूरी और हाफिज अब्दुल रहीम समेत 14 लोग 8 जुलाई की साजिशों का पूरा रोड मैप लेकर बैठे।

सीजेपी को हाईकोर्ट से राहत एक्स हैंडल पर बैन हटेगा

नई दिल्ली/ए.। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर शुरू हुई मुहिम 'कॉकरोच जनता पार्टी' के एक्स हैंडल को बहाल करने का आदेश दिया है। मंगलवार को पारित अपने फैसले में कोर्ट ने केंद्र सरकार के अकाउंट ब्लॉक करने के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने केंद्र के अवरोधक आदेश के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके द्वारा दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया।सुनवाई के दौरान, सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षा नीट के दोबारा आयोजन से पहले 'अराजकता' से बचने के लिए यह अकाउंट ब्लॉक किया गया था। सरकार का तर्क था कि ऐसे अकाउंट से गलत सूचना फैल सकती है, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ सकती है।

केंद्र की चिंता अब प्रासंगिक नहीं : हाईकोर्ट

उच्च न्यायालय ने सरकार के तर्क को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि हृश्वश्वञ्ज को लेकर केंद्र की चिंता अब प्रासंगिक नहीं है। इसका मतलब है कि परीक्षा से संबंधित संभावित गड़बड़ी का खतरा अब समाप्त हो गया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध तभी लगाया जा सकता है, जब कोई ठोस और तात्कालिक खतरा हो। इस मामले में ऐसा कोई खतरा मौजूद नहीं था।

दिल्ली रिज बनेगा राजधानी का 'ग्रीन लंग्स' : अमित शाह

नई दिल्ली/ए.। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के महत्वाकांक्षी 70 लाख पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिल्ली के रिज क्षेत्र में बड़ी संख्या में कांटेदार बबूल और कई तरह के ऐसे पेड़ हैं, जो देखने में हरियाली का अहसास तो कराते हैं, लेकिन पर्यावरण के लिए उतने लाभदायक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अब सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए बड़े स्तर पर काम शुरू कर रही है। गृह मंत्री ने बताया कि 1994 में भारतीय वन अधिनियम के तहत 7,784 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को अधिसूचित किया गया था, लेकिन पिछले 30 वर्षों में इसकी अंतिम अधिसूचना जारी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि यह बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इसके संरक्षण की दिशा में अब ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। अमित शाह ने रेखा गुप्ता सरकार की सराहना करते हुए कहा कि अब 5,000 हेक्टेयर रिज क्षेत्र को वन क्षेत्र घोषित किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही पूरे रिज क्षेत्र को कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इसके जरिए रिज की जैव विविधता को पुनर्जीवित, मिट्टी और जल संसाधनों का संरक्षण तथा दिल्ली के पर्यावरण को नई ऊर्जा और नया जीवन देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में पूरे रिज क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से पीपल, बरगद, नीम, गूलर, अर्जुन और जामुन जैसे ऐसे पेड़ लगाए जाएंगे, जो 100 वर्ष से अधिक समय तक जीवित रह सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसी के साथ दिल्ली रिज को राजधानी के 'ग्रीन लंग्स' के रूप में विकसित करने का मिशन शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ÷आज दिल्ली सरकार के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम एक ही मंच से आयोजित किए गए हैं।

शाह ने एक पेड़ मां के नाम अभियान की जमकर सराहना की

अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की भी जमकर सराहना की। उन्होंने इसे देश में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में एक बेहद प्रेरणादायक और अनूठा प्रयास बताया। इस अभियान में नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) भी अहम भूमिका निभा रही है। एनडीएमसी ने इस अभियान के तहत करीब 600 पेड़ और 50 हजार झाड़ियां लगाने का लक्ष्य रखा है।

सरकार का दावा: ईसीएलजीएस 5.0 के तहत 4.11 लाख से ज्यादा की गारंटी

नई दिल्ली/ए.। केंद्र सरकार ने मंगलवार को बताया कि इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम 5.0 के तहत लॉन्च होने के बाद से अब तक 4,11,497 गारंटी जारी की जा चुकी हैं, और इसके तहत कुल 1,55,229 करोड़ रुपए की गारंटी दी गई है, जो यह दर्शाता है कि बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली ने इस योजना को तेजी से अपनाया है। सरकार के अनुसार, 5 मई 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर की गई यह योजना पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव से प्रभावित कारोबारों को तेजी से और बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। यह योजना बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए जोखिम को कम करने का काम करती है, ताकि वे पात्र उधारकर्ताओं को अतिरिक्त ऋण उपलब्ध करा सकें। इससे कंपनियों को नकदी प्रवाह से जुड़ी समस्याओं से उबरने और अपने कारोबार को सुचारू रूप से जारी रखने में मदद मिलती है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि योजना के तहत एमएसएमई को दिए जाने वाले अतिरिक्त ऋण पर 100 प्रतिशत गारंटी और अन्य कारोबारी वर्गों के लिए 90 प्रतिशत गारंटी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वित्तीय संस्थानों का भरोसा बढ़ा है और जरूरतमंद क्षेत्रों तक तेजी से ऋण पहुंचाना संभव हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि ईसीएलजीएस 5.0 के शुरुआती नतीजे यह साबित करते हैं कि सरकार एक मजबूत, त्वरित और भरोसेमंद ऋण व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का मानना है कि जैसे-जैसे इस योजना का दायरा बढ़ेगा और अधिक लोगों तक इसकी पहुंच बनेगी, यह विशेष रूप से एमएसएमई और उद्यमियों को बाहरी चुनौतियों के दौरान आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सरकार के मुताबिक, इस योजना का सबसे बड़ा लाभ छोटे और मध्यम उद्योगों को मिला है। जारी की गई कुल गारंटियों में से करीब 98 प्रतिशत संख्या के हिसाब से एमएसएमई को दी गई हैं,

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक1605/न.पा.नि./ 2026 — रायगढ़ दिनाँक 07/07/26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	194942	नगर पालिक निगम, रायगढ़ क्षेत्रान्तर्गत गौरव पथ में लगे स्वागत द्वार (छातामुड़ा चौक, कयाघाट चौक) का जीर्णोद्धार कार्य।	21.76	29.07.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि., रायगढ़

State Urban Development Agency, Chhattisgarh
4th Floor, D Block, Indrawati Bhavan (HOD Building), Nava Raipur Atal Nagar, Chhattisgarh, 492002
Phone 0771-2222401 Fax 0771/2222409 Email: csd.suda@yahoo.com

RFP Notice

RFP Reference No.: PROJ-204/197/2026-SUDA (T M P F) SECTION / **403692-1**

Nava Raipur Atal Nagar, Dated 03/07/2026

The State Urban Development Agency (SUDA), Chhattisgarh hereby invites proposals in conformity with the RFP document from registered and authorized agencies having experience and expertise in the similar field of work as per the criteria mentioned in the RFP document as below:

System Tender No.	Name of the Work	EMD	RFP Document Fee	Last date to download the RFP
194738	Request for Proposal (RFP) for Selection of an Agency for the Operation and Maintenance of 47 Aspirational Toilets under SBM 2.0 in Chhattisgarh.	INR 5,00,000/-	INR 10,000/-	24.07.2026

The details regarding conditions stipulated in the RFP, EMD, Key dates for submission, detailed RFP, RFP document and all the information related to the RFP can be viewed and downloaded from e-procurement portal https://eproc.cgstate.gov.in or departmental website https://suad.cg.gov.in.

S- 48366/3

SD/-
Chief Executive Officer
State Urban Development Agency,
Nava Raipur Atal Nagar

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि/यां.) संभाग बिलासपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-3335/NIT-7/2026-2027/ व ले लि — दिनांक : 02/07/2026

निविदा प्रपत्र कय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	:-	14-07-2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि	:-	22-07-2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	:-	23-07-2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे से
कार्य की अवधि	:-	31-03-2027 वर्षा ऋतु सहित
कार्य की अवधि केवल- T0122 हेतु	:-	31-12-2026 वर्षा ऋतु सहित
निविदाकारों की श्रेणी	-	ई पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ' तक

एनआईटी क्र./ निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र की कीमत (रू.में)	अमानत राशि (रू. में)
7 T0108	उपसंभाग बिलासपुर अंतर्गत आवासीय भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत का कार्य	5.06	750.00	3795.00
7 T0109	उपसंभाग बिलासपुर अंतर्गत सर्किट हाउस, रेस्ट हाउस एवं गैर आवासीय भवनो में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडीशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	7.28	750.00	5460.00
7 T0110	उपसंभाग मुंगेली अंतर्गत आवासीय भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	5.06	750.00	3795.00
7 T0111	उपसंभाग मुंगेली अंतर्गत सर्किट हाउस, रेस्ट हाउस एवं गैर आवासीय भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	3.87	750.00	3870.00
7 T0112	उपसंभाग हाईकोर्ट बिलासपुर अंतर्गत रेस्ट हाउस एवं अन्य गैर आवासीय भवनों में विंडो/स्प्लिट / कैसेट एवं टावर एयर कंडीशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	8.28	750.00	6210.00
7 T0113	उपसंभाग हाईकोर्ट बिलासपुर के सेक्शन क्र 4 अंतर्गत राजस्व मंडल एवं अन्य राजस्व आवासीय भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	7.89	750.00	5918.00
7 T0114	उपसंभाग हाईकोर्ट बिलासपुर के सेक्शन क्र 4 अंतर्गत जिला न्यायालय, व्यवहार न्यायालय, एडीआर, पुलिस, प्रशानिक एवं लोक निर्माण विभाग के भवनों में विंडो/ स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	5.84	750.00	4380.00
7 T0115	उपसंभाग हाईकोर्ट बिलासपुर सेक्शन क्र 4 अंतर्गत उच्च न्यायालय आवासीय कॉलोनी सेक्टर 1 रहंगी में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	7.40	750.00	5550.00
7 T0116	उपसंभाग जांजगीर अंतर्गत रेस्ट हाउस एवं सर्किट हाउस भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कडीशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	1.80	300.00	2000.00
7 T0117	उपसंभाग जांजगीर अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कडीशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	5.08	750.00	3800.00
7 T0118	उपसंभाग जांजगीर अंतर्गत आवासीय भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	1.69	300.00	2000.00
7 T0119	उपसंभाग गोरेला पेंड्रा मरवाही अंतर्गत आवासीय भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कोम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	1.50	300.00	2000.00
7 T0120	उपसंभाग गौरेला पेंड्रा मरवाही अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	3.76	750.00	3760.00
7 T0121	उपसंभाग गौरेला पेंड्रा मरवाही अंतर्गत सर्किट हाउस एवं रेस्ट हाउस भवनों में विंडो/स्प्लिट/कैसेट एवं टावर टाइप एयर कंडिशनर का कॉम्प्रेहेंसिव मरम्मत कार्य	1.00	300.00	2000.00
7 T0122	अफ़री ब्लाक बम्हनीडीह जिला जांजगीर चाम्पा के पशु औषधालय में विद्युतीकरण कार्य	0.95	300.00	713.00

नोट - 1. निविदा आमंत्रण में दर्शाये गये कार्य अनुसार पृथक-पृथक कार्य हेतु अमानत राशि पृथक प्रस्तुत करना होगा।
2. निविदा फार्म का लिफाफा-2 एवं अमानत राशि हेतु लिफाफा-3 को एक बड़े लिफाफा-1 के अंदर निविदा सूचना क्रमांक एवं ग्रुप क्रमांक डाल कर पंजीकृत डाक से प्रस्तुत करना होगा। अलग अलग कार्य हेतु अलग अलग लिफाफा प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा निविदा खोली नहीं जावेगी।
3. निविदा फार्म के साथ अमानत राशि (टी.डी.आर./एफ.डी.आर) के लिफाफा के अंदर 100/- का शपथ पत्र डालना अनिवार्य है।
4. आवेदन के जीएसटी नंबर संलग्न करना अनिवार्य है ।
5. वित्तीय वर्ष 2025-26 का जीएसटी रिटर्न की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
6. विगत 03 वर्षों का आयकर रिर्टन की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है ।
7. ईपीएफ नंबर की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी- 262701888/2

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग वि/यां.)
संभाग बिलासपुर (छ.ग.)

आधारशिला सैनिक स्कूल

अनुशासन की नींव पर नेतृत्व का निर्माण

सैनिक स्कूल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित आवासीय विद्यालयों की एक श्रृंखला है। स्थापना का मुख्य उद्देश्य छात्रों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) तथा अन्य रक्षा सेवाओं में प्रवेश के लिए तैयार करना तथा उनमें अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करना है।भारत सरकार ने देशभर में सैनिक स्कूलों के विस्तार के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सैन्य-उन्मुख एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के तहत लगभग 100 नए सैनिक स्कूल खोलने की घोषणा की है। इन नए स्कूलों को राज्य सरकारों द्वारा निजी संस्थानों एवं ट्रस्टों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, जबकि मानक और दिशा-निर्देश सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। कक्षा 6और 9 में प्रवेश अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (AISSEE) के माध्यम से होता है, जिसका आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) करती है।

आधारशिला सैनिक स्कूल, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, पीपीपी मॉडल के तहत संचालित 100 नए सैनिक स्कूल में से एक है, जो सैनिक स्कूल सोसायटी से संबद्ध है जो रक्षा मंत्रालय के तत्वाधान में कार्य करता है।यह स्कूल 2024 से संचालित है एवं बिलासपुर संभाग के एक मात्र सैनिक स्कूल है AVM वर्टीकल कक्षा नर्सरी से 12वी तक संचालित है जिसमें सैनिक स्कूल के कक्षा 6वी और 9वी में AVM की 5वीं और 8वीं के छात्रों के लिए 60% सीट्स आरक्षित है

समुदाय सेवा का आयोजन

आधारशिला सैनिक स्कूल समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए नियमित रूप से समुदाय सेवा गतिविधियों का आयोजन करता है। विद्यालय के कैडेट स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, जागरूकता रैलियां, रक्तदान शिविरों तथा सामाजिक सहायता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करते हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में सेवा भाव, सहानुभूति, सामाजिक उत्तरदायित्व और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। समुदाय सेवा कार्यक्रम न केवल समाज के कल्याण में योगदान देते हैं, बल्कि कैडेटों को एक संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करते हैं।

एनडीए में शैक्षणिक दौरा

आधारशिला सैनिक स्कूल के कैडेटों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला, पुणे में आयोजित 147वीं पासिंग आउट परेड के साक्षी बनने का गौरव प्राप्त हुआ। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और अविस्मरणीय अनुभव रहा। कैडेटों ने भव्य परेड, सुसंगठित कदमताल, अनुशासन और सैन्य परंपराओं का अद्भुत प्रदर्शन प्रत्यक्ष रूप से देखा। परेड के दौरान कैडेटों ने उत्कृष्ट समन्वय, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण की भावना को अनुभव किया। उन्हें एनडीए के प्रशिक्षण ढांचे, प्रवेश प्रक्रिया और सैन्य जीवन की चुनौतियों के बारे में भी जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर ने विद्यार्थियों के मन में भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा देने का संकल्प और अधिक दृढ़ किया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में यह यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई और कैडेटों को अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए नई प्रेरणा मिली।

एयरफोर्स स्टेशन की यात्रा

आधारशिला सैनिक स्कूल के कैडेटों ने एयर फोर्स स्टेशन बैरकपुर, कोलकाता का शैक्षणिक भ्रमण किया, जो उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक अनुभव सिद्ध हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भारतीय वायु सेना की कार्यप्रणाली, संगठनात्मक संरचना तथा विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक इकाइयों के बारे में जानकारी दी गई। कैडेटों ने वायु सेना के अनुशासन, समन्वय और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण व्यवस्था को निकट से देखा। अधिकारियों द्वारा वायु सेना में करियर के अवसरों, चयन प्रक्रिया तथा आवश्यक योग्यताओं के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विद्यार्थियों को विमानन तकनीक, सुरक्षा प्रणाली और दैनिक संचालन संबंधी महत्वपूर्ण पहलुओं से भी अवगत कराया गया। इस भ्रमण ने कैडेटों में देशसेवा के प्रति उत्साह, गर्व और समर्पण की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में यह शैक्षणिक यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई और विद्यार्थियों को अपने भविष्य के लक्ष्यों के प्रति प्रेरित किया।

अनुशासन और नेतृत्व का आधार

आधारशिला सैनिक स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विद्यालय की सुव्यवस्थित दिनचर्या, नियमित परेड, शारीरिक प्रशिक्षण और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से कैडेटों में समयपालन, जिम्मेदारी और आत्मसंयम की भावना विकसित की जाती है। यहां प्रत्येक विद्यार्थी को टीम वर्क, निर्णय लेने की क्षमता और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने का प्रशिक्षण दिया जाता है। विभिन्न हाउस गतिविधियों, खेल प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और एनसीसी प्रशिक्षण के माध्यम से नेतृत्व गुणों को प्रोत्साहित किया जाता है। इस प्रकार आधारशिला सैनिक स्कूल अपने कैडेटों को अनुशासित, आत्मविश्वासी और सक्षम नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

विद्यालय में अत्याधुनिक अधोसंरचना

अत्याधुनिक अधोसंरचना से आशय ऐसी आधुनिक और उन्नत सुविधाओं से है, जो शिक्षा एवं प्रशिक्षण को उच्चतम स्तर पर ले जाने में सहायक हों। आधारशिला सैनिक स्कूल में स्मार्ट कक्षाएं, डिजिटल शिक्षण उपकरण, सुसज्जित विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय तथा आधुनिक ऑडियो-वीडियो संसाधन उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्तपूरी तरह से सुसज्जित सुरक्षित बॉयज एवं गर्ल्स हॉस्टल, विशाल परेड ग्राउंड, उन्नत खेल सुविधाएं, स्वच्छ भोजनालय और सुरक्षा व्यवस्था विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करती है। यह अत्याधुनिक अधोसंरचना विद्यार्थियों के शैक्षणिक, शारीरिक और व्यक्तित्व विकास के लिए सशक्त आधार तैयार करती है।

उच्च गुणवत्ता की शिक्षा

आधारशिला सैनिक स्कूल में विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान की जाती है, जो आधुनिक शिक्षण पद्धतियों एवं राष्ट्रीय शिक्षा मानकों पर आधारित है। विद्यालय में अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों द्वारा विषयों की गहन एवं स्पष्ट समझ विकसित कराई जाती है। स्मार्ट कक्षाएं, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय तथा नियमित मूल्यांकन प्रणाली विद्यार्थियों की शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करती है।विद्यालय में केवल पाठ्य ज्ञान ही नहीं, बल्कि तार्किक चिंतन, व्यक्तित्व विकास और प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। एनडीए तथा अन्य रक्षा सेवाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, जिससे विद्यार्थी अपने भविष्य के लक्ष्यों की ओर आत्मविश्वास के साथ अग्रसर हो सकें। इस प्रकार आधारशिला सैनिक स्कूल गुणवत्तापूर्ण, अनुशासित एवं उद्देश्यपूर्ण शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में पहल

आधारशिला सैनिक स्कूल ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए बालिकाओं के लिए भी प्रवेश के द्वार खोल दिए हैं।आधारशिला सैनिक स्कूल में 30% सीट् बालिकाओ के लिए आरक्षित है यह पहल लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके माध्यम से लड़कियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासनात्मक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास के समान अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। विद्यालय में बालिकाओं को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं, शारीरिक प्रशिक्षण, परेड, एनसीसी गतिविधियां एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलता है। एनडीए तथा अन्य रक्षा सेवाओं में करियर बनाने की इच्छुक छात्राओं को विशेष मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान की जाती है। सुरक्षित एवं अनुशासित आवासीय वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर बालिकाएं आत्मविश्वासी, सक्षम और आत्मनिर्भर बन रही हैं। इस प्रकार आधारशिला सैनिक स्कूल न केवल शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि सशक्त एवं राष्ट्रनिष्ठ महिला नेतृत्व तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास

आधारशिला सैनिक स्कूल में विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं सर्वांगीण विकास पर विशेष बल दिया जाता है। नियमित शारीरिक प्रशिक्षण, परेड, खेलकूद एवं योग के माध्यम से छात्रों की शारीरिक क्षमता, सहनशक्ति और फिटनेस को सुदृढ़ किया जाता है। मानसिक विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तार्किक चिंतन, समस्या समाधान गतिविधियां तथा प्रेरक मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित हो। साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सामुदायिक सेवा, नेतृत्व प्रशिक्षण और व्यक्तित्व विकास गतिविधियों के माध्यम से उनके सामाजिक एवं भावनात्मक विकास को भी प्रोत्साहित किया जाता है। इस प्रकार विद्यालय विद्यार्थियों को संतुलित, सक्षम और जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करने के लिए समर्पित है।

जीवन कौशल एवं मूल्य शिक्षा पर विशेष ध्यान

आधारशिला सैनिक स्कूल में विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान की जाती है, जो आधुनिक शिक्षण पद्धतियों एवं राष्ट्रीय शिक्षा मानकों पर आधारित है। विद्यालय में अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों द्वारा विषयों की गहन एवं स्पष्ट समझ विकसित कराई जाती है। स्मार्ट कक्षाएं, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय तथा नियमित मूल्यांकन प्रणाली विद्यार्थियों की शैक्षणिक उत्कृष्टता सुनिश्चित करती है। विद्यालय में केवल पाठ्य ज्ञान ही नहीं, बल्कि तार्किक चिंतन, व्यक्तित्व विकास और प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। एनडीए तथा अन्य रक्षा सेवाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, जिससे विद्यार्थी अपने भविष्य के लक्ष्यों की ओर आत्मविश्वास के साथ अग्रसर हो सकें। इस प्रकार आधारशिला सैनिक स्कूल गुणवत्तापूर्ण, अनुशासित एवं उद्देश्यपूर्ण शिक्षा का उत्कृष्ट केंद्र है।

युवा उत्सव युवाओं में राष्ट्र निर्माण में सहभागिता को प्रोत्साहित करने का सशक्त मंचः तोखन

जीवन संस्कार सेवा समिति की अनूठी पहलः 'इंकलाब युवा संसद 2026' से निखरेगा युवा

बिलासपुर/नवप्रदेश। जीवन संस्कार सेवा समिति द्वारा 11 एवं 12 जुलाई 2026 को बिलासपुर में 'इंकलाब युवा संसद 2026' का भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय कार्यक्रम युवाओं को लोकतांत्रिक प्रणाली की गहन समझ प्रदान करने, उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करने तथा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उनकी सक्रिय एवं सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

इस आयोजन के अंतर्गत लोकसभा, विधानसभा, यूनिसेफ, यूएनजीए, डीआईएसईसी, आईपी, आईपीएल एवं महाभारत जैसी विविध समितियों का गठन किया गया है, जिससे प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखने और संवाद स्थापित करने का अवसर प्राप्त होगा। विशेष रूप से इस वर्ष पहली बार शतरंज को शामिल किया गया है, जो युवाओं में तार्किक क्षमता, रणनीतिक सोच और निर्णय लेने की दक्षता को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगा। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि 'इंकलाब युवा संसद 2026' युवाओं में लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, प्रभावी अभिव्यक्ति, नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

युवाओं के लिए प्रेरणादायक व मार्गदर्शक मंचः कलेक्टर

बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने युवाओं से आयोजन में अधिकाधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान करते हुए कहा कि 'इंकलाब युवा संसद' जैसे मंच युवाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, संवाद एवं अभिव्यक्ति कौशल, सामाजिक उत्तरदायित्व और व्यक्तित्व विकास को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय एवं जागरूक भागीदारी के लिए प्रेरित करेंगे। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सदस्य मोहनीश, अमीषा, प्रवीण स्वामी, विराज, आयुष सहित संपूर्ण टीम सतत प्रयासरत है। शहर के विभिन्न गणमान्य नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक एवं मार्गदर्शक मंच बताया है।

न्यूज गैलरी

बच्चों में बढ़ते केमिकल नशे के खिलाफ बाल संरक्षण आयोग सख्त

सीपत/नवप्रदेश। जिले में नाबालिग बच्चों के बीच बोनफिक्स, सोल्यूशन, थिनर और प्रतिबंधित सिरप जैसे जानलेवा केमिकल नशों के बढ़ते चलन पर बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने गहरी चिंता जताई है। बिलासपुर में सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन वस्त्रकार और उनके संगठन के साथियों–कुंवर अजय, श्रवण वस्त्रकार, अजय यादव, शशिकांत, श्याम सुंदर, सूरज यादव व धर्मेन्द्र पटेल ने मुलाकात कर इस गंभीर जिलेव्यापी समस्या से उन्हें अवगत कराया। मामले को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने आश्वस्त किया कि आयोग जल्द ही बिलासपुर जिला प्रशासन, एसपी और थाना प्रभारियों के माध्यम से पूरे जिले में विशेष रेस्क्यू, काउंसलिंग और नशीली सामग्री बेचने वाली दुकानों पर प्रतिबंधात्मक कड़ाई का संयुक्त अभियान चलाएगा।

खैरझिटी में सहायिका भर्ती, आवेदन 20 तक

बिलासपुर/नवप्रदेश। एकीकृत बाल विकास परियोजना कोटा अंतर्गत ग्राम पंचायत आमामुड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र खैरझिटी में आंगनबाड़ी सहायिका के एक रिक्त पद के लिए 20 जुलाई तक ऑनलाईन आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका ई-भर्ती ऑनलाईन लिंक http://aww.e-bharti.in में जाकर अनिवार्य दस्तावेज अपलोड करते हुए आवेदन कर सकती है।

डीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त 1 आवेदक के आवेदन के छानबीन के क्रम में 7 दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। यदि आवेदक के परिवार के कोई भी सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत हो अथवा किसी प्रकार के अपराधिक या न्यायालीन मामले उनके विरूद्ध लंबित हो तो इसकी जानकारी उक्त समयावधि में बंद लिफाफे में या स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी दे सकते है। डीईओ ने आगे बताया कि मस्तुरी ब्लॉक के शासकीय हाई स्कूल कुकदीकला में व्याख्याता के पद पर कार्यरत स्व. प्रशांत कोन्हेर के परिवार से उनकी पुत्री सुरभी कोन्हेर ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आवेदकों के संबंध में जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कक्ष क्रमांक 25 पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग प्रथम तल में निर्धारित अवधि में दिया जा सकता है। विलंब से प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

हाईकोर्ट बोला- पर्यावरण और वन संरक्षण से समझौता नहीं

जंगलों के दस किलोमीटर दायरे में आरा मिलों पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट ने पर्यावरण और वन संरक्षण के लिहाज से अहम फैसला सुनाते हुए अधिसूचित जंगलों और संरक्षित क्षेत्रों से 10 किलोमीटर के दायरे में आरा मिलों पर लगी रोक को बरकरार रखा है। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने इस मामले में दायर 19 याचिकाएं खारिज कर दीं और राज्य सरकार की 25 सितंबर 2025 की अधिसूचना को वैध ठहराया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि राज्य में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना जरूरी है और 'यहां दिल्ली जैसा प्रदूषण नहीं चाहिए।

दरअसल राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ काष्ठ चिरान (विनियमन) अधिनियम, 1984 की धारा 5(1) के तहत 25 सितंबर 2025 को अधिसूचना जारी कर अधिसूचित जंगलों और संरक्षित क्षेत्रों से हवाई दूरी के 10 किलोमीटर के दायरे को तीन सालों के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया था। इसके बाद वन विभाग ने इस क्षेत्र में संचालित आरा मिलों को बंद करने और उनके लाइसेंस के नवीनीकरण पर रोक लगाने के आदेश जारी किए थे। शाही ट्रेडर्स, अग्रवाल सॉ मिल, पटेल सॉ मिल समेत कई आरा मिल संचालकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सरकार के आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि उनकी आरा मिलें 12 दिसंबर 1996 से पहले से वैध लाइसेंस के साथ संचालित हो रही हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के टी.एन. गोदावर्मन थिरुमुल्पद मामले के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि पुरानी और वैध मिलों को इस तरह बंद करना

आरा मिलों पर रोक रहेगी जारी

हाईकोर्ट के फैसले के बाद अधिसूचित जंगलों और संरक्षित क्षेत्रों से 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाली आरा मिलों के संचालन और उनके लाइसेंस के नवीनीकरण पर लगी रोक बरकरार रहेगी। इस फैसले को राज्य में वन संरक्षण और पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण न्यायिक समर्थन माना जा रहा है।

कोर्ट ने 10 किमी बफर जोन को बताया तार्किक

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सरकार की ओर से तय किए गए 10 किलोमीटर के बफर जोन को पूरी तरह तार्किक और उचित माना। कोर्ट ने कहा कि वन क्षेत्रों के चारों ओर एक निश्चित सुरक्षा दायरा तय करना पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक है। आदेश में यह भी कहा गया कि औद्योगिक क्षेत्रों और नगर पालिका तथा नगर निगम की सीमाओं को पहले ही इस प्रतिबंध से छूट दी गई है, जिससे स्पष्ट है कि सरकार ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है।

पर्यावरण संरक्षण को कारोबार पर दी प्राथमिकता

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि वन संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और प्रदूषण नियंत्रण को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत के अनुसार, जंगलों के आसपास लकड़ी आधारित गतिविधियों को नियंत्रित करना जरूरी है, ताकि अवैध कटाई, पर्यावरणीय दबाव और प्रदूषण जैसी समस्याओं पर रोक लगाई जा सके। इसी आधार पर कोर्ट ने सभी 19 याचिकाएं खारिज कर राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराया।

लगातार बारिश के बीच निगम अलर्ट, कमिश्नर ने संवेदनशील इलाकों का किया निरीक्षण

बिलासपुर/नवप्रदेश। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नगर निगम अलर्ट मोड पर आ गया है। जलभराव की आशंका वाले क्षेत्रों में स्थिति बिगड़ने से पहले ही नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे सोमवार को स्वयं मैदान में उतरे और चौबे कॉलोनी, मंगला, तालापारा, जोरापारा, बंधवापारा, अभिषेक विहार, गंगानगर, हंसा विहार, श्रीकांत वर्मा मार्ग और भारती नगर सहित कई संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल निकासी व्यवस्था, नालों-नालियों की सफाई और बारिश के पानी के बहाव की स्थिति का जायजा लिया। राहत की बात यह रही कि लगातार बारिश के बावजूद शहर में अब तक कहीं भी बड़े स्तर पर जलभराव की स्थिति नहीं बनी है।

अधिकांश नालों और नालियों में पानी का बहाव सामान्य मिला। नगर निगम का दावा है कि मानसून से पहले दो चरणों में चलाए गए नाला-नाली सफाई अभियान का सकारात्मक असर अब दिखाई दे रहा है। इसी कारण कई संवेदनशील क्षेत्रों में भी पानी अधिक समय तक नहीं ठहर रहा। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के मौसम में सफाई और जल निकासी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन इलाकों में हर साल जलभराव की आशंका रहती है। वहां विशेष निगरानी रखने, नालों-नालियों की नियमित सफाई, लगातार मॉनिटरिंग और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निगम ने मैदानी अमले और संबंधित अधिकारियों को भी अलर्ट मोड पर रखा है। बारिश के दौरान जल निकासी की समस्या और अरपा नदी का जलस्तर बढ़ने जैसी संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए नगर निगम ने विकास भवन में 24 घंटे संचालित होने वाला बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। यहां तीन पालियों में अधिकारियों, इंजीनियरों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। आपात स्थिति में नागरिक 07752-471224 पर संपर्क कर सकते हैं।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की जीवन-दृष्टि ही श्यामा प्रसाद मुखर्जी का कर्तव्यः कौशिक

डॉ. मुखर्जी के 125 जयंती पर पूर्व विस अध्यक्ष कौशिक ने माल्यार्पण कर किया नमन

बिलासपुर/नवप्रदेश। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने महान राष्ट्रवादी चिंतक, प्रख्यात शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रभक्त एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वी जयंती के अवसर पर पुराना बस स्टैंड में स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का कर्तव्य केवल इतिहास नहीं, बल्कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की जीवन-दृष्टि है, जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया। सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आत्मनिर्भर भारत के उनके विचार आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं तथा भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली और विचारधारा में रचे-बसे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने 'एक देश में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान नहीं चलेंगे' का ओजस्वी उद्घोष कर जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटाने के लिए राष्ट्रव्यापी जनजागरण का नेतृत्व किया और भारत की अखंडता की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका राष्ट्र प्रथम का विचार, अटूट साहस, दूरदर्शी नेतृत्व और सिद्धांतों के प्रति अविचल निष्ठा प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणास्त्रोत है।डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता, सांस्कृतिक अस्मिता और जनसेवा के आदर्शों के प्रति समर्पित रहा। उनके राष्ट्रहित में किए गए त्याग, समर्पण एवं विचार आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं तथा देशभक्ति और राष्ट्रनिर्माण के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर भाजपा बिलासपुर जिलाध्यक्ष दीपक सिंह ठाकुर, बिलासपुर महापौर पूजा विधानी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

गड्ढों में मछली पालन कर कांग्रेसियों ने जताया विरोध

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के बिल्हा विधानसभा क्षेत्र की जर्जर सड़कों और पानी से भरे गड्ढों के खिलाफ मंगलवार को कांग्रेस ने अनोखे अंदाज में मोर्चा खोल दिया। नगपुरा, धमनी, कड़ार और सेंवार मुख्य मार्ग की बदहाल हालत को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी (पिछड़ा वर्ग विभाग) के कार्यकर्ताओं ने ग्राम सेंवार में सड़क के गड्ढों में उतरकर प्रतीकात्मक 'मछली पालन' किया और विधायक-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के जरिए कांग्रेस ने यह संदेश देने की कोशिश की कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि अब गड्ढे तालाब जैसे नजर आने लगे हैं।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस मार्ग पर लंबे समय से बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं, लेकिन मरम्मत के नाम पर सिर्फ आश्वासन मिला। बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और खतरनाक हो गई है। ग्रामीणों, बाइक सवारों और छोटे वाहनों को रोजाना जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सड़क की यह हालत सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता के साथ सीधा अन्याय है। जिला कांग्रेस कमेटी (पिछड़ा वर्ग विभाग) के अध्यक्ष सुनील साहू के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में कांग्रेस के जिला, ब्लॉक, मंडल, पंचायत और बूथ स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। इसके अलावा युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, सेवा दल, एनएसयूआई, इंटक और अन्य सहयोगी संगठनों के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने गड्ढों में मछली पालन कर सड़क निर्माण और मरम्मत को लेकर जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने मांग की है कि नगपुरा, धमनी, कड़ार और सेंवार मार्ग की तत्काल मरम्मत कर गड्ढों को भरा जाए। साथ ही बारिश के दौरान आवागमन सुरक्षित बनाने के लिए स्थायी समाधान किया जाए। नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने तंज कसते हुए कहा कि सड़क के गड्ढों में इतना पानी भर चुका है कि अब यहां मछली पालन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर मछली बड़ी होने तक भी सड़क नहीं बनी, तो उसे बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक को भेंट किया जाएगा। कांग्रेस ने इसे सड़क निर्माण और मरम्मत में लापरवाही के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध बताया। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के बीच प्रशासन हरकत में नजर आया। जर्जर सड़क की मरम्मत के लिए संबंधित मार्ग पर गिट्टी डलवाई गई। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने इसे देर से उठाया गया कदम बताते हुए कहा कि अगर पहले ही सड़क की मरम्मत कराई जाती, तो लोगों को इस तरह सड़क पर उतरकर विरोध नहीं करना पड़ता। कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन सिर्फ प्रदर्शन और दबाव के बाद ही जागेगा।

आयोजनः एसईसीएल में सुशासन का मंथनः हरीश दुहन ने दिलाया सत्यनिष्ठा संकल्प की शपथ

पारदर्शी व उत्तरदायी व्यवस्था विकसित करना उद्देश्यः वर्मा

बिलासपुर/नवप्रदेश। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में सोमवार को 'निवारक सतर्कता, शिकायत निवारण एवं सतर्कता प्रशासन' विषय पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के परामर्शदाता राजीव वर्मा ने कहा कि निवारक सतर्कता का उद्देश्य केवल अनियमितताओं की जांच करना या दंड देना नहीं, बल्कि ऐसी पारदर्शी एवं उत्तरदायी व्यवस्था विकसित करना है, जिससे अनियमितताओं की संभावना न्यूनतम हो। उन्होंने शिकायतों के निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण, जोखिम आधारित सतर्कता व्यवस्था तथा सर्वोत्तम प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय कुमार जायसवाल, निदेशक (तकनीकी/संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) दरला सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन, निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) रमेश चंद्र महापात्र, सहित विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एसईसीएल के सभी संचालन क्षेत्रों के अधिकारी एवं कर्मचारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने कहा। 'पारदर्शिता, नैतिकता और जवाबदेही एसईसीएल की कार्यसंस्कृति के मूल आधार हैं। निवारक सतर्कता प्रभावी प्रशासन का महत्वपूर्ण स्तंभ है और ऐसे संवाद संगठन में सत्यनिष्ठा की संस्कृति को और सुदृढ़ करते हैं। स्वागत उद्बोधन में मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन ने कहा कि एसईसीएल में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों जैसे डिजीकोल तथा ऑनलाइन पोर्टल जैसी व्यवस्थाएं निर्णय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के साथ-साथ निवारक सतर्कता को भी मजबूत कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान हरीश दुहन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा संकल्प दिलाया। सत्र के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने सतर्कता प्रशासन, शिकायत निवारण एवं अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका राजीव वर्मा ने व्यावहारिक उदाहरणों सहित उत्तर दिया। इससे पूर्व राजीव वर्मा ने अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन से शिष्टाचार भेंट की। इसके पश्चात उनकी अध्यक्षता में विभागाध्यक्षों एवं सतर्कता विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सतर्कता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

नाले में अर्धनग्न महिला का शव मिलने से सनसनी, पहचान में जुटी पुलिस

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर के तोरवा थाना क्षेत्र स्थित रेलवे परिक्षेत्र में तितली चौक के पास मंगलवार सुबह एक अज्ञात महिला का अर्धनग्न शव नाले में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर तत्काल तोरवा पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। फिलहाल महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ-साथ मृतका की पहचान कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। तोरवा थाना प्रभारी रजनीश सिंह ने बताया कि मृतका की तस्वीर जिले के सभी थाना क्षेत्रों सहित आसपास के जिलों के थानों में भेजी गई है। साथ ही दर्ज गुमशुदगी के मामलों का भी मिलान कराया जा रहा है, ताकि महिला की पहचान हो सके। उन्होंने कहा कि पहचान होने के बाद ही मौत के कारणों और घटना की परिस्थितियों का स्पष्ट खुलासा हो पाएगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्च्यूरी भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पहचान के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आज सीएम साय करेंगे डूमरतराई थोक बाजार का लोकार्पण, बदल जाएगी रायपुर के व्यापार की तस्वीर

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के व्यापारिक और आर्थिक विकास को एक नई ऊंचाई देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बुधवार, 8 जुलाई (आज) 2026 को रायपुर के डूमरतराई में बने अत्याधुनिक नवीन थोक बाजार का नामकरण और लोकार्पण करेंगे। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा तैयार किया गया यह विश्वस्तरीय व्यापारिक परिसर अब पूरी तरह सज-धज कर तैयार है। इस भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता आवास एवं पर्यावरण, वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी करेंगे। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम पहले 5 जुलाई को होना था, लेकिन कुछ अपरिहार्य कारणों से इसे आगे बढ़ाकर अब 8 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है।

दो चरणों में हुआ भव्य निर्माण: इस विशाल व्यापारिक परिसर को व्यापारियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दो अलग-अलग चरणों में विकसित किया गया है:

प्रथम चरण (लागत 76 करोड़): इस चरण में व्यापारियों के लिए 536 आधुनिक व्यावसायिक दुकानें और बड़े हॉल बनाए गए हैं, जहां सुव्यवस्थित ढंग से व्यापार संचालित हो सकेगा।

द्वितीय चरण (लागत 145 करोड़ रुपए): इस चरण के तहत विभिन्न श्रेणियों की 154 स्वतंत्र व्यावसायिक दुकानों का निर्माण किया गया है। दोनों चरणों का काम पूरा होने के बाद अब यह परिसर छत्तीसगढ़ का सबसे आधुनिक और सुव्यवस्थित थोक व्यापारिक केंद्र बन गया है।

व्यापार, रोजगार और अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान: राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर स्थित यह नया थोक बाजार आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के बिजनेस हब के रूप में काम करेगा।

सुरक्षित और आधुनिक माहौल: यह बाजार व्यापारियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए उन्हें एक सुरक्षित, सुविधाजनक और विश्वस्तरीय कारोबारी माहौल देगा।

रोजगार के नए अवसर: इस बड़े परिसर के शुरू होने से रायपुर और आसपास के इलाकों में हजारों नए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे।

आर्थिक विकास की नई गति: यह परियोजना प्रदेश में व्यापार, निवेश और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर रायपुर को एक मजबूत व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।

न्यूज गैलरी

समय-सीमा बैठक में पेंडिंग पेंशन मामले और आवास की लंबित किस्तें जल्द जारी करने के निर्देश

रायपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों को लंबित पेंशन प्रकरणों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नगरीय निकाय और जनपद पंचायतें समाज कल्याण विभाग के साथ समन्वय बनाकर पात्र हितग्राहियों को समय पर पेंशन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। इस बैठक में कलेक्टर ने जिले में व्यापक पौधरोपण के लिए विभागवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग और वन विभाग मिलकर सड़कों के किनारे अधिक से अधिक पौधे लगाएं, ताकि हरियाली बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले। डॉ. सिंह ने शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती यातायात जरूरतों को देखते हुए ई-रिक्शा वितरण की योजना पर भी जोर दिया। उन्होंने श्रम विभाग को पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार कर जल्द वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की लंबित किश्तों की समीक्षा करते हुए सभी नगरीय निकायों और जनपद पंचायतों को लंबित भुगतान की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एडीएम उमाशंकर बंदे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डायवर्सन मार्ग पानी में बहा, 5 गांवों का संपर्क ब्लॉक मुख्यालय से टूटा

बतौली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सरगुजा बतौली में भारी बारिश के कारण ग्राम करदाना सहित पांच गांवों का संपर्क बतौली मुख्यालय से टूट गया। जिससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है। ठेकेदार की लापरवाही से बतौली से करदना पहुंच मार्ग में निर्माणाधीन पुलिया के पास बने 3 डायवर्सन मार्ग भारी बरसात में बह गया। जिससे 6 गांव के स्कूली बच्चों सहित किसान,शिक्षक ,शिक्षिकाए ग्रामीण जन प्रभावित हुए है जबकि स्कूल पहुंचने 3 किलोमीटर पैदल चलकर शिक्षक संस्था पहुंचे है। आपको बता दें कि बतौली से ग्राम पंचायत करदना पहुंच मार्ग में 9 किलोमीटर के दायरे में कोरकोट ढाब, शिवसाय घर के पास लैगू, तिलाईघाट के नीचे प्रधानमंत्री सड़क में ठेकेदार के माध्यम से लाखों की राशि से तीन पुलिया का निर्माण माह दिसम्बर 2025 व जनवरी 2026 में पुलिया बनाने नींव खुदाई किया गया था। जहां 5 महीना बीत जाने के बाद भी पुलिया का निर्माण पूरा नहीं किया जा सका है। जिससे अब बरसात आते ही तीनों पुलिया में बने डायवर्सन मार्ग पानी में बह गया जिससे ग्रामीण जनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बतौली मुख्यालय आने के लिए 6 गांव करदना, कदनई, लोटाभावना, झोजा, कोरकोट ढाब, लैगू का संपर्क टूट चुका है। जिससे हाई स्कूल,मिडिल स्कूल,प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं,कॉलेज के विद्यार्थी,परिवहन में लगे बस, ग्रामीण जनों का सीधा संपर्क पूरी तरह से टूट चुका है। जहां स्कूल जाने शिक्षक पुलिया के अभाव में मार्ग बाधित होने से 3 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल पहुंचे है। जबकि बरसात आते ही किसान खाद बीज हेतु बतौली आते किसान घर बैठे परेशान है। वहीं तहसील,थाना जनपद ,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सहित दैनिक कार्य ज्यादा प्रभावित हुए है।

विशेषज्ञ बताएंगे- कैसी हो कौशल आधारित शिक्षा, 400 टीचर्स से ट्रेनिंग की शुरुआत

रायपुर/भिलाई। आईआईटी भिलाई द्वारा प्रदेश के शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। सोमवार से इसकी शुरुआत हुई। 400 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने 8 बैच निर्मित किए गए हैं। प्रत्येक बैच को तीन दिनों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस तरह से यह प्रशिक्षण लगभग एक माह चलेगा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की शैक्षणिक क्षमताएं बढ़ाना है। समग्र शिक्षा के सहयोग से आईआईटी भिलाई के कैंपस में यह प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के जरिए विद्यालयी शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में वृद्धि करना, कौशल-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करना तथा मूल्यपरक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुदृढ़ करने की कोशिश की जाएगी। संयोजक डॉ. महबूब आलम ने अपने संबोधन में कहा, शिक्षक दीपक के समान होते हैं, जो स्वयं जलकर विद्यार्थियों के जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं। वहीं डॉ. ध्रुव प्रताप सिंह ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि वे सदैव अपने शिक्षकों के योगदान को सम्मानपूर्वक स्मरण करते थे, जो शिक्षा के महत्व को दर्शाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्रों को कौशल आधारित शिक्षा देने तथा उन्हें टेक्नोलॉजी से अपडेट रखने का प्रावधान है। इस संदर्भ में अब शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि वे छात्रों को कौशल आधारित शिक्षा दे पाएं। प्रशिक्षण में शिक्षकों को यह बताया जा रहा है कि वे किस तरह से छात्रों की प्रतिभा को पहचान कर उसे सही दिशा दे सकते हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला होते हैं और समाज को दिशा देने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हितग्राहियों को कार्ड का आईडी नंबर डालकर लगाना होगा फिंगर

अब एटीएम सेंटर से निकलेगा पीडीएस चावल, कतार से राहत

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत अब तक उचित मूल्य की दुकानों से ही हितग्राहियों को पीडीएस चावल का वितरण किया जाता है

रायपुर/नवप्रदेश। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत अब तक उचित मूल्य की दुकानों से ही हितग्राहियों को पीडीएस चावल का वितरण किया जाता है, लेकिन अब हितग्राहियों को सुविधा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में ग्रेन एटीएम सेंटर खोलने का निर्णय लिया है। इस एटीएम से रुपयों की जगह पीडीएस चावल निकलेगा। यह ग्रेन एटीएम भी बैंकों के एटीएम सेंटरों की तरह 24 घंटे खुले रहेंगे, जिससे हितग्राही अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय एटीएम सेंटर में जाकर चावल निकाल पाएगा। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि एटीएम सेंटर के खुलने से उचित मूल्य की दुकानों में लगने वाली भीड़ कम होगी, जिससे हितग्राहियों के समय की बचत के साथ लाइन में लगना भी नहीं पड़ेगा।

24 घंटे खुला रहेगा सेंटर सुरक्षा गार्ड भी रहेगा तैनात: ग्रेन एटीएम सेंटर भी बैंकों के एटीएम की तरह 24 घंटे खुला रहेगा। हितग्राही अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय इस सेंटर में जाकर चावल निकाल सकता है। इस प्रक्रिया में महज 30 से 50 सेकंड ही लगेंगे।

आईडी नंबर डालने के बाद फिंगर करना होगा स्कैन: उचित मूल्य की दुकान में ईपॉस मशीन में जिस तरह से खाद्यान्न लेने के लिए हितग्राही को प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, लगभग वहीं प्रक्रिया एटीएम सेंटर में पीडीएस चावल निकालने के दौरान पूरी करनी होगी। दोनों अंतर यह है कि एटीएम सेंटर में हितग्राही स्वयं से अन्नपूर्णा मशीन में पहले राशन कार्ड की आईडी डालेगा और फिर फिंगर स्कैन करेगा। इसके साथ ही कार्ड के सदस्यों की संख्या के अनुसार चावल मशीन से निकलेगा, जिसे हितग्राही थैले या बोरे में ले सकेंगे।

कई राज्यों में किया जा रहा प्रयोग: ग्रेन एटीएम सेंटर का प्रयोग ओड़िशा, बिहार, राजस्थान तथा हरियाणा जैसे राज्यों में किया जा चुका है। इन राज्यों में कहीं-कहीं पीडीएस वितरण एटीएम सेंटर खुले हुए है। छत्तीसगढ़ में भी अब इसका ट्रॉयल होने जा रहा है।डेमोग्राफ़िक्स

ट्रायल के रूप में खोलने की तैयारी: रायपुर खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि, ट्रॉयल के रूप में पहला ग्रेन एटीएम सेंटर खोलने की तैयारी की जा रही है। स्थान का चयन कर लिया है। जल्द ही अन्नपूर्णा मशीन सहित पूरा सेटअप स्थापित कर एटीएम सेंटर खोला जाएगा।

पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में रायपुर, दुर्ग-बिलासपुर में एक-एक एटीएम सेंटर खुलेंगे

खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, ग्रेन एटीएम सेंटर की सुविधा पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लाया गया है। इसके लिए रायपुर, दुर्ग एवं बिलासपुर को चुना है, जहां एक-एक ग्रेन टीएम सेंटर खोलने की तैयारी की जा रही है। रायपुर में ग्रेन एटीएम सेंटर खोलने के लिए स्थान भी चिन्हांकित कर लिया है। रावांभाठा क्षेत्र में आरटीओ दफ्तर के पीछे इलाके में एक सरकारी भवन में एटीएम सेंटर खोला जाएगा। इस भवन का खाद्य विभाग एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी निरीक्षण भी कर चुके है। जल्द ही इसे ग्रेन एटीएम सेंटर का रूप दिया जाएगा। इसे सफलता मिलने के बाद पूरे प्रदेश में इसे लागू किया जाएगा, जिसके बाद हर शहर में धीरे-धीरे एटीएम सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से, हंगामेदार होगा

नकटी भूमि विवाद और कानून-व्यवस्था पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र आगामी 13 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र को लेकर प्रदेश की राजनीति में सरगर्मी बेहद तेज हो गई है। जनहित और प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को लेकर अब तक विधायकों की ओर से रिकॉर्ड 1,033 प्रश्न लगाए जा चुके हैं। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कानून-व्यवस्था, रायपुर का चर्चित नकटी भूमि विवाद, बिजली-पानी का संकट, बदहाल सड़कें और खरीफसीजन में किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार को चौतरफा घेरने की पुख्ता रणनीति बनाई है। ऐसे में इस पांच दिवसीय सत्र के दौरान सदन में तीखी बहस और भारी हंगामे के आसार हैं।

नकटी भूमि विवाद पर गरमाएगी सदन की राजनीति

रायपुर के नकटी गांव में हाल ही में हुई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, विस्थापन और विधायक आवास के लिए प्रस्तावित जमीन से जुड़ा विवाद इस सत्र का सबसे गर्मा गरम मुद्दा रहने वाला है। खास बात यह है कि इस मामले में सत्ता पक्ष (भाजपा) के ही एक सांसद द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद राजनीतिक माहौल और ज्यादा गरमा गया है। कांग्रेस इसे प्रशासनिक विफलता बताते हुए सरकार की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़े करने की तैयारी में है।

कानून-व्यवस्था और किसानों के मुद्दों पर तीखे सवाल: विपक्ष प्रश्नकाल और ध्यानाकर्षण के जरिए प्रदेश की कानून-व्यवस्था का मामला प्रमुखता से उठाएगा। कांग्रेस का आरोप है कि राज्य में हत्या, चाकूबाजी, महिलाओं के खिलाफ अपराध और नशे का कारोबार तेजी से बढ़ा है। इसके अलावा, खरीफ सीजन के दौरान ग्रामीण इलाकों में खाद-बीज की किल्लत, सिंचाई के लिए बिजली की आंख-मिचौली और धान खरीदी की अधूरी तैयारियों को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा जाएगा।

सड़क, पानी और मानसून की अव्यवस्था पर घेराव: ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बिजली कटौती, पेयजल संकट और बारिश के कारण बदहाल हो चुकी सड़कों का मुद्दा भी गूंजेगा। हाल ही में हुई बारिश के बाद कई जगहों पर हुए जलभराव और सरकार के आपदा प्रबंधन की तैयारियों को लेकर विपक्ष तीखे सवाल दागेगा। दूसरी तरफ सत्ता पक्ष ने भी विपक्ष के हर वार का जवाब देने और अपनी विकास योजनाओं को मजबूती से सदन के पटल पर रखने की तैयारी पूरी कर ली है।

दो तस्करों को 10-10 साल की सजा एमपी ले जा रहे थे 53 किलो गांजा

धमतरी/नवप्रदेश। जिले के बहुचर्चित 53 किलोग्राम गांजा तस्करी मामले में पुलिस को बड़ी न्यायिक सफलता मिली है। वैज्ञानिक जांच और मजबूत साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास और एक-एक लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

पुलिस के अनुसार, 9 जनवरी 2024 को थाना बोराई पुलिस ने बैरियर नाका पर वाहन जांच के दौरान उड़ीसा की ओर से आ रही मारुति ज़ेन एलएक्स कार (एमपी-20-एफए-2513) को संदेह के आधार पर रोका। तलाशी के दौरान कार की डिक्की और बीच की सीट पर रखी तीन प्लास्टिक बोरियों से कुल 53 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

वाहन में सवार मध्यप्रदेश के सतना निवासी तोषण विश्वकर्मा उर्फ राजा और रीवा निवासी विजय विश्वकर्मा गांजा परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 53 किलोग्राम गांजा, मारुति कार, दो मोबाइल फोन और नकद राशि सहित कुल 11 लाख 10 हजार 800 रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(क्क)(द्वद्व)(ष्ट) के तहत अपराध दर्ज कर दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

सुनवाई के दौरान धमतरी पुलिस द्वारा प्रस्तुत वैज्ञानिक एवं मजबूत साक्ष्यों को न्यायालय ने पर्याप्त माना। इसके आधार पर दोनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास और एक-एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। इस प्रकरण की विवेचना तत्कालीन उपनिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने की थी। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने उत्कृष्ट विवेचना, प्रभावी साक्ष्य संकलन और न्यायालय से दोषसिद्धि सुनिश्चित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर उन्हें 500 रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति पदक प्राप्त ट्रैफिक मैन को मिली पीएचडी: यातायात जागरुकता पर शोध

कोरिया/नवप्रदेश। राष्ट्रपति पदक प्राप्त कोरिया जिले के ट्रैफिक मैन डॉ. महेश मिश्रा को यातायात जागरूकता पर किए गए शोध कार्य के लिए संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अंबिकापुर द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। सड़क सुरक्षा और जन-जागरूकता पर आधारित उनके शोध को समाज के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण बताया गया है।

यातायात जागरूकता पर किया गहन शोध: डॉ. महेश मिश्रा ने 'यातायात नियमों के परिपालन संबंधी जागरूकता का अध्ययन : छत्तीसगढ़ राज्य के कोरिया जिले के विशेष संदर्भ में' विषय पर शोध किया। इस शोध में कोरिया जिले के नागरिकों और सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच यातायात नियमों के प्रति जागरूकता, नियमों के पालन की स्थिति, सड़क दुर्घटनाओं के कारणों और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के उपायों का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से अध्ययन किया गया।

2019 से शुरू हुआ शोध का सफर: डॉ. मिश्रा ने वर्ष 2019 में प्री-पीएचडी परीक्षा उत्तीर्ण की थी। वर्ष 2023 में उनके शोध विषय का पंजीयन हुआ और जून 2026 में अंतिम वाइवा सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद उन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

विशेषज्ञों ने बताया समाज के लिए उपयोगी शोध: शोध कार्य का निर्देशन समाजशास्त्री डॉ. रवीन्द्र नाथ शर्मा ने किया। वहीं बाह्य परीक्षक प्रो. महेश शुक्ला ने शोध का मूल्यांकन करते हुए इसे वर्तमान समय में सड़क सुरक्षा और मानव जीवन की रक्षा के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

अकादमिक और सामाजिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट पहचान: डॉ. महेश मिश्रा संस्कृत, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल कर चुके हैं। वे लंबे समय से यातायात जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

बारनवापारा में प्रकृति का अद्भुत श्रृंगार, हरियाली के बीच फूट पड़े झरने

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। बीते दिनों हुई मूसलाधार बारिश ने एक ओर जहां जनजीवन को प्रभावित किया, वहीं दूसरी ओर प्रकृति ने ऐसा अद्भुत रूप धारण किया है, जिसे देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो रहा है। उफनती नदियों और नालों के बीच बलौदाबाजार जिले के कसडोल बारनवापारा वन क्षेत्र सहित आसपास की पहाड़ियां इन दिनों हरियाली की मखमली चादर ओढ़े नजर आ रही हैं। छोटी-छोटी पहाड़ियों से दूधिया धाराओं की तरह बहते बरसाती झरने जंगल की खूबसूरती में ऐसा आकर्षण घोल रहे हैं कि यहां पहुंचने वाला हर पर्यटक कुछ पल ठहरकर इस प्राकृतिक सौंदर्य को अपनी आंखों और कैमरे में कैद करना चाहता है। बारिश के बाद पहाड़ियों से रिसता पानी जब चट्टानों से होकर नीचे गिरता है तो दर्जनों छोटे-छोटे अस्थायी झरनों का निर्माण होता है।

झरनों की ध्वनि ने वातावरण को बनाया मनमोहक: इन झरनों की कल-कल करती मधुर ध्वनि, घने पेड़ों के बीच बहती ठंडी हवाएं, मिट्टी की भीनी-भीनी खुशबू और बादलों से ढका आसमान मिलकर ऐसा मनमोहक वातावरण बना देते हैं, मानो प्रकृति ने स्वयं अपने हाथों से इस जंगल का श्रृंगार किया हो। इन झरनों की सबसे खास बात यह है कि ये पूरे वर्ष नहीं बहते। केवल अच्छी बारिश के बाद कुछ कुछ हफ्तों या महीनों तक ही इनका अस्तित्व रहता है। इसके बाद जैसे-जैसे बारिश कम होती है, ये झरने भी धीरे-धीरे विलुप्त हो जाते हैं। यही अल्पकालिक सुंदरता इन्हें और भी खास बना देती है और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह किसी अनमोल उपहार से कम नहीं होती।

कसडोल ब्लॉक में हैं 5 से अधिक झरने: इन दिनों कसडोल ब्लॉक का सिद्धखोल झरना सहित बार नयापारा क्षेत्र में 5 से अधिक झरने है। इन झरनों को देखने आसपास के वन क्षेत्र में पहुंचने वाले पर्यटक पहाड़ी झरनों, हरी-भरी वादियों घिरे प्राकृतिक दृश्यों का भरपूर आनंद ले रहे हैं। कई युवा, फोटोग्राफर और सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर यहां की खूबसूरती को अपने कैमरों में कैद कर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। इन तस्वीरों और वीडियो को देखकर अन्य लोग भी इस प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखने के लिए आकर्षित हो रहे हैं।

लोगों के लिए पर्यटन का बना केंद्र: बरसात के मौसम में जंगल का हर कोना जीवन से भर उठा है। पेड़ों की चमकती हरियाली, पहाड़ियों की चट्टानों से फिसलता निर्मल जल और पक्षियों की मधुर चहचहाहट मिलकर ऐसा दृश्य रच रहे हैं, जो किसी प्राकृतिक चित्रकला से कम नहीं लगता। शहरों की भागदौड़ और शोरगुल से दूर यह वनांचल इन दिनों सुकून, ताजगी और प्रकृति के साथ कुछ यादगार पल बिताने की चाह रखने वाले लोगों के लिए एक आदर्श पर्यटन स्थल बन गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com